बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 23 दिसम्बर 2024
पौष कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 91
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

कार्ति चिदंबरम जा सकते हैं विदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आईएनएक्स मीडिया मामले में आरोपी कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को 4 से 12 जनवरी के बीच विदेश यात्रा करने की मंजूरी दे दी। विशेष जज कावेरी बावेजा ने अपने आदेश में कार्ति को अपनी कंपनी से जुड़े प्रोग्राम में शामिल होने और अपनी बेटी से मिलने के लिए वियना (ऑस्ट्रिया) और यूके जाने की इजाजत दी। हालांकि, ईडी की ओर से पेश वकील एनके मट्टा ने कहा कि कार्ति इस छूट का दुरुपयोग कर सकते हैं। लेकिन जज ने कहा- यह रिकॉर्ड में दर्ज है कि आवेदक को पहले भी विदेश यात्रा के लिए अदालत से अनुमति मिली है और उसने कभी भी इसका दुरुपयोग नहीं किया।

अल्लू अर्जुन के घर में तोड़फोड़

हैदराबाद। पुलिस ने हैदराबाद में अल्लू अर्जुन के घर के बाहर तोड़फोड़ करने के आरोप में आठ लोगों को अरेस्ट किया है। एक्टर अल्लू अर्जुन हैदराबाद स्थित घर के बाहर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने तोड़फोड़ की है। इस मामले में पुलिस ने 8 सदस्यों की गिरफ्तारी हुई है। ये लोग एक्टर के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। वे पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में मची भगदड़ में मारी गई महिला के परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। इस घटना के कुछ समय पहले ही अल्लू अर्जुन ने पोस्ट किया था- मैं अपने सभी फैंस से अपील करता हूं कि वे हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें। ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी प्रकार की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें, ना ही किसी से गलत व्यवहार करें।

भाई-बहन ने दी थी बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के 3 स्कूलों में बम की धमकी वहां पढ़ने वाले दो छात्रों ने ही दी थी। दोनों भाई-बहन थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि काउंसिलिंग के दौरान छात्रों ने माना कि उन्होंने ई-मेल के जरिए 3 स्कूलों को बम की धमकी भेजी थी। वे चाहते थे कि एग्जाम टाल दिए जाएं। उन्होंने पहले की घटनाओं से धमकी भेजने का आइडिया मिला था। पुलिस को छात्रों ने बताया कि उन्होंने एग्जाम की तैयारी नहीं की थी। ऐसे में वे एग्जाम को टालना चाहते थे। पुलिस ने बताया कि दोनों छात्र थे, इसलिए काउंसिलिंग के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। 17 दिसंबर को रोहिणी और पश्चिम विहार स्थित 3 स्कूलों में बम होने की धमकी भेजी गई थी। इसमें 72 घंटों के भीतर 85 लाख रुपए भेजने की बात कही गई थी। लिखा था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो बम ब्लास्ट कर दिया जाएगा।

बंसल बने सीएम सेक्रेटरी

रायपुर। प्रतिनियुक्ति से लौटे आईएएस अमित कटारिया को स्वास्थ्य विभाग का स्वास्थ्य सचिव बनाया गया है। वहीं आईएएस मुकेश बंसल को मुख्यमंत्री के सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने छुट्टी के दिन यानी रविवार को मंत्रालय से आदेश जारी किया है। दरअसल, कटारिया को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। कटारिया वही आईएएस हैं, जो पीएम मोदी से काला चश्मा लगाकर मिले थे, जिसके बाद जमकर बवाल हुआ था। इसके नोटिस भी थमाया गया था। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा नेता को गेट आउट भी कहा था। अमित कटारिया को अस्थाई तौर पर लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग में सचिव के तौर पर पदस्थ किया गया है।

सीसीटीवी फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग अब नहीं होगी सार्वजनिक

नई दिल्ली। सरकार ने पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को सार्वजनिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया है। इनका दुरुपयोग करने की आशंका के कारण सरकार ने यह कदम उठाया है।

अधिकारियों ने बताया कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद यह उम्मीदवार के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले की वजह से बदला नियम चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल्स-1961 के नियम में बदलाव किया है। नियम 93 कहता है कि चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे। इसे बदलकर चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज नियमानुसार पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक मामले में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था। इसमें सीसीटीवी फुटेज को भी नियम के तहत माना गया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं हैं। इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया है।

चुनाव आयोग ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड पब्लिक करने का नियम नहीं हैं ईसी ने बताया कि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, चुनाव रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल में किया गया है। आचार संहिता के दौरान उम्मीदवारों के सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं।

चुनाव आयोग के पूर्व अधिकारी ने बताया कि पोलिंग स्टेशन की सीसीटीवी कवरेज और वेबकास्टिंग कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल के तहत नहीं की जाती है, बल्कि यह ट्रांसपैरेंसी के लिए होती है। वहीं, उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां नियमों का हवाला देकर इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे हैं। संशोधन यह तय करता है कि नियमों में बताए गए कागजात ही सार्वजनिक हों। अन्य दस्तावेज जिनका नियमों में जिक्र नहीं है, उसे सार्वजनिक करने की अनुमति न दी जाए।

चुनाव नियम बदलना सरकार की सोची-समझी साजिश- मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव नियमों में बदलाव के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना की है, जिससे सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज प्राप्त करना कठिन हो गया है। खरगे ने इसे चुनाव आयोग की अखंडता को नष्ट करने की व्यवस्थित साजिश बताया है। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग की अखंडता को नष्ट करना संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

कांग्रेस की आपत्तियां

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल- खड़गे ने कहा कि जब भी कांग्रेस ने चुनाव में अनियमितताओं, मतदाता सूची से नाम हटाने, और ईवीएम की पारदर्शिता को लेकर शिकायत की, चुनाव आयोग ने उन्हें खारिज कर दिया।

संविधान पर हमला

उन्होंने कहा कि यह कदम चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर कर संविधान और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

रूल 93 का उल्लंघन-

खड़गे ने बताया कि चुनाव से जुड़े सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होने चाहिए। हालांकि, नए नियमों के तहत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को इससे बाहर रखा गया है। खड़गे ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि यह संशोधन लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर हमला है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सरकार का पक्ष

केंद्र सरकार का कहना है कि यह संशोधन चुनावी दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकने के लिए किया गया है और यह पारदर्शिता को प्रभावित नहीं करेगा।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण को दी गई रिपोर्ट में केंद्र ने बताया

बिहार और बंगाल के पानी में सबसे ज्यादा आर्सेनिक

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और बिहार के पानी में सबसे ज्यादा आर्सेनिक है। हालात यह हैं कि भूजल में मौजूद आर्सेनिक फसलों को भी प्रभावित कर रहा है। साथ ही खाद्य पदार्थों के जरिये लोगों के शरीर में पहुंच रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) को यह जानकारी दी है। चावलों के आर्सेनिक से प्रभावित होने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही एनजीटी ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा था।

एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने आदेश में कहा कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से इनपुट मांगने के बाद अपना जवाब दाखिल किया था। केंद्र ने अपने जवाब में लिखा है कि पश्चिम बंगाल और बिहार के पानी में सबसे ज्यादा आर्सेनिक है। दूषित पानी से सिंचाई करने से आर्सेनिक मिट्टी में प्रवेश कर रहा है। इसके बाद यह खाद्य पदार्थों में प्रवेश करता है।

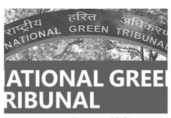

चावल में आर्सेनिक की मात्रा अधिक

केंद्र ने जवाब में कहा है कि इसलिए चावल में आर्सेनिक की मात्रा अधिक हो सकती है, क्योंकि चावल भी अधिक पानी वाली फसल है। जिन क्षेत्रों में आर्सेनिक की अधिकता है, वहां पर उगाए गए चावल में आर्सेनिक होगा। अगर इसको दूसरे स्थानों पर ले जाया जाता है तो बड़ी आबादी के आर्सेनिक से प्रभावित होने का खतरा है। मामले में अब एनजीटी ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को प्रतिवादी बनाते हुए जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई अब 15 अप्रैल को होगी।

जड़ से शुरू होता है आर्सेनिक का प्रवेश

केंद्र सरकार ने एनजीटी को बताया कि फसल में जड़ के जरिये आर्सेनिक का प्रवेश शुरू होता है। जड़ के बाद यह तने और फिर पत्तियों में पहुंचता है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि पत्तेदार सब्जी जैसे पालक, मैथी और जमीकंद सब्जी जैसे चुकंदर, आलू, मूली में अधिक आर्सेनिक पाया गया है। जबकि पौधे वाली सब्जी जैसे बैंगन, टमाटर, भिंडी, सेम में कम आर्सेनिक मिला है। केंद्र ने एनजीटी को फसलों में आर्सेनिक कम करने के उपाय भी बताए हैं। इसके मुताबिक जिन स्थानों पर आर्सेनिक है, वहां अधिक पानी वाली फसल चावल की जगह कम पानी वाली फसल की जाए। इसके अलावा आर्सेनिक को सहन करने वाली चावल की किस्म को बोया जाए। शुष्क मौसम में ऐसे क्षेत्रों में फलीदार फसलों को उगाया जाए। हरी खाद और सिलिकेट खाद का प्रयोग करके आर्सेनिक को कम किया जा सकता है। इसके अलावा आर्सेनिक वाले पानी को तालाब में इकट्ठा किया जाए और बारिश के पानी से उसे कम किया जाए।

आपसी विश्वास, साहचर्य जैसे तत्व लंबे समय तक गायब रहते हैं तो वैवाहिक बंधन केवल कानूनी औपचारिकता बनकर रह जाता है - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अलग-अलग रह रहे अभियंता दंपति को विवाह विच्छेद की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो आपसी विश्वास, साहचर्य और साझा अनुभवों पर बनता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा कि अलगाव की अवधि और पति-पत्नी के बीच स्पष्ट तल्खी यह स्पष्ट करती है कि विवाह को बचाने की कोई संभावना नहीं है। पीठ ने कहा, "विवाह आपसी विश्वास, साहचर्य और साझा अनुभवों पर बना एक रिश्ता है। जब ये आवश्यक तत्व लंबे समय तक गायब रहते हैं तो वैवाहिक बंधन किसी भी सार से रहित केवल कानूनी औपचारिकता बनकर रह जाता है। पीठ ने कहा कि पति और पत्नी दो दशकों से अलग-अलग रह रहे हैं और यह तथ्य इस निष्कर्ष को और पुष्ट करता है कि यह विवाह अब व्यवहार्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने उन महिलाओं की अपील खारिज कर दी जिन्होंने क्रूरता के आधार पर विवाह विच्छेद की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के आठ जून, 2018 के फैसले को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि पति ने यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत उपलब्ध कराए हैं कि अपीलकर्ता (पत्नी) ऐसे व्यवहार में शामिल थी जिससे उसे अत्यधिक मानसिक और भावनात्मक परेशानी हुई। दोनों ने 30 जून, 2002 को शादी की थी और दोनों से नौ जुलाई, 2003 को एक बेटी का जन्म हुआ। दोनों पक्षों के बीच कलह बच्ची के जन्म के ठीक बाद शुरू हुई जब प्रसव के लिए अपने माता-पिता के घर गई पत्नी ने लौटने से इनकार कर दिया।

पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली। कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया है। यह किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। यह ऑर्डर मित्रता के प्रतीक के रूप में राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी प्रमुखों तथा विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। इसे पहले बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और

जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है।

शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे पीएम मोदी 43 साल में खाड़ी देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। कुवैत का दौरा करने वाली अंतिम भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी जिन्होंने 1981 में कुवैत का दौरा किया था।

कुवैत है भारत का अहम व्यापारिक साझेदार

भारत कुवैत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है। भारतीय समुदाय कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। खाड़ी देश भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10.47 बिलियन अमरीकी डॉलर का रहा।

31 दिसंबर को पूरी रात खुला रहेगा साईं समाधि मंदिर

शिरडी। क्रिसमस का जश्न मनाने, मौजूदा साल की विदाई और नए साल के स्वागत के लिए साईंबाबा संस्थान की ओर से शिरडी महोत्सव का आयोजन किया जाता है। साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए 31 दिसंबर को साईं समाधि मंदिर दर्शन के लिए पूरी रात खुला रखा जाएगा। यह जानकारी संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालासाहेब कोलेकर ने दी है। दरअसल हर साल क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान भक्त बड़ी संख्या में साईं बाबा के दर्शन करने, मौजूदा साल की विदाई और नए साल का स्वागत करने के लिए शिरडी आते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालासाहेब कोलेकर ने बताया कि शिरडी साईं समाधि मंदिर को दर्शन के लिए इस उद्देश्य से खुला रखा जाएगा कि आने वाले सभी भक्त साईं बाबा की समाधि के दर्शन कर सकें। इस बीच 31 दिसंबर को शेजारती और 1 जनवरी (नववर्ष 2025) को काकड़ आरती नहीं होगी। क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों की भीड़ के कारण वाहन पूजा 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक यानि 7 दिनों के लिए बंद रहेगी। क्रिसमस अवकाश अवधि के दौरान श्री सैस्त्यव्रत पूजा, अभिषेक पूजा जारी रहेगी।

राहुल गांधी का जाति जनगणना पर दिया बयान गृहयुद्ध शुरू करने की कोशिश जैसा

बरेली, । यूपी के बरेली जिला न्यायालय ने जाति जनगणना पर दिए बयान पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता पंकज पाठक ने यह याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि हमें लगा कि जाति जनगणना पर चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान देश में गृहयुद्ध शुरू करने की कोशिश जैसा है। हमने पहले एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मामला दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया। उसके बाद हम जिला जज कोर्ट गए, वहां हमारी अपील स्वीकार कर ली गई और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में 7 जनवरी की तारीख दी है। इस बीच राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की थी और दावा किया कि संविधान पर हमला हुआ है और बीजेपी, पीएम मोदी और अमित शाह ने बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करके बहुत बड़ी गलती की है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणियों के बारे में पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने संविधान पर हमला करके और बाबा साहेब का अपमान करके अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती की है। भारत उनकी इस गलती को माफ नहीं करेगा। गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने डॉ आंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी के बाद कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों, मार्च और भाषणों का एक मोंटाज पोस्ट किया।

बिना इजाजत लोन देने वाले ऐप्स अब बैन होंगे

सरकार ने ड्राफ्ट-बिल पेश किया, उल्लंघन पर 1 करोड़ जुर्माना और 10 साल की जेल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बिना इजाजत लोन देने वाले ऐप्स पर रोक लगाने का प्लान बना रही है। इस प्लान को लेकर सरकार ने एक ड्राफ्ट बिल पेश किया है। इस बिल में उल्लंघन करने वाली ऑनलाइन लोन ऐप्स को बैन करने की बात कही है। इसके अलावा 1 करोड़ रुपए का जुर्माना और 10 साल की जेल का भी प्रस्ताव रखा गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिजिटल लेंडिंग पर काम करने वाले रुप की नवंबर 2021 की रिपोर्ट में ये उपाय पहली बार सुझाए गए थे।

केंद्र सरकार के इस ड्राफ्ट बिल का टाइटल- बैनिंग ऑफ अनरेगुलेटेड लेंडिंग एक्टिविटीज है। इस बिल का उद्देश्य आरबीआई या किसी अन्य रेगुलेटरी बॉडीज से परमिशन लिए बिना लोगों को लोन देने वाले व्यक्तियों और कंपनियों को बैन करना है।

अनऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म नहीं दे सकते लोन

सरकार के ड्राफ्ट बिल के अनुसार डिजिटल लोन देने वाले प्लेटफॉर्म्स को भी इस बिल में शामिल किया गया है।

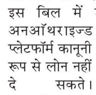

अनऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म कानूनी रूप से लोन नहीं दे सकते। अनऑथराइज्ड लोन देने पर 7 से 10 साल की जेल और 2 लाख रुपए से लेकर एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं अगर लोन देने वाले बलपूर्वक वसूली के तरीके अपनाते हैं, तो उन्हें 3 से 10 साल तक की जेल की सजा दी जाएगी। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े या बड़ी राशि के मामलों को सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

धोखाधड़ी वाले लोन ऐप्स चिंता का विषय

यह बिल ऐसे समय आया है, जब धोखाधड़ी वाले लोन ऐप्स अपने बलपूर्वक वसूली के तरीकों, अत्यधिक ब्याज दरों और हिडन फीस के कारण चिंता का विषय बन गए हैं। ऐसे लोन ऐप्स के दबाव के चलते कई लोग डिप्रेशन में चले जाते हैं और कुछ लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं। इस वजह से गूगल ने सितंबर 2022 और अगस्त 2023 के बीच प्ले स्टोर से ऐसे 2,200 से ज्यादा ऐप्स हटा दिए थे।

भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर 'वीटो' करने की इजाजत नहीं देगा

जयशंकर बोले- हम किसी डर के वह सब करेंगे जो देश और दुनिया के लिए अच्छा होगा

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर 'वीटो' करने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा कि भारत बिना किसी डर के वह सब-कुछ करेगा जो देश और दुनिया के लिए अच्छा होगा। जयशंकर ने एक कार्यक्रम में कहा कि स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत आज एक अहम मोड़ पर खड़ा है। एक तरफ, पिछले दशक ने दिखाया है कि उसके पास क्षमताएं, आत्मविश्वास और सबसे अहम बात, व्यापक मोर्चों पर विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता है। कार्यक्रम में वीटो का जिक्र कर जयशंकर ने दुनिया को अपना संदेश दिया है।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के पांच स्थायी सदस्य - चीन,

फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका हैं। फिलहाल यह देश प्रक्रियात्मक फैसलों को छोड़कर, किसी भी फैसले पर अपना वीटो दे सकते हैं। यूएनएससी की स्थापना 1945 में हुई थी। इसमें कुल 15 सदस्य हैं। पांच स्थायी सदस्यों को छोड़कर बाकी 10 अस्थायी सदस्य दो साल के लिए चुने जाते हैं। अस्थायी सदस्यों के पास वीटो पावर नहीं होता है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग लगातार उठा रहा है। उसका कहना है कि 21वीं सदी में 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद पर्याप्त नहीं है। इसके स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों का विस्तार होना चाहिए। फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका भी सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सीट के लिए पुरजोर आवाज उठा चुके हैं।

जयशंकर ने कहा कि अस्वस्थ आदतों, तनावपूर्ण जीवनशैली या बार-बार होने वाली जलवायु घटनाओं से जूझ रही दुनिया, भारत की विरासत से बहुत कुछ सीख सकती है, लेकिन दुनिया को इस बारे में तभी पता चलेगा, जब हमारे देश के लोग इस पर गर्व करेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के युग में प्रौद्योगिकी और परंपरा को एक साथ चलना होगा। उन्होंने कहा कि भारत जरूर आगे बढ़ेगा, लेकिन उसे अपनी भारतीयता खोए बिना ऐसा करना होगा।

प्रस्ताव खारिज : गणतंत्र दिवस परेड में दिखाई नहीं देगी दिल्ली की झांकी

नई दिल्ली। अगले महीने 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस परेड समारोह में कर्तव्य पथ पर निकाली जाने वाली राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में दिल्ली की झांकी दिखाई नहीं देगी। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली चयन समिति ने राष्ट्रीय राजधानी के झांकी से संबंधित प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। दिल्ली की झांकी की थीम, डिजाइन और विजुअल इंपैक्ट समिति के मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। जिसकी वजह से इसका चयन नहीं हो सका। यहां बता दें कि यह लगातार तीसरी बार है जब केंद्र सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय आयोजन को लेकर दिल्ली की झांकी को खारिज किया है। पूर्व में 2021 में दिल्ली की झांकी गणतंत्र

दिवस परेड में नजर आई थी। रक्षा मंत्रालय के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि 2025 के परेड समारोह की थीम विकसित भारत के इर्द गिर्द घूमती हुई नजर आएगी। इस बार परेड में हिस्सा लेने के लिए कुल 15 राज्यों के प्रस्तावों को मंत्रालय की समिति ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शिरकत कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश और हरियाणा की झांकी को मंजूरी

सूत्रों ने बताया कि इस बार जिन डेढ़ दर्जन राज्यों की झांकियों को परेड समारोह के लिए चुना गया है। उनमें मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, गोवा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, चंडीगढ़ और दादर नगर हवेली शामिल हैं। वहीं, चयन समिति की प्रक्रिया में सिक्किम और मिजोरम ने भाग नहीं लिया। दिल्ली के अलावा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप की झांकी को भी मंजूरी प्रदान नहीं की गई है।

जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर नहीं बनी सहमति तो कराया मतदान, पहली बार अपनी गई मतदान प्रक्रिया, शैलेश चतुर्मोहता सर्वसहमति से चुने गए अध्यक्ष

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। रविवार को नगर के कमला नेहरू हॉल में जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन का चुनाव संपन्न कराया गया। एसोसिएशन में पहली बार मतदाता प्रक्रिया से संपन्न कराए गए इस चुनाव का परिणाम देर शाम जारी कर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन के इस चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सह सचिव, मीडिया प्रभारी, सह कोषाध्यक्ष पद पर चुनाव आपसी सहमति से संपन्न करा लिए गए। लेकिन सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर सर्व सहमति न बनने के चलते इन दो पदों के लिए मतदान प्रक्रिया अपनाई गई। जिसके चुनाव संपन्न कराकर रविवार देश शाम चुनावी परिणाम जारी कर कार्यकारणी की घोषणा की गई। संपन्न हुए इस चुनाव में शैलेश चतुर्मोहता को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।तो वही उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पद को छोड़कर अन्य पदों के लिए भी चुनाव निर्विरोध संपन्न कराए गए हैं।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार ने उठाया फॉर्म, तो सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर नहीं बन पाई सहमति

जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन के इस चुनाव में सचिव और कोषाध्यक्ष पद को लेकर काफी गहमा गहमी का माहौल देखा गया।जिसके लिए मतदान प्रक्रिया अपनी पड़ी। इसके पूर्व अध्यक्ष पद को लेकर चुनावी मैदान में खड़े शैलेश चतुर्मोहता और सुरेश दमाहे के बीच चुनाव होना था।लेकिन समय रहते अध्यक्ष पद के दूसरे उम्मीदवार सुरेश दमाहे ने अपना नामांकन फार्म उठा लिया था। वहीं उन्होंने शैलेश चतुर्मोहता को अपना समर्थन दे दिया। जिसके चलते शैलेश चतुर्मोहता को जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन का निर्विरोध जिला अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष पद का चुनाव निर्विरोध होने पर उपाध्यक्ष सह सचिव, सह कोषाध्यक्ष और जिला प्रवक्ता का चुनाव आपसी सहमति से निर्विरोध संपन्न हो गए लेकिन जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन में सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए मैदान में खड़े उम्मीदवारों के बीच आपसी सहमति नहीं बन पाई जिसके चलते चुनाव संपन्न करने के लिए मतदान प्रक्रिया अपनाई गई

250 में से 117 ने किया मताधिकार का उपयोग

नगर के कमला नेहरू हॉल में देर शाम संपन्न कराए गए सचिव और कोषाध्यक्ष पद के चुनाव में सचिव पद के लिए मैदान में खड़े उम्मीदवार पंकज डोंगरे सोहन बसेने और गीतेश पटले को लेकर मतदान कराया गया ।तो वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए राकेश पांडे और इरफान खान के बीच चुनाव हुआ। दो पदों के लिए अपनाई गई चुनाव प्रक्रिया में जिले के 250 रजिस्टर्ड सदस्यों में से 117 सदस्यों ने इस चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। जहां सचिव पद को लेकर हुए मतदान में पंकज डोंगरे को 22 मत ,गीतेश पटले को 40 मत, तो वही सोहनलाल बसेने को सर्वाधिक 47 मत प्राप्त हुए। तो वही 8 मत अज्ञात कारणों के चलते निरस्त कर दिए गए। जहां सर्वाधिक 47 मत प्राप्त होने पर सोहनलाल बसेने को जिला सचिव चुना गया। इसी तरह कोषाध्यक्ष पद को लेकर हुए मतदान में इरफान खान को महज 22 वोट प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी राकेश पांडे ने 88 वोट प्राप्त कर यह चुनाव जीत लिया।

कार्यकरणी में इनका शमावेश

देर शाम संपन्न कराए गए इस चुनाव के बाद जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें शैलेश चतुर्मोहता को अध्यक्ष, प्रफुल्ल सोनी और आशीष राठौर को उपाध्यक्ष, सोहनलाल बसेने को सचिव, ओम प्रसाद मिश्रा को सह सचिव ,राकेश पांडे को कोषाध्यक्ष, कैलाश जामरे सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष चुना गया। तो वहीं असलम खान को जिला प्रवक्ता बनाया गया है। जिनके नामो की घोषणा चुनाव अधिकारी मनोज पांडे और द्वितीय चुनाव अधिकारी शैलेश बघेल द्वारा की गई।

पारदर्शिता बनी रहे इसीलिए कराया गया मतदान - असलम खान

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला प्रॉपर्टी एसोसिएशन जिला प्रवक्ता असलम खान ने बताया कि पहली बार संगठन में मतदान की प्रक्रिया अपनाई गई है। जबकि इसके पूर्व सर्व सहमति से ही चुनाव संपन्न कराए गए हैं। संगठन से करीब 250 लोग जुड़े हुए हैं जो रजिस्टर्ड सदस्य हैं इनमें से इस चुनाव में 117 सदस्यों ने भाग लिया था। हालांकि अध्यक्ष पद के लिए खड़े दूसरे उम्मीदवार सुरेश दमाहे ने पहले उम्मीदवार शैलेश चतुर्मोहता को अपना समर्थन देते हुए अपना फार्म उठा लिया था इसीलिए अध्यक्ष शैलेश चतुर्मोहता निर्विरोध चुनाव जीत गए। इसके अलावा कोषाध्यक्ष और सचिव पद को लेकर चुनाव संपन्न कर लिया गया है। सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए मतदान प्रक्रिया अपनाई गई है ताकि एसोसिएशन में प्रदर्शिता बनी रहे।

सुशासन सप्ताह के तहत आज होगी एक प्रचार कार्यशाला आयोजित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशानुसार जिले भर में 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह प्रशासन गाँव की ओर मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में सोमवार को जिले में एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें जिले में की गई सुशासन प्रथाओं/पहलों पर चर्चा किया जाना हैं। एडीएम श्री जीएस धुर्वे से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में समान शेखर, सेवानिवृत्त भा.प्र.से. गोंदिया (महाराष्ट्र) उपस्थित रहेंगे।

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मैं रोहित कोठारी आयु 43 वर्ष वल्द मानकचंद कोठारी निवासी वार्ड नं. 2 तुमसर रोड कटंगी तहसील कटंगी जिला बालाघाट के द्वारा नंदलाल जुम्हारे, रविन्द्र जुम्हारे, श्रीमति रूख्मणी जुम्हारे, श्रीमति प्रीति कारे. कमल जुम्हारे, महेन्द्र जुम्हारे, श्रीमति प्रेमलता वैश्य, श्रीमति रजनी वैश्य, संजय जुम्हारे, योनेश जुम्हारे, विक्की जुम्हारे, श्रीमति गीता जुम्हारे, अशोक जुम्हारे, संतोष जुम्हारे, सुनील जुम्हारे से उनके मालिकी व कब्जे में मौजा मुण्डीवाड़ा पटवारी हल्का नंबर 27 राजस्व निरीक्षक मंडल कटंगी तहसील कटंगी जिला बालाघाट में भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 51/2/1 रकबा 0.147 हेक्टेयर, खसरा नंबर 51/2/2 रकबा 0.147 हेक्टेयर, खसरा नंबर 51/2/3 रकबा 0.147 हेक्टेयर, के मालिकी व कब्जे मे 51/2/4 रकबा 0.147 हेक्टेयर, खसरा नंबर 51/2/7 रकबा 0.147 हेक्टेयर, खसरा नंबर 51/2/6 रकबा 0.147 हेक्टेयर, खसरा नंबर 94/2/5 रकबा 0.301 हेक्टेयर भूमि स्वामी हक की भूमि को क्रय करने का संविदा किया गया था, किन्तु संविदा की पूर्ति ना की जाकर उक्त व्यक्तियो के द्वारा उक्त भूमि शैलेन्द्र ठाकरे, आदिल खान, हरिराम रंगलानी, वैभव गुप्ता, सुबोध राउत, आकाश कडवे को विक्रय कर दी गयी तब मेरे द्वारा उपरोक्त भूमि के संविदा पूर्ति एंव वाद के अंतिम निराकरण तक भूमि के किसी भी प्रकार के अंतरण पर रोक लगाने के संबंध में श्रीमान द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश वारासिवनी के न्यायालय मे वाद प्रस्तुत किया गया है जिसका व्यवहार वाद कमांक 227ए/2024 रोहित कोठारी विरुद्ध नंदलाल व अन्य है तथा इस प्रकार उक्त व्यवहार वाद विचाराधिन है जिसमे अस्थायी निषेधाज्ञा की मॉग की गयी है किन्तु मुझे विश्वस्त सुत्रो से ज्ञात हुआ है कि उक्त भूमि शैलेन्द्र ठाकरे वल्द हुकुमचंद ठाकरे, आदिल खान वल्द नवाब खान, हरिराम रंगलानी वल्द श्यामलाल रंगलानी, वैभव गुप्ता वल्द विनोद कुमार गुप्ता, सुबोध राउत वल्द संतकुमार राउत, आकाश कड़वे वल्द बाबुराव कड़वे अंतरण करने के लिये प्रयत्नशील है तथा व्यवहार वाद के लंबित होने के कारण कोई भी व्यक्ति उक्त व्यक्तियो से उक्त भूमि क्रय ना करे और यदि क्रय की जाती है तो उनका स्वयं का उत्तरदायित्व होगा।

अत: सूचना प्रेषित है।

बालाघाट

दिनांक- 22.12.2024

सूचनादाता
रोहित कोठारी वल्द मानकचंद कोठारी
निवासी वार्ड नं. 2 तुमसर रोड कटंगी
तहसील कटंगी जिला बालाघाट

एक शाम ,अटल के नाम, कवि सम्मेलन 25 दिसंबर को

पूर्व पीएम अटलजी के जन्मशताब्दी वर्ष पर नगर पालिका प्रांगण में होगा आयोजन

कवि, विभिन्न रसों में कविताओं का करेंगे पाठ, तो सम्मान समारोह का भी होगा आयोजन

बालाघाट(पदमेश न्यूज)।पूर्व प्रधानमंत्री एवं विख्यात कवि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई का जन्मदिन 25 दिसंबर को आता है ।जिन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पिछले 12 वर्षों से सहमत संस्था बालाघाट और नगर पालिका के संयुक्त तत्वाधान में 25 दिसंबर को कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। पिछले 12 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को कायम रखते हुए प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री कवि हृदय स्व.अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी एवं सुशासन संकल्प दिवस के अवसर पर 25 दिसंबर को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।सहमत संस्था और नगर पालिका परिषद के सँयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कवि सम्मेलन नगर पालिका के प्रांगण में 25 दिसंबर की शाम 7:30 बजे आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुंबई, भोपाल ,बिहार, छत्तीसगढ़, और उत्तर प्रदेश सहित स्थानीय कवि, मंचासीन होकर अपनी उम्दा रचनाओं की प्रस्तुति करेंगे। जिसकी तमाम जानकारी रविवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में दी गई। आयोजित इस पत्रकारवार्ता के दौरान पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, युवा नेत्री मौसम हरिनखेड़े, समाजसेवी राजेश पाठक, अभय सेठिया, महेन्द्र सुराना, दिलीप चौरसिया, मीणा चावड़ा अमर सिंह ठाकुर ,अशोक सागर, अल्का चौधरी, राजेंद्र शुक्ल सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। ये कवि विभिन्न रसों में कविताओं का करेंगे पाठ आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि 25 दिसंबर स्व अटल बिहारी वाजपेई के जनशताब्दी वर्ष पर एक शाम अटल के नाम कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है इसमें जिसमें मुंबई के कवि गीतकार चंदन राय, भोपाल की श्रृंगार कवियित्री शिवांगी प्रेरणा, बिहार के चंपारण से वीररस के कवि अपूर्व विक्रम शाह, छत्तीसगढ़ चिरमिरी से हास्य व्यंग्य कवि नरेन्द मिश्र धड़कन, यूपी के बाराबंकी से हास्य एवं पैरोड़ी कवि पंकज प्रमोद के साथ ही बालाघाट के कवि अलका चौधरी अनमोल और अशोक सागर मिश्र, अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का होगा सम्मान- राजेंद्र

आयोजित पत्रकार वार्ता को लेकर की गई चर्चा के दौरान सहमत संस्था प्रतिनिधि और कवि राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि विगत 12 वर्षो से प्रतिवर्ष, 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री पं. अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिन पर कवि सम्मेलन का आयोजन, नगरपालिका और सहमत संस्था कर रही है। जो प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 दिसंबर को किया गया है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों और स्थानिक कवियों द्वारा मंचासीन होकर विभिन्न रसों में कविता पाठ किया जाएगा। तो वही इस अवसर पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वालो में शामिल शिक्षा क्षेत्र में सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति इंजी. दिवाकरसिंह को अटल शिक्षा रत्न, उद्योग क्षेत्र में अतुल वैद्य को अटल उद्योग रत्न, साहित्य क्षेत्र में शायर अनुज तिवारी गोविंद को अटल साहित्य रत्न, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में लक्ष्मी तेजवानी को अटल सेवा रत्न और खेल क्षेत्र में सुनील यादव को क्रीड़ा रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

बहेला में हुई बारिश के बावजूद धान पूर्णत: सुरक्षित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिले में धान खरीदी का कार्य 2 दिसम्बर से निरंतर क्रियाशील है। जिसको लेकर 185 धान खरीदी केन्द्रो में धान खरीदी बदस्तूर जारी हैं। बहेला समिति के प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक गोविंद एड़े ने बताया कि जिले के साडरा कार्यक्षेत्र अंतर्गत शनिवार को देर शाम हुई बारिश के संबंध में मुख्यालय से लगातार निर्देश प्राप्त हो रहे थे कि मौसम को देखते हुए समुचित व्यवस्था की जाए। जिसके चलते बहेला धान खरीदी केन्द्र में खरीदी हुई धान की बोरियों की स्टेकिंग की जा चुकी थी। बोरियों के तिरपाल से ढके होने के कारण क्षेत्र में हुई बारिश से धान को कोई नुकसान नही हुआ है। धान पूर्ण रूप से सुरक्षित है। श्री एड़े ने बताया कि धान का परिवहन कार्य प्रारंभ हो गया है। वहीं धान खरीदी प्रभारी श्यामलाल राउत ने भी कहा कि समय पर तिरपाल ढकने से धान को किसी प्रकार से कोई नुकसान नही हुआ है।

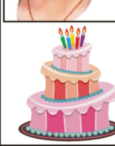

युबिका सिंह लोधी
उर्फ निम्मी सिंह
को जन्मदिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएं

- शुभेच्छु -
अरूण लोधी-आशा लोधी (दादा-दादी)
उर्मिला-श्रवन माहुले (नानी)
विक्रांत लोधी-रेखा मसखरे (पापा-मम्मी)
लक्षिता सिंह लोधी-दिव्यांशसिंह लोधी (बहन-भाई)
राजेश माहुले-विनिता माहुले (मामा-मामी)
संयज उर्फ पप्पू माहुले-मोना माहुले (मामा-मामी)

प्लाट बेचना है
बालाघाट शहर के हरिओम नगर में आवासीय प्लाट बेचना है
संपर्क करें-9165091604

मकान (कमरे) किराये पर उपलब्ध
सर्वसुविधायुक्त ऑफिस फैमिली, वर्किंग स्टूडेंट के लिये अपनी आवश्यकता अनुसार उचित किराये पर ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर उपलब्ध
संपर्क करें
बस स्टेण्ड के पास सपना सोनोग्राफी डॉ. शिव पवार के सामने बैहर रोड बालाघाट
मो. 9479382779
8319536242

आवश्यकता है
स्थान- रायपुर, सिलतरा, उरला
सुरक्षा गार्ड-150 पद
शैक्षणिक योगयता-8वीं पास
वेतनमान- 13000/-+आवास
-पता-
जय अम्बे सिक्युरिटी सर्विस(इ)प्रा.लि.
इंदरा टावर डूंडासिवनी सिवनी (मप्र)
मो.9993094482
7999838660, 8770618004

आवश्यकता है
P.H.W.S. संस्था में JOB के लिए BOYS & GIRLS की आवश्यकता है
• सुपरवाईजर - 10 पद
• सर्वेयर - 30 पद
• रिसेप्शन - 01 पद
-संपर्क करें-
9625451008
9826181028

मकान बेचना है
दो मंजिला सर्वसुविधायुक्त डॉ., कोचिंग सेन्टर होस्टल के लिए उपयुक्त क्षेत्रफल 2500 वर्गफुट
शिवाय होटल के पीछे कालीपुतली चौक के पास
-संपर्क करें-
9752340946
9770777043

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल युवक/युवती की आवश्यकता है। कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
कार चलाने हेतु ड्राईव्हर की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास, वेतन- 10000 +
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही संपर्क करें
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एवं मॉल द्वितीय तल, मोन रोड, बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520, 9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय- शाम 5.30 से 8.30 बजे तक

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट वारासिवनी रेल्वे क्रासिंग से यातायात पूर्णतः बंद

सम्बधित अधिकारियों ने किया डायवर्टेड मार्ग का निरीक्षण, रेल्वे ओव्हर ब्रिज के निर्माण चलते नया डायवर्सन प्लान जारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट नगरपालिका क्षेत्रांतर्गत बालाघाट वारासिवनी मार्ग रेल्वे क्रासिंग मे सेतु विभाग और रेलवे विभाग द्वारा संयुक्त रूप से रेल्वे ओव्हर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जिसके संबंध में वरिष्ठ मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति इकाई, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर पत्र जारी कर अनुरोध किया गया कि बालाघाट वारासिवनी रोड स्थित एलसी बीके-9 पर 1048/00-01 रेल्वे क्रासिंग में रेलवे द्वारा निर्माणाधीन फ्लॉयओवर में निर्माण कार्य किये जाने के लिए दुर्घटना से बचाव के उद्देश्य से बालाघाट वारासिवनी रेलवे क्रासिंग से यातायात पूर्णत: बंद किया जाकर डायवर्सन प्लान अनुसार वाहनो का मार्ग परिवर्तित किया जाना प्रस्तावित किया गया है। प्रस्ताव के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी बालाघाट, नगर पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अनुविभागीय अधिकारी सेतु निर्माण बालाघाट, थाना प्रभारी यातायात बालाघाट द्वारा गर्रा रेल्वे क्रासिंग एलसी बीके -9 एवं प्रस्तावित मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया गया। जिसमे रेल्वे ओव्हर ब्रिज के निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटना एवं यातायात की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जनहित मे मार्ग को पूर्व अनुमोदित प्रस्तावित ट्रॉफिक डायवर्सन प्लान के अनुसार परिवर्तित किया जाना प्रस्तावित किया गया है। वरिष्ठ मुख्य परियोजना प्रबंधक एवं अनुविभागीय अधिकारी सेतु निर्माण बालाघाट द्वारा प्रस्तुत मार्ग डायवर्सन का पत्र एवं संयुक्त निरीक्षण से सहमत होते हुए बालाघाट वारासिवनी रोड स्थित एलसी बीके-9 पर 1048/00-01 रेल्वे क्रासिंग में रेलवे द्वारा निर्माणाधीन फ्लॉयओवर में निर्माण कार्य किये जाने के दौरान आम नागरिको की सुविधा एवं दुर्घटनाओ की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित मार्ग को 30 अप्रैल 2025 तक अस्थाई रूप से बंद करते हुए पूर्व अनुमोदित ट्रॉफिक डायवर्सन प्लान मार्ग डायवर्सन (परिवर्तित) किया गया है।

ट्राफिक डायवर्सन मार्ग

डायवर्सन प्लान के अनुसार भारी वाहन का यातायात गर्रा रोड से वैनगंगा पुल होकर डेंजर रोड होकर व्हाया गोंगलई नवेगांव गोंदिया रोड परिवर्तित किया गया है। वहीं गोंदिया रोड से आने वाले भारी वाहन का यातायात गोंदिया रोड, नवेगांव से व्हाया गॉगलई डेंजर रोड होते हुए वैनगंगा पुल से गर्रा की ओर (सिवनी/वारासिवनी रोड) परिवर्तित किया गया है। नगरीय क्षेत्र में सिवनी/वारासिवनी की ओर से आने वाले वाहन प्रवेश के लिए यात्री बस/निजी वाहन/हल्के वाहन/स्कूल बस/दैनिक सामग्री के लिए प्रयुक्त वाहन एवं अति आवश्यक सेवा में संलग्न वाहन गर्रा की ओर से वैनगंगा पुल से डेंजर रोड होकर पोल फैक्ट्री एवं आकाशवाणी होकर बस स्टैण्ड एवं नगर में प्रवेश के लिए परिवर्तित किया गया है। वहीं दो पहिया वाहनो को आवागमन के लिए डायवर्सन कर रेल्वे द्वारा सुविधा प्रदाय की जाएगी। नागरिको की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए डायवर्सन मार्ग की व्यवस्था संबंधित विभाग रेल्वे, सेतु निर्माण, लोनिवि, नगरपालिका, विद्युत यातायात द्वारा की जायेंगी।

शेरटोला के जंगल में तीन संदिग्ध तीन भरमार बंदूक छोड़कर हुए फरार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रूपझर थाने की बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम बम्हनी के शेर टोला जंगल में तीन अज्ञात व्यक्ति 3 भरमार बंदूक छोड़कर फरार हो गए। 21 दिसम्बर को 12 बजे यह घटना इस क्षेत्र में सीआरपीएफ के जवानों के द्वारा की जा रही सर्चिंग के दौरान हुई। 3 देशी भरमार बंदूक जप्त कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 दिसंबर को केम्प बिठली के सीआरपीएफ के जवान ग्राम बम्हनी से लगे जंगल मे सर्चिंग कर रहे थे। 12:00 बजे करीब जब सीआरपीएफ के जवान सर्चिंग करते हुए शेर टोला के जंगल में पहुंचे तब उन्हें जंगल में तीन व्यक्ति संदिग्ध स्थिति में घूमते हुई दिखे। सीआरपीएफ के जवानों ने उन्हें आवाज दिए। किंतु तीनों संदिग्ध, सर्चिंग कर रहे जवानों को देखकर फरार हो गए। जहां पर यह तीन संदिग्ध दिखे थे वहां पर तीन भरमार बंदूक पाई गई। इन 3 भरमार बंदूक को तीनों संदिग्ध छोड़कर फरार हो गए थे। सीआरपीएफ के जवानों ने तीनों भरमार बंदूक को जप्त किया और बिठली पुलिस चौकी में जमा कर दिये। तीन भरमार बंदूक छोड़कर भागने वाले यह नक्सली थे या शिकारी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बिठली पुलिस चौकी में श्री श्रवण बाला एस पिता सुब्रमण्यम 46 वर्ष कंपनी कमांडर 123 बटालियन सीआरपीएफ कैंप बिठली द्वारा की गई रिपोर्ट पर तीन अज्ञात संदिग्ध के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। जिसकी जांच चौकी प्रभारी भगत सिंह कुंजाम द्वारा की जा रही है।

तीन संदिग्ध नक्सली थे या शिकारी स्पष्ट नहीं हो पाया है- निरीशक नितिन पटले थाना प्रभारी रूपझर

रूपझर थाना प्रभारी निरीक्षक नितिन पटले ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ को बताएं कि 21 दिसंबर को शेर टोला के जंगल में सर्चिंग की जा रही थी। इसी दौरान तीन संदिग्ध दिखे और सर्चिंग पार्टी को देखकर फरार हो गए। मोके से तीन भरमार बंदूक जप्त की गई है। तीन संदिग्ध नक्सली थे या फिर शिकारी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बिरसा थाना क्षेत्र में फांसी लगाने से मृत व्यक्ति की 8 महीने बाद भी नहीं हुई पहचान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्राटोला सागौन नर्सरी में फांसी लगाने से मृत एक अज्ञात व्यक्ति की 8 महीने बाद भी पहचान नहीं हो पाई। बिरसा पुलिस के मुताबिक 15 अप्रैल को सुबह गर्रा टोला सागोन नर्सरी के पास एक बरगद के पेड़ में एक अज्ञात व्यक्ति फांसी पर लटका हुआ देखा गया था। लाश चार-पांच दिन पुरानी थी। फांसी लगाने लगाने से इस व्यक्ति की मौत हुई थी। शव पंचनामा पश्चात इस व्यक्ति के शव पोस्टमार्टम करवा कर कफन दफन करवा दिया गया। इस व्यक्ति की की ऊंचाई 5.8 फिट, शरीर पर एक सफेद रंग की चौखंडी हाफ शर्ट एवं दूसरी एक फूल बाह की चौकड़ी नीले रंग सर्ट पहना हुआ था। नीले रंग की चौखंडी लूंगी पहना हुआ था। उसके पास एक प्लास्टिक की बोरी में एक हरे रंग की साल एक छोटे-छोटे कपड़ों के टुकड़े और कुछ पुराने गुटखा के पाउच ,कागज के टुकड़े मिले थे। बिरसा पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर इस व्यक्ति के परिजनों की तलाश की जा रही थी। किंतु आठ माह बीत जाने के बावजूद भी इस अज्ञात व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई। बिरसा पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति के परिजनो की तलाश में सहयोग की अपेक्षा जिले वासियों से की है। इस मामले की जांच उपनिरीक्षक शिवलाल परते द्वारा की जा रही है।

बालाघाट की जूनियर कबड्डी टीम का चयन

ग्वालियर में खेलेगी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। आगामी 28 से 31 दिसंबर तक ग्वालियर में राज्यस्तरीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित है, जिसमें बालाघाट जिले की टीम का चयन रविवार किया गया। खिलाड़ियों के चयन के लिए, दोपहर 12 बजे से शाम तक जिले के विभिन्न जगहों से पहुंचे खिलाड़ियों की टीमें बनाकर मैच खेले गए। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियो का चयन किया गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि समाजसेवी और कबड्डी संघ उपाध्यक्ष कमलजीतसिंह छाबड़ा की उपस्थिति में मैच की शुरूआत भगवान हनुमान जी के पूजन और अतिथि, के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर की गई। अतिथि कमलजीतसिंह छाबड़ा ने सभी चयनित खिलाड़ियों को 5 सौ रूपए नगद राशि और प्रदेश की टीम पर चयनित होने पर प्रत्येक खिलाड़ी को पांच हजार रूपए की राशि देने की घोषणा की है इस जिला कबड्डी महासचिव रमेश दीक्षित, सचिव रामकिशोर राहंगडाले कोषाध्यक्ष कपिल बर्वे, खेमलाल वरकड़े भीमराज ठाकरे, अजय उइके, उमेश सपाटे सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य और खिलाड़ी उपस्थित थे।

इनका किया गया चयन

जिलास्तरीय जूनियर कबड्डी टीम में रम्मतसिंह कोकोटे, विकास मर्सकोले, हसीत बाहेश्वर, संस्कार उईके, अंकित उईके, दीपक पंचेश्वर, कन्हैया उईके, तुलसीराम परते, अरूण सहारे, अभिजित वरकड़े, सिद्धार्थ खंडाते, प्रणय मरकाम और स्टैंड बाई में रोहित यादव, जतिन सोनवाने तथा समीर पांचे का चयन किया गया हैं।

जिले के कई दिव्यांगों का अब तक नहीं हुआ पंजीयन

मेडिकल बोर्ड शिविरों के माध्यम से कर रहा जांच, अब तक प्रशासन ने की साढ़े 04 हजार दिव्यांगों की पहचान, पंजीकृत दिव्यांगो से ज्यादा है जिले में दिव्यांग

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। बालाघाट जिले में अब भी ऐसे कई दिव्यांग हैं जिनके आंकड़े सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है। ना ही उनका अब तक पंजीयन हो पाया है। जिसके चलते कई दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है और वे शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित हैं। जिले में दिव्यांगों का सही आंकड़ा जुटाने और दिव्यांग जनों का पंजीयन करने के लिए जिले भर की तमाम तहसीलों में शिविर का आयोजन कर नए दिव्यांगों की पहचान कर उनका पंजीयन कराया जा रहा है। जहां अब तक जिले में साढ़े 4 हजार नए दिव्यांग मिले हैं। वही नए दिव्यांगों का यहां आंकड़ा आगे भी बढ़ सकता है, ऐसी संभावना भी जताई जा रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो शिविर के माध्यम से जो नए साढे चार हजार दिव्यांग मिले हैं। उन्हें अब तक शासन प्रशासन की योजनाओं और योजनाओ से संबंधित उपकरणों का लाभ भी नहीं मिल पा रहा था।जो पंजीयन के बाद मिलना शुरू हो सकता है।

जिले में अबतक थे 20 हजार पंजीकृत दिव्यांग

बात अगर सरकारी आंकड़ों की करें तो सरकारी आंकड़ों में अब तक जिले में पंजीकृत 20 हजार 127 दिव्यांग है, जिनके अलावा 4 हजार 448 नए दिव्यांगो की पहचान, प्रशासन ने की है।जिनकी दिव्यांगता को जानने, दिसंबर माह में प्रशासन, जिले की सभी 10

जनपद पंचायतो में शिविरो का आयोजन कर रहा है। आपको बताए कि जिले में ऐसे 4 हजार 448 नए दिव्यांग है, जिनका अब तक कोई पंजीयन नहीं था। जिसके कारण, दिव्यांगो को शासन की ओर से मिलने वाली योजना का लाभ और दिव्यांगता के अनुसार, सहायक यंत्र, नहीं मिल पा रहे थे।

जनपदवार शिविर लगाकर मेडिकल बोर्ड कर रहा जांच

जिले की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कराए गए सर्वे के बाद, सामने आए नए दिव्यांगो की दिव्यांगता का प्रतिशत जानने के लिए प्रशासन ने जनपदवार शिविरों का आयोजन किया है। जो पूरे दिसंबर तक चलेगा। इन शिविरों के माध्यम से मेडिकल बोर्ड, दिव्यांगो में दिव्यांग प्रतिशत और प्रकार का आकलन कर रहा है। ताकि उनके अनुसार, उन्हें शासन की योजनाओं से लाभांवित करते हुए सहायक उपकरण प्रदान किया जा सके।

जनपदवार पंजीकृत और पंजीकृत दिव्यांगो की संख्या

बैहर जनपद में 1045 पंजीकृत-559 अपंजीकृत, बालाघाट में 2732 पंजीकृत-807 अपंजीकृत, बिरसा में 1410 पंजीकृत-236 पंजीकृत, कटंगी में 2397 पंजीकृत-493 अपंजीकृत, किरनापुर में 2449 पंजीकृत-589 अपंजीकृत, खैरलांजी में 2159 पंजीकृत-219 अपंजीकृत, लालबर्रा में 2245 पंजीकृत-315 अपंजीकृत, लांजी में 2123 पंजीकृत-506 अपंजीकृत, परसवाड़ा में 1461 पंजीकृत-492 अपंजीकृत और वारासिवनी में 2106 पंजीकृत-232 अपंजीकृत दिव्यांग है। इस तरह जिले में पंजीकृत दिव्यांगो की संख्या 20127 और अपंजीकृत दिव्यांगो की संख्या 4448 है।

मतदाता सूची और ईपी रेशो से सामने आए नए दिव्यांग- सराफ

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने बताया कि पूरी दुनिया की जनसंख्या का औसतन निकाला जाए तो लगभग जनसंख्या की ढाई प्रतिशत संख्या, दिव्यांग होती है। जिसके आधार पर प्रशासनिक रूप से जिले में दिव्यांगो की संख्या जानने का प्रयास किया गया। दिव्यांगो की पहचान के लिए लोकसभा की मतदाता सूची और ईपी रेशो के आधार पर, अनुमानित जनसंख्या निकाली गई। जिसके बाद ग्रामीण विकास के अमले से हर पंचायत में सर्वे कराया गया। जिसमें सर्वे के बाद अब तक 4 हजार 448 नए दिव्यांगो की पहचान की गई।

सावधान! रेंजर कॉलेज व आस पास घूम रहा हिंसक वन्य प्राणी तेंदुआ

फिर तेंदुए की उपस्थिति के मिले प्रमाण, अधिकारियों ने मौके पर लगवाए दो कैमरें, कर्मचारियों की बढ़ाई गई गस्ती, वन विभाग ने बांधा फ्लेक्स, लोगों को कर रहा सावधान

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। रेंजर कॉलेज परिसर, बजरंग घाट, मनका टेकरी, शंकर घाट, डेंजर रोड के आस पास अब भी हिंसक वन्य प्राणी तेंदुए की आमद बनी हुई है। आप लोगों को सूचित किया जाता है कि उक्त वनक्षेत्र के आस पास घूमने व भ्रमण करने से बचें। कुछ इसी तरह की चेतावनी वाला फ्लेक्स वन अधिकारियों ने रेंजर कॉलेज मुख्य प्रवेश द्वारा पर लगवाया है। लेकिन इस चेतावनी का असर यहां भ्रमण पर आने वालों पर तनिक भी दिखाई नहीं दे रहा है। जहा आम दिनों की तरह ही लोग यहां सैर सपाटा करने पहुंच रहे हैं। वही पिछले 3 दिनों से तेंदुए को तलाश कर रहे वनकर्मियों के हाथ अब तक खाली है।

फिर मिले तेंदुए की मौजूदगी के प्रमाण

प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग द्वारा चलाए गए इस सर्चिंग अभियान में अब तक तेंदुआ तो नही मिला है।लेकिन उसकी मौजूदगी के प्रमाण वनकर्मियों को रोजाना मिल रहे है। बताया जा रहा है कि रेंजर कॉलेज वन क्षेत्र में शुक्रवार से तेंदुए की दस्तक बनी हुई है। शनिवार को भी तेंदुए की आमद बनी रहने के प्रमाण वन विभाग को मिले हैं।वही गस्ती में तैनात जवानों को तेंदुए की बीट, पदचिन्ह और खरोच के निशान मिल है। ऐसे में तेंदुए के इसी क्षेत्र में भ्रमण किए जाने की जानकारी दी जा रही है।

वन क्षेत्र में लगाए दो गए कैमरे

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेंजर कॉलेज परिसर व बजरंग घाट में काफी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है। सुरक्षा के लिहाज से तेंदुए को ट्रेक करने व लोकेशन पता करने के लिए वन विभाग के हाथ पांव फूल रहे है।जहा तेंदुए की मौजूदगी के रोजाना प्रमाण मिलने से वनकर्मी भी दौड़ में है तो वही किसी भी अप्रिय घटना या अनहोनी को टालने व तेंदुए का पता लगाने के लिए वन विभाग द्वारा इस क्षेत्र में दो कैमरे लगाए हैं। हालाकि अब तक तेंदुआ कैमरे में कैद नहीं हो पाया है। लेकिन उसकी मौजूदगी के प्रमाण मिले हैं। बताया यह भी जा रहा है कि वन क्षेत्र काफी बड़ा होने से सुरक्षा श्रमिकों की संख्या नाकाफी साबित हो रही है। ऐसे में अतिरिक्त सुरक्षा श्रमिकों की मांग के लिए पत्र लिखा जा रहा है।

चीतल के शिकार पर मालूम चली तेंदुए की दस्तक

तेंदुआ कब से यहां घूम रहा है फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन जब शुक्रवार को वन विभाग के अमले ने रेंजर कॉलेज के जंगली क्षेत्र से एक गर्भवती मादा चीतल के शव को बरामद किया। तब तेंदुए की आमद की पुष्टि हो गई। हालांकि वन क्षेत्र से घिरे बालाघाट शहरी क्षेत्र में वन्य प्राणी चीतल और जंगली सूकर का मूवमेंट हमेशा ही रहता है। लेकिन तेंदुए के चीतल का शिकार करने के मामले के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है।

जंगल क्षेत्र के आसपास ही है तेंदुए की मौजूदगी-चौरे

इस पुरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान डिप्टी रेंजर अजय चौरे ने बताया कि जंगल क्षेत्र में तेंदुए के पदमार्क बीट सहित अन्य प्रमाण मिले हैं। उसकी मौजूदगी आसपास ही है। वनविभाग का अमला अलर्ट मोड पर है। अमला गश्त कर रहा है। लोगों को समझाईश दी गई है कि वे जंगली क्षेत्र में अकेले ना जाए। तेंदुआ कभी भी किसी को अपना शिकार बना सकता है।

अंतर्राज्यीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता सम्पन्न

ओपन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का किया गया चयन

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। रविवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय सभा हॉल में अंतराज्यीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एकलव्य मार्केट फिटनेस अकैडमी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में कराते एवं पेंचक सिलाट प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें लगभग 600 खिलाड़ियों ने अपने अपने वजन रुप ओर ऐज ग्रुप में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में न्यूनतम आयु वर्ग 5 साल रखी गई थी जिसमें सभी खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया गया। जहां चयनित खिलाड़ियों को आगामी जनवरी में आयोजित होने वाली ओपन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा।

महाराष्ट्र, बंगाल ,छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न जगहों की टीमें हुई शामिल

इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र वेस्ट बंगाल छत्तीसगढ़ की टीमों ने एवं जबलपुर सिवनी छिंदवाड़ा बैतूल नैनपुर आदि जगहों से खिलाडियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एसडीएम गोपाल सोनी ,समाजसेवी किरण भाई त्रिवेदी ,गुड्डा जायसवाल ,लता एलकर ,मौसम हरिनखेडे, लालबर्रा एक निजी स्कूल प्राचार्य टेमरे और नगर के एक निजी स्कूल के डायरेक्टर जायसवाल एवं प्रिंसिपल शर्मिला ,एमएलबी स्पोर्ट टीचर कंचन दास, स्पोर्ट्स टीचर बिसेन सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

म.प्र. शास. प्राथ. पूर्व माध्य. शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारणी गठित, महेन्द्र हरिनखेड़े बने उपाध्यक्ष

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ (सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ एवं विश्व शिक्षक संघ) की प्रांतीय कार्यकारणी के पदाधिकारियों का निर्वाचन गत दिवस मैहर जिला सतना में किया गया था। जिसमें बालाघाट जिले के शासकीय प्राथमिक शाला धपेरा मोहगांव के प्रधान पाठक महेन्द्र कुमार हरिनखेड़े को प्रांतीय उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। शिक्षक श्री हरिनखेड़े के प्रांतीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनने पर म.प्र. प्राथ. पूर्व माध्य. शिक्षक संघ जिला बालाघाट के पदाधिकारयों द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से संगठन के जिलाध्यक्ष हरिशंकर दमाहे, मुख्य सचिव खेमराज सोनवाने, सचिव रेवाप्रसाद जतेरे, प्रवक्ता हंसराज भौतिक व पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष अंगद चौधरी, जिला उपाध्यक्ष हरिप्रसाद देशमुख, कोषाध्यक्ष संतोष मेश्राम, विकासखंड बालाघाट अध्यक्ष पीताम्बर उपवंशी, उमाशंकर सोनेकर, डीएस कलचुरी, टीएल भालेकर, महिला संगठन अध्यक्ष श्रीमती लीना रूसी, श्रीमती नूरजहां कुरैशी, श्रीमती बरखारानी उइके, श्रीमती अर्चना माहुरकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

बल्हारपुर को नशा मुक्त बनाने के लिए ग्रामीणों ने निकाली जनजागरूकता रैली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर के ग्रामीणों ने ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत रविवार को जनजागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणजनों को नशा से दुर रहने एवं अवैध रूप से शराब विक्रय करने वालों को शराब विक्रय बंद करने की अपील की है। साथ ही अवैध रूप से शराब विक्रय करते पाये जाने पाये पर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही किये जाने की भी चेतावनी दी गई है। इस तरह से ग्रामीणों ने ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए रैली निकालकर पुरे ग्राम का भ्रमण किया और संकल्प लिया है कि ग्राम को नशा मुक्त बनाना है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में कुछ लोगों के द्वारा ग्राम में अवैध रूप से शराब का विक्रय किया जाता है। जिसके कारण ग्राम के युवा, बुजुर्ग एवं बड़े लोग शराब पीने के आदि होते जा रहे है और शराब पीने वाले लोग दिन-भर मजदूरी कर जो कमाते है उक्त राशि को शराब में खर्च कर देते है एवं नशे की हालत में परिवारजनों एवं ग्रामीणों से वाद-विवाद करते है। जिससे उनके परिवार के सदस्य, बज्चे परेशान रहते है और ग्राम का माहौल भी खराब हो रहा है। साथ ही शुक्रवार की रात्रि में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा खेल मैदान में शराब पीकर शराब की बॉटल को फोड़कर गंदगी कर दी गई थी। इसी तरह ग्राम पंचायत भवन एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में भी तोड़-फोड़ की गई है जिससे सभी ग्रामीणजन आक्रोशित है। आगे बताया कि ग्राम में कुछ लोग कज्ची एवं पक्की शराब का अवैध रूप से विक्रय करते है और गांव में ही शराब बिकने के कारण ग्रामीणजन शराब पीने का आदि होते जा रहे है और दिनभर मजदूरी कर जो कमाई करते है उसे शराब में खर्च कर देते है जिससे उनका आर्थिक स्थिति कमजोर हो रहा है एवं परिजन परेशान है और बज्चों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि जो व्यक्ति शराब पीकर आता है तो परिवार के लोग उसे शराब पीने के लिए मना करते है तो वे उनके साथ मारपीट भी करते है और नशे की हालत में बड़ी घटना को भी अंजाम दे सकते है इसलिए सभी ग्रामीणजनों ने शनिवार को बैठक आयोजित कर निर्णय लिया है कि ग्राम को नशा मुक्त बनाना है। रविवार को नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत रैली निकालकर ग्रामीणजनों से अपील की गई है कि ग्राम में कोई शराब का विक्रय नही करेगा, शराब पीकर लड़ाई झगडे नही करेगें और शराब विक्रय करते एवं नशा की हालत में लड़ाई झगड़े करते पाये जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि ग्रामीणों के द्वारा बनाई गई समिति के निर्णय का अगर कोई पालन नही करता है तो उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दशहराटोला (कनकी) में मनाया गया विश्व ध्यान दिवस

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कनकी के दशहराटोला में म.प्र. जन अभियान परिषद सेक्टर बिरसोला के द्वारा शनिवार को विश्व ध्यान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम बीएसडब्लू और एमएसडब्लू के स्टूडेंट्स द्वारा योग और ध्यान किया गया। साथ ही ध्यान दिवस पर ध्यान के बारे में जानकारी देते हुए मेडिटेशन भी

किया गया और कविता ठकरेले ने एक खेल का भी आयोजन किया जिसमें प्रकाश डहारे जीते। इस अवसर पर सेक्टर परामर्शदाता दामेंद्रप्रसाद हरिनखेड़े, हेमराज अंगुरे, कविता ठकरेले, सुनीता बघेल, संतोष विश्वकर्मा, रविन्द्र विश्वकर्मा, राहुल बघेल, प्रकाश डहारे, कमलेश चौरागड़े, शिखा बघेल, आकाश बघेल, अंकित लिल्हारे, प्राची चंदेल, दीपक चौरागडे, संध्या टेकाम, मनोरमा पटले, अनीता नागेंद्र, मीता भौतेकर, पूर्वा वैष्णव, माधुरी बागड़े, सीमा सिरसाम सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आज मनाया जायेगा राष्ट्रीय किसान दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के हद्य स्थल बस स्टेण्ड स्थित गांधी मंच में किसान गर्जना संगठन लालबर्रा के द्वारा २३

दिसंबर को दोपहर १२ बजे राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुए किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद सिहोरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लालबर्रा बस स्टेण्ड स्थित गांधी मंच में किसान गर्जना संगठन के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरणसिंह के जन्मदिन के अवसर पर २३ दिसंबर को दोपहर १२ बजे राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रभर के किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद सिहोरे ने की है।

बुट्टा ह. में सांई रथ का किया गया भव्य स्वागत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १३ किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. में रविवार को सांई रथ यात्रा पहुंची। जिसका श्री सत्य सांई सेवा समिति एवं ग्रामीणजनों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यह सांई रथ यात्रा पुरे ग्राम का भ्रमण की, इस दौरान ग्रामीणजनों ने अपने-अपने आंगन में रंगोली, माला एवं श्री सत्य सांई बाबा की फोटो एवं आरती की थाल सजाकर रखे थे और जब सांई रथ ग्रामीणजनों के मकानों के सामने से गुजरी तो ग्रामीणजनों ने दीप जलाकर रथ का स्वागत किया एवं रथ में विराजमान श्री सत्य सांई बाबा की चरण पादुका एवं उनकी प्रतिमा की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं इस रथ यात्रा में शामिल श्रध्दालुजनों ने सांई भजन का भी गायन किया जिससे पूरा ग्राम भक्तिमय नजर आया। चर्चा में श्री सत्य सांई समिति बुट्टा ह. के संयोजक लक्ष्मीनारायण झंझाड़े ने बताया कि गत दिवस से लालबर्रा विकासखण्ड के ग्रामों में सांई रथ यात्रा पहुंच रही है। इसी कड़ी में रविवार को सांई रथ यात्रा का ग्राम बुट्टा ह. में आगमन हुआ जिसका समिति एवं ग्रामीणजनों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया एवं रथ में रखे श्री सत्य सांई बाबा की चरण पादुका की पूजा अर्चना करना सभी ने धर्मलाभ अर्जित किये। साथ ही इस रथ यात्रा के माध्यम से बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति बुट्टा ह. संयोजक लक्ष्मीनारायण झंझाड़े, सरपंच केसी बघेल, उदेलाल बघेल, मुन्ना गौतम, उदेलाल भोगाड़े, चेतनलाल टेंभरे, योगराज टेंभरे, रामेश्वरी टेंभरे, अरविंद गाड़ेश्वर, सुक्कू बिरनवार, केशरीचंद दशरिये, हिसबलाल, दीपलाल बिसेन, मानिकराम पटले, सुरजलाल गोंदुड़े, भजनलाल पगरवार, प्रमोद सपाटे, अंजीलाल दशरिये, ईगलाल बोपचे, हिसबलाल दशरिये, राकेश झंझाड़े, राजेन्द्र बघेल, दुलीचंद गाड़ेश्वर, प्रेमलाल गाड़ेश्वर, सुनील, संतोष डोरस, अखिलेश, राजाराम रहांगडाले, रवि पटले, गिरीश चौधरी, रवि रहांगडाले एवं श्री रहांगडाले सहित श्रध्दालुजन व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहायक ग्रेड-3 परीक्षा में इशांत ठाकरे का हुआ चयन, हर्ष व्याप्त

अत्यन्त कठिन परीक्षा होने से अनारक्षित सहित अन्य सभी श्रेणी के पद रह गये रिक्त

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय सहायक ग्रेड-३ परीक्षा के परिणाम गत दिवस घोषित किया गया है। जिसमें लालबर्रा के शांति नगर निवासी इशांत ठाकरे ने अनारक्षित श्रेणी में सफलता अर्जित किया है। जिसका छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहायक ग्रेड ३ के लिए चयन हुआ है और यह परीक्षा १५७ पदों के लिए आयोजित की गई थी परन्तु परीक्षा का स्किल टेस्ट अत्यंत कठिन स्तर का होने से महज ३३ अभ्यर्थी ही इस परीक्षा को उत्तीर्ण कर पाये है। जिसमें लालबर्रा के शांति नगर, हाल मुकाम सिकंदरा वारासिवनी निवासी इशांत ठाकरे की पोजीशन २१ वीं रही है और इशांत का छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहायक ग्रेड ३ में चयन होने पर उनके परिजनों, चित-परिचितों में हर्ष की लहर व्याप्त है। वहीं छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सहायक ३ ग्रेड के लिए १५७ पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमें महज ३३ अभ्यर्थी उत्तीर्ण हो पाये है और अनारक्षित के बकाया पदों सहित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष सभी १२४ पद रिक्त रह गये है। साथ ही इशांत ठाकरे मध्यम परिवार के है जिनके पिताजी छोटा मालगाड़ी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते है, इशांत ठाकरे का शासकीय नौकरी लगने पर वे बेहद खुश है और उनके परिवार में पहला सदस्य ने सरकारी नौकरी पाई है जिससे परिवार के सभी सदस्य एवं रिस्तेदार काफी खुश है। चर्चा में इशांत ठाकरे ने बताया कि जैसे ही उन्हे अपने फाइनल रिजल्ट का पता चला तो उन्हे विश्वास नही हुआ जिसके बाद अपने शिक्षक श्री धानेश्वर सर से कन्फर्म किया। जिसके बाद उन्हे विश्वास हुआ कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहायक ग्रेड-३ की परीक्षा में उत्तीर्ण कर

चयन हो गया है। साथ ही यह भी बताया कि प्रारंभिक परीक्षा दुर्ग के सेंटर से दी थी और परीक्षा में केवल कम्प्यूटर एवं अंग्रेजी विषय से ही ५० प्रश्न पूछे गये थे जिसमें से ४१ अंक आये थे तभी मुझे विश्वास हो गया था कि मुख्य परीक्षा के लिए मेरा नाम आ ही जायेगा एवं परीक्षा की तैयारी के संबंध में श्री धानेश्वर सर गाईडेंस देते थे, उसी प्रकार से तैयारी किया और सफलता मिली है इसलिए इस सफलता का श्रेय श्री धानेश्वर सर एवं माता-पिता को जाता है। श्री ठाकरे ने बताया कि हमारा मूल निवास तिरोड़ी का है पिताजी अपने काम से वारासिवनी आ गये थे एवं मैनें वारासिवनी में कक्षा १२ वीं तक पढ़ाई करने के बाद काम्पीटीशन परीक्षा की तैयारी लालबर्रा में रहकर की है और पिताजी के पास छोटी मालवाहक गाड़ी जिससे सामान का ट्रांसपोर्टेशन का कार्य करते है जिन्होने हमें अज्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए कोई कमी महसूस नही होने दिये है और मैं अपने जूनियरों से यही कहना चाहूंगा कि लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करे सफलता अवश्य मिलेगी। चयनित छात्र के पिता रामप्रसाद ठाकरे ने बताया कि इशांत ने फोन करके अपने सिलेक्शन हो जाने के बारे में बताया तो बहुत खुशी हुई और इशांत पढ़ाई में पहले कमजोर था परन्तु धानेश्वर सर के मार्गदर्शन में उसने तैयारी की एवं अपने-आप में सुधार किया और आज छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सहायक ग्रेड ३ के पद पर उसका चयन हुआ है जिससे सभी खुश है। श्री ठाकरे ने बताया कि इशांत उनके परिवार का पहला सदस्य है जिसने सरकारी नौकरी प्राप्त की और पढ़ाई का महत्व बताते हुए बच्चों के माता-पिता से आव्हान किया है कि एक बार भले ही फटे कपड़े पहन ले मगर अपने बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। वहीं इशांत की माताजी श्रीमती देवीलता ठाकरे ने बताया कि इशांत ने दो-तीन वर्ष तक लालबर्रा में रहकर पढ़ाई की है और वहां रहने-खाने एवं कोचिंग आदि में बहुत व्यय हुआ परन्तु खुशी है कि बेटे ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। हमने मजदूरी की, तकलीफें उठाई, मौके पर हमारे पास पैसे नहीं होते थे परन्तु इशांत को समय-समय पर पैसे देते रहे। श्रीमती ठाकरे ने अन्य बच्चों के माता-पिता के लिए संदेश दिया कि भले ही आप किसी भी प्रकार की आर्थिक स्थिति का सामना कर ले परन्तु बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे खर्च करने से ना डरें, ये वो खर्चा है जो बाद में लौटकर आपको फायदा ही देता है और हमारे बेटा को जो सफलता मिली है वह धानेश्वर सर की मेहनत से मिली है जिनका हम आभार व्यक्त करते है।

वीनू हलकरे भी हुई चयनित

इशांत ठाकरे के साथ ही कंजई निवासी वीनू हलकरे ने भी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहायक ग्रेड ३ की परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफलता हासिल की है। परीक्षा में इशांत की पोजीशन जहां २१ वीं रही है, तो वहीं वीनू ने ११ वीं रैक के साथ अनारक्षित श्रेणी में स्थान पाया। वहीं कंजई निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक देवीप्रसाद हलकरे की सुपुत्री वीनू इससे पूर्व भी छत्तीसगढ़ जिला कोर्ट की अनेक परीक्षाएं पास कर चुकी है एवं वर्तमान में वह अंग्रेजी स्टेनोग्राफर के पद पर जिला न्यायालय जशपुर में कार्यरत है।

आइडियल एकेड़मी स्कुल में ओटू प्लैनेटेरियम शो का हुआ आयोजन

स्कूल के सभी विद्यार्थियों को दिखवाया गया अंतरिक्ष

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के डॉक्टर भीमराव आंबेडकर मंगल भवन में २२ दिसंबर को आइडियल एकेड़मी स्कुल के तत्वाधान में ओटू प्लैनेटेरियम कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल संचालक सुनील सिंग, प्राचार्य श्रद्धा वर्मा ,हर्ष प्रताप ठाकुर सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें स्कूल की कक्षा नर्सरी से कक्षा १२ वीं तक के छात्र छात्राओं को यह कायक्रम दिखाया गया। जिसमें स्कूल के द्वारा नोएडा दिल्ली से यह और प्रोजेक्ट बुलवाया गया था। जिसके अंदर एक बार में करीब ५० छात्र छात्राओं को बैठाकर ३६० डिग्री के माध्यम से तारामण्डल या नक्षत्रालय दिखाकर खगोलिकी व नाइट स्काई विषयक ज्ञानवर्धक व मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जहां पर विद्यार्थियों के द्वारा जमकर आनंद लिया गया। इसमें चंद्रयान.३ का मिसाइल कैसे चांद पर पहुंचा किस प्रकार वैज्ञानिक चांद पर और दूसरे ग्रह पर जाते हैं वहां उनका जीवन कैसा होता है। किस प्रकार सृष्टि का निर्माण हुआ डायनासोर का अस्तित्व किस प्रकार से खगोलीय घटना के आधार पर समाप्त हुआ, तारामंडल में जो आकाशगंगा होती है वह कैसी दिखती है ,किस प्रकार दो तारा या अन्य चीजों के टकराने से अंतरिक्ष में किस प्रकार की स्थिति होती है और उसका पृथ्वी पर क्या असर पड़ता है यह सब समझने का प्रयास किया गया। इस दौरान कक्षाओं एवं विद्यार्थियों के बौद्धिक आधार पर उन्हें अलग अलग प्रकार से तारामंडल दिखाने का कार्य किया गया। शिक्षक हर्ष प्रताप ठाकुर ने बताया कि शैक्षणिक स्तर पर हम नया आयाम छू रहे हैं बच्चों को अंतरिक्ष तारामंडल की जानकारी दे रहे हैं। इसमें तारामंडल ग्रह की दशा दिशा बता रहे हैं बच्चों की स्क्रीनिंग लर्निंग कोरोना काल के बाद से बढ़ती जा रही है इसका कारण मोबाइल व अन्य उपकरणों का उपयोग बड़ा है। इसके लिए स्क्रीन के माध्यम से सीखने का प्रयास किया जा रहा है, एक प्रयोगशाला यहां पर दिल्ली से लाई गई है जिसके टेक्नीशियन इंदौर से आए हैं और उनके द्वारा बच्चों को अंतरिक्ष व उससे जुड़ी जानकारियां बता रहे हैं। वहीं प्राचार्य श्रद्धा वर्मा ने बताया कि हमने प्लैनेटेरियम कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिससे विभिन्न जानकारी नर्सरी से कक्षा १२ वीं तक के बच्चों को दी जा रही है । उन्हें बताया जा रहा है कि वैज्ञानिक कैसे होते हैं वह दूसरे ग्रहों पर किस प्रकार जाता है २ तारे के टकराव से क्या होता है डायनासोर कैसे विलुप्त हो गए, इन सभी घटनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है।

स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा (बड़े भाऊ) की १०० वीं जन्म शताब्दी कार्यक्रम २४ को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के गुजरी चौक स्थित प्रतिमा स्थल में पूर्व गृहमंत्री स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा (बड़े भाऊ) की १०० वीं जन्म शताब्दी कार्यक्रम २४ दिसंबर को मनाया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुए पूर्व गृह मंत्री स्व. नंदकिशोर शर्मा के सुपुत्र, वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि हम सबके प्रेरणास्त्रोत पूर्व गृहमंत्री स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा का २४ दिसंबर को प्रतिमा स्थल में प्रातः ९ बजे १०० वीं जन्म शताब्दी कार्यक्रम मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है एवं दोपहर १२ बजे से बाबा हनुमान जी को समर्पित भोजन प्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ज्ञानचंद शर्मा ने की है।

कंजई में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

नल-जल योजना का कार्य अधर में

ना टंकी पूर्ण हुई ना पाइपलाइन बिछाये, कार्य बंद, नल-जल योजना पूर्ण होने के इंतजार में बासीवासी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसी में करीब २ वर्ष पहले नल जल योजना स्वीकृत हुई थी। परंतु वहां पर बीते करीब १० महीना से कार्य बंद पड़ा हुआ है जहां नल जल योजना अधर में लटकी हुई है। क्योंकि निर्माण एजेंसी के द्वारा नाही पानी टंकी पूर्ण की गई और नाही पाइपलाइन का विस्तार अभी तक किया गया है। जहां ग्रामीणजनों में नल जल योजना स्वीकृत होने का उत्साह निराशा के रूप में बदलने लगा है। इस कार्य की प्रगती विषय को लेकर जिम्मेदार अधिकारी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिससे स्वीकृति के बाद भी यह योजना पूर्ण होकर प्रारंभ नहीं हो पाई है। इस परिस्थिति में ग्रामीणों को ग्राम के विभिन्न जल स्त्रोत के माध्यम से अपने घर की जरूरत को पूरा करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा शासन प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी की तरफ आशा भरी नजर से देखा जा रहा है । कि उनके द्वारा जल्द योजना पूर्ण होगी जिससे करीब आधा किलोमीटर दूर से पानी लाने की समस्या से निजात मिल पाएगा। परंतु यह कब मिलेगा वह भविष्य के गर्भ में नजर आ रहा है उक्त समस्या को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। जिनके द्वारा योजना अतिशीघ्र पूर्ण कर ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

जंग युक्त पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

ग्राम पंचायत बांसी में विभिन्न स्थानों पर जल स्रोत के रूप में हैंडपंप स्थित है जिसमें से अधिकांश हैंडपंप बंद पड़े हुए हैं। कुछ में पानी नहीं निकलता है कुछ हैंडपंप है उसमें से जंग युक्त और कीचड़ जैसा पानी निकल आता है। अधिकांश लाल पानी निकलता है परंतु मजबूरी में ग्रामीणों को उसे छानकर पीना पड़ता है। तो वहीं ग्राम में शुद्ध पानी के करीब चार हैंडपंप स्थित है परंतु वह भी जल्द खराब हो जाते हैं क्योंकि पूरे ग्राम का भार उसी पर होता है। जिनकी समय रहते मरम्मत ना होने से वह भी जंग युक्त पानी उगलना प्रारंभ कर देते हैं जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता दिख रहा है।

नल जल योजना निर्माण से परेशान ग्रामीणों में आक्रोश

प्राप्त जानकारी के अनुसार बांसी पंचायत में पीने के शुद्ध पानी की कमी को देखते हुए ग्रामीणों की मांग पर सरकार के द्वारा हर घर नल हर घर जल योजना अंतर्गत नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जिसका निर्माण कार्य करीब २ वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया था जिसमें एक ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी का निर्माण कर कार्य छोड़ दिया गया था। जिसके बाद दूसरे ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी के आसपास की बाउंड्री वॉल खड़ी कर वैसा ही छोड़ दिया गया है। जहां पर गेट पुताई योजना की लिखाई पानी की पाइपलाइन मोटर जैसा कोई भी कार्य नहीं किया गया है। यहां तक की पानी टंकी स्थान पर भरण डालकर फ्लोर भी नहीं बनाई गई है जहां १० महीना बीत जाने के बाद भी कोई कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है जो बंद पड़ा हुआ है। वहीं आंगनबाड़ी के सामने पाइपलाइन के बंडल रखे हुए हैं इस परिस्थिति में यह योजना पूर्ण होती है या नहीं होती है यह आशा भी ग्रामीणों के द्वारा छोड़ दी गई है। जो प्रशासन से योजना को यथाशीघ्र पूर्ण करने की मांग कर रहे हैं।

२ वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य नही हुआ पूर्ण- संतोष मिश्रा

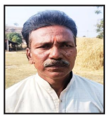

ग्रामीण संतोष मिश्रा ने बताया कि नल जल योजना की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है काम बंद पड़ा हुआ है पाइप पड़े हुए हैं उन्हें बिछाया नहीं गया है। केवल टंकी बना दी गई है यह काम २ वर्ष करीब हो गया है आज भी ग्रामीणों को योजना का पानी नहीं मिल रहा है। क्योंकि पाइपलाइन गांव में बिछी ही नहीं गई है टंकी का भी कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। पहले बोदलकसा वाले ठेकेदार के द्वारा कार्य किया गया फि र उसने काम छोड़ अब किसको ठेका मिला है पता नहीं। हम तो यही जानते हैं कि योजना को पूरा किया जाना चाहिए।

जंग यूक्त पानी पीने मजबूर है ग्रामीण-फूलाबाई पन्द्रे

ग्रामीण फूलाबाई पन्द्रे ने बताया कि पानी की समस्या तो ग्राम में पहले से है यहां हैंडपंप जो दिख रहा है वह यदि खराब हो जाता है तो दूसरे मोहल्ले में जाकर पानी लाना पड़ता है। यहां से करीब आधा किलोमीटर हमें दूर पानी के लिए जाना होता है वहां भी पर्याप्त पानी हमें नहीं मिल पाता है। यह जो हैंडपंप है उसमें भी कभी लाल पानी या कीचड़ वाला पानी निकलता है परंतु समस्या शुद्ध पानी प्राप्त करने की है इसलिए वह हमें पीना पड़ता है। पानी में जंग भी आता है नल जल योजना आई थी तो बहुत खुशी थी परंतु नाही टंकी पूरी बनी और नाही फिटिंग हुई है जब सरकार ने योजना दी है तो उसे पूरा बनाना चाहिये।

नल जल योजना बनी है तो इसका लाभ ग्रामीण को मिलना चाहिए-आनंद जैतवार

ग्रामीण आनंद जैतवार ने बताया कि नल जल की व्यवस्था में बहुत दिक्कत है कहीं कहीं से पानी लाकर अपनी जरूरत को पूरा करना पड़ रहा है। हमें अपना दैनिक कार्यों में समस्या होती रहती है जब सरकार की नल जल योजना बनी है तो इसका लाभ हर ग्रामीण को मिलना चाहिए। २ वर्ष से टंकी बन रही है जो आज तक पूरी नहीं हुई है पाइप को लाकर रख दिया है और कोई देखने भी नहीं आया है। हम अपनी इधर उधर से पानी लाकर अपना काम कर रहे हैं सभी को इसका लाभ मिलना चाहिए। शासन की नल जन योजना है पिछले बार से यह पानी की टंकी खड़ी हुई थी फिर काम बंद हो गया फिर दूसरा ठेकेदार आया उसने बाउंड्रीवॉल खड़ी कर चल गया पानी टंकी में भरण भी नहीं डाला है।

सभी ग्रामीणजन लाल कीचड़ वाला पानी पीते है-वर्षा ठाकरे

श्रीमती वर्षा ठाकरे ने बताया कि हमारे नहीं सभी के घरों की यह समस्या बनी हुई है कि पानी किसी को भी समय पर नहीं मिल पाता है। क्योंकि हैंडपंप कम है सुबह शाम हमें पानी लाना होता है इसमें सुबह हमें पानी भी लाना है। बच्चों को तैयार कर स्कूल भी भेजना है घर वाले काम पर भी जाने के लिए देखते हैं और समय पर पूरा काम नहीं हो पाता है इससे बच्चे और घर वाले लेट होते हैं। हमारे द्वारा हैंडपंप से पानी लाया जाता है जिसमें लाल कीचड़ वाला पानी निकलता है और उसे हम पीते हैं। यह जो नल जल योजना आई है वह बनना चाहिए ताकि गांव के हर व्यक्ति को शुद्ध पानी मिल सके।

कार्य पूर्ण करने सरपंच को कहते है तो सिर्फ आश्वासन देता है- अजय जैतवार

ग्रामीण अजय जैतवार ने बताया कि नल जल योजना की टंकी पूरी नही बनी है और पाइप को बिछाया भी नहीं गया है काम बंद पड़ा हुआ है। अभी नल जल की सुविधा नहीं है और ना ही कोई इस पर ध्यान दे रहा है सरपंच को कहते हैं तो वह आश्वासन देता है कि काम होगा पर कुछ समझ नहीं आ रहा है। १ वर्ष करीब से काम बंद है बस्ती में तीन हैंडपंप है जहां से सभी लोग पानी लाते हैं बाकी और हैंड पंप है पर वह बंद पड़े हुए है। यह जंग उगल रहे हैं बहुत ज्यादा समस्या शुद्ध पानी की है यहां पर हर किसी को ५०० मीटर दूर जाकर पानी लाना होता है। यदि यह योजना पूर्ण हो जाती तो जनता को फायदा मिलेगा पर अभी हर कोई परेशान है।

कस्बीटोला की दो आंगनवाड़ी भवन जर्जर

जर्जर हालत में लग रही नौनिहालो की क्लास

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम रामपायली के कस्बी टोला में

आंगनवाड़ी भवन का आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक ४ और ६ आंगनबाड़ी यहां मौजूद है। लेकिन भवन नहीं है किराए के भवन पर आंगनवाड़ी संचालित हो रही है । जिसमें एक आंगनवाड़ी में ४५ और दूसरी आंगनवाड़ी में २५ नौनीहालो की संख्या दर्ज है। दोनों आंगनबाड़ी किराए के भवन में जर्जर भवन में लग रही है ,आंगनवाड़ी भवन निर्माण के लिए वर्ष २०२० में शासन से ५ लाख ८० हजार रुपये स्वीकृत हुए थे। और बाल विकास विभाग से २००००० लाख रूपये स्वीकृत होकर राशि आवंटित की गई थी जिसमें ४५७०० राशि निकालकर केवल न्यू बनाकर छोड़ दिया गया। १ लाख ५४ हजार ३०० राशि का अता पता नहीं है और ना हीं पंचायत में यह राशि मौजूद है। जिसके कारण दोनों आंगनवाड़ी भवन नहीं बन पाए अब इसकी लागत ११ लाख ८० हजार रुपए बताई जा रही है। ४५ हजार ७०० रूपये का निर्माण कार्य केवल न्यू तक होकर मूल्यांकन हो गया और शेष राशि की शिकायत वार्ड नंबर १९ के पांच उमाशंकर राणा ने १८१ पर दर्ज कर इस मामले को जांच के घेरे में ले लिया है। इस मामले की शिकायत पंच उमाशंकर राणा ने १२ मार्च २०२४ को जनपद पंचायत को भी किया है जिस पर आज तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई है।

राशि स्वीकृति के बाद भी तैयार नहीं हो सका भवन

आंगनवाड़ी भवन के लिए राशि स्वीकृति के बाद भी भवन का निर्माण नहीं किया जा सका है। वर्ष २०२० में राशि स्वीकृत हो चुकी है लेकिन चार साल का वक्त गुजर जाने के बाद भी भवन नही बनने के कारण आंगनवाड़ी का संचालन किराए के भवन में हो रहा है।

शिकायत करने बाद भी नही हुई कार्यवाही-उमाशंकर राणा

शिकायत कर्ता उमाशंकर राणा ने चर्चा कर बताया कि १८१ पर शिकायत दर्ज कराते हुए जांच कराए जाने की मांग की है। इसके अलावा भी पूर्व में जनपद पंचायत को शिकायत की गई है लेकिन इस संबंध में अब तक किसी प्रकार के कारगर कदम नहीं उठाए गए है।

किसान संगठन रामपायली ने किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रविवार को कृषक भारतीय संगठन के बैनर तले किसानों ने एक घंटे का धरना प्रदर्शन किया। सभी किसानों ने मंच से अपनी अपनी बात रखी और सभी किसानों में यह आक्रोश देखा गया की एक तरफ हड़ताली किसान सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए एकजुट है। नेताओं को अपने मंच पर आने से रोक रही है

इस उम्मीद में की सरकार हमारी सुध लेगी । लेकिन सरकार ने जैसे किसानों से दुश्मनी मोल लेने की ठान ली हो तभी तो शित कालिन सत्र के बजट में भी किसानों से वादा किया गया था। किसानों ने सरकार की इस कदम की निंदा की व निंदा प्रस्ताव पास किया व जिन विधायको ने किसान की बात विधानसभा के पटल पर रखी उनका धन्यवाद प्रस्ताव भी पास किया। किसानों ने कहा है कि ये आंदोलन सतत जारी रहेगा।

झालीवाड़ा में श्री साँई मंदिर वार्षिक उत्सव प्रारंभ

श्री मार्कण्डेय पुराण व सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम होगा आकर्षण का केंद्र

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साँईधाम झालीवाड़ा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ११ दिवसीय श्री साँई मंदिर वार्षिकोत्सव का १५ वां वर्ष श्री साँई मंदिर ट्रस्ट एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में २२ दिसंबर से प्रारंभ किया गया। जिसमें परंपरा अनुसार इस वर्ष साँईधाम झालीवाड़ा में श्री शिरडी के साँई बाबा के प्राण प्रतिष्ठा का १५ वां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम सुबह से हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ किया गया है। जिसमें सुबह से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम किए गए और साँई बाबा का अभिषेक कर पूजा अर्चना उपरांत आरती की गई । तत्पश्चात मंदिर प्रांगण से साँई बाबा की धूनी पालकी व कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक चौराहे गलियों सहित पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंची। जहाँ सांईनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर इस शोभायात्रा को विराम दिया गया। इस दौरान बासी,अंसेरा, खापा, बोदलकसा सहित अन्य ग्राम के लोग उपस्थित रहे। महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे ग्राम का भ्रमण किया और अपने अपने नाम का कलश समाप्ति दिनांक को भी उठाने का प्रण किया। इस शोभायात्रा में भगवान राम ,माता सीता ,भगवान लक्ष्मण ,भगवान हनुमान ,माँ दुर्गा एवं साँई बाबा की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। वहीं यह शोभायात्रा ग्राम के जिस किसी मार्ग से गुजरी तो जगह जगह प्रत्येक ग्रामीणों के द्वारा अनाज दान कर साँई बाबा की पूजा कर पालकी के नीचे से गुजर कर आशीर्वाद ग्रहण किया। विदित हो कि इस वर्ष श्री मार्कण्डेय पुराण का आयोजन किया गया है, जिसका वाचन व्यास आसन से गौवत्स सुरभिदास महाराज तुषार महाराज के मुखारविंद से किया जाएगा। वहीं प्रतिदिन रात्रि में सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जो आकर्षण का केंद्र होगा।

यह कार्यक्रमों का होगा आयोजन

श्री साई मंदिर वार्षिक उत्सव २०२४ यह ११ दिवसीय कार्यक्रम हर वर्ष की तरह आयोजित किया गया है। जिसमें २२ दिसंबर को कलश यात्रा निकालकर संपूर्ण ग्राम का भ्रमण कर आयोजन का प्रारंभ किया गया। जहां २३ दिसंबर को मार्कंडेय पुराण कथा का प्रारंभ किया जाएगा जिसका विश्राम ३१ दिसंबर को होगा। इस दौरान रात्रि में ८ बजे से २४ दिसंबर को संगीतमय योग, २५ दिसंबर को सांस्कृतिक देशभक्ति गीत एवं नृत्य भक्ति संगीत, २६,२७ दिसंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम, २९ दिसंबर को पंडवानी लोकगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम गुण्डरदेही जिला बलौदा के कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं १ जनवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र में धर्ममय वातावरण बना रहता है-जगदीश पटले

मंदिर समिति के अध्यक्ष जगदीश पटले ने बताया कि हर वर्ष की तरह श्री साई मंदिर वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया है। यह १५ वॉ वर्ष है जिसमें मार्कंडेय पुराण एवं रात्रि में संस्कृति धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसका प्रारंभ मंदिर में पूजा अर्चना कर भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर किया गया है। जिसका समापन १ जनवरी को विशाल भंडारा और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के साथ किया जाएगा। इस दौरान रात्रि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ३१ दिसंबर को ५ बजे कथा विश्राम एवं कथा यज्ञ पूर्ण कर १ जनवरी को कलश विसर्जन सुबह ८ बजे किए जाएंगे। इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में धर्ममय वातावरण निर्मित करना लोगों को जोड़ना और हर वर्ष हमारे द्वारा अलग पुराण करवाया जाता है। जिससे कि लोगों को हर ग्रंथ को सुनने का अवसर प्राप्त हो सके। इस बार गौवत्स सुरभि दास महाराज तुषार महाराज के द्वारा मार्कंडेय पुराण का व्यास आसन से वाचन किया जाएगा।

बालाघाट कृषि स्नातक सम्मेलन का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट कृषि स्नातक सम्मेलन २०२४ का आयोजन २१ दिसंबर को स्थानीय राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़ फार्म वारासिवनी में किया गया। इस आयोजन में जिले में निवास करने वाले विभिन्न पदो पर अन्य जिले और प्रदेश में सेवाएँ दे चुके कृषि स्नातको का सम्मान किया गया। जिले के प्रथम कृषि स्नातक विद्यार्थी लोचनलाल ठाकरे पहुंचे जिनका स्वागत कर स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पी के बिसेन पूर्व डीन जबलपुर, बी आर टेंभरे ,एम एल हिरवाने, जावेन्द्रनाथ बिसेन, जे एल बिसेन, पी एल लिल्हारे, रंजीतसिंह चौहान, सी पी वैद्य, के एम पारधी, के एस पारधी, डी आर कामड़े, अरूण राहंगडाले, डी एस धुर्वे अपर कलेक्टर, नवीनी पटले ,विवेक त्रिपाठी जो कि वर्ष १९७० के पूर्व कृषि स्नातक थे उन्हे सर्व प्रथम सम्मानित किया गया। तत्पश्चात वर्ष १९७० से वर्तमान सत्र तक कृषि स्नातक विभिन्न क्षेत्रों से सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारी एवं वर्तमान में अन्य क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे कृषि स्नातको का भी सम्मान करते हुए उनका परिचय सम्मेलन आयोजित

किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर सी पटले सीईओ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट ने कहा कि कृषि स्नातक सम्मेलन २०२४ का प्रथम सम्मेलन वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में किया गया है। इस सम्मेलन के माध्यम से यहां पहुंचे विभिन्न क्षेत्रों के कृषि स्नातको के विचारों का आदान प्रदान करना है ताकि विचारों को मजबूती प्रदान की जा सके। यह आवश्यक है कि कृषि के क्षेत्र में संभावनाएँ अपार है और यहां उपस्थित कृषि स्नातको के विचारो को हम सब मिलकर पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थितजनों ने कृषि स्नातक की पढ़ाई अलग अलग महाविद्यालय में पूर्ण की है । यह अवसर है कि एक मंच के माध्यम से अपने विचार सांझा किया जावें। श्री पटले ने कहा कि कृषि को लेकर विकास के आयाम को कैसे साकार किये जायें इस पर मंथन किया जायेगा। जिसके बाद बालाघाट ही नही अपितु पूरे प्रदेश में बालाघाट की छवि अविस्मणीय रही। क्योंकि बालाघाट जिले के कृषि से जुड़े अनुभव को नकारा नही जा सकता। कार्यक्रम का मंच संचालन अमित शर्मा जबलपुर के द्वारा किया गया। साथ ही उपस्थित कृषि स्नातक सेवानिवृत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वर्तमान में कार्यरत कृषि स्नातक अधिकारी और कर्मचारियों, छात्रए छात्राओं के द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में एन के बिसेन डीन, राजेश खाब्रोगड़े कृषि उपसंचालक, उत्तम बिसेन कृषि वैद्यानिक, सी बी बिसेन, शरद बिसेन, हेमंत राहंगडाले, प्रवीण भगत, जे एस बिसेन का विशेष सहयोग रहा।

अपराध और शर्म

वह खौफनाक मंजर कभी भुलाए नहीं भूलेगा, और गिसेले पेलिकॉट को एक फ्रांसीसी अदालत द्वारा उनके पूर्व पति को लगभग एक दशक तक उनके साथ सामूहिक बलात्कार करने और उसे अंजाम देने के लिए 20 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद सिर्फ मामले के तार्किक परिणति पर पहुंचने का एक आभास भर हासिल हुआ है। 72 साल के डोमिनिक पेलिकॉट ने अदालत में कुबूल किया कि उसने सालों तक 72 साल की सुश्री पेलिकॉट के साथ बलात्कार करने से पहले उन्हें नशीला पदार्थ दिया था और जब वह गहरी नींद में होती थीं, तो उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए अजनबियों को ऑनलाइन भर्ती किया था। कुल मिलाकर, 20 से 70 साल की उम्र के बीच के 51 लोगों ने उनकी आबरू पर उस वक्त हमला किया था जब वह मादक दवाओं के नशे में होती थी और वे सभी अभियोजकों द्वारा मांगे गए कठोर दंड से बचते हुए, तीन से 15 साल तक की सजा पाकर रह गए। अपराध से जुड़े सबूत, तस्वीरें और फिल्में डोमिनिक पेलिकॉट के कंप्यूटर में रखी हुई थीं और वे अदालत में दिखाए जाने पर चौंकाने वाले व अविश्वसनीय थे। इस अपराध का खुलासा 2020 में उस समय हुआ जब एक अन्य दुष्कर्म, महिलाओं का अनुचित तरीके से फिल्मांकन करने, के मामले में डोमिनिक पेलिकॉट के खिलाफ जांच की जा रही थी। लेकिन इस सब में, सुश्री पेलिकॉट का बहादुराना रुख – गुमनामी को हटाने और सार्वजनिक सुनवाई की गुजारिश करने संबंधी – और 卐हमें नहीं, बल्कि उन्हें शर्म महसूस करनी चाहिए卐 सरीखा साहस भरा वक्तव्य खूब चर्चित हुआ। पूरे फ्रांस और दुनिया भर में लोगों ने तीन महीने से ज्यादा समय तक चले इस मुकदमे पर नजर बनाए रखा और महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कानून में बदलाव और सामाजिक धारणाओं व विषाक्त पितृसत्तात्मक व्यवहार को खत्म करने की मांग के साथ सड़कों पर मार्च किया और प्रदर्शन किए।

सुश्री पेलिकॉट ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटियों और पोते-पोतियों के साथ-साथ 卐उन अनजान पीड़ितों की लड़ाई की अगुवाई की है जिनकी कहानियां अक्सर दबी रह जाती हैं卐। उन्हें उम्मीद जताई कि मुकदमे का रास्ता खुलने से और उनके दर्दनाक अनुभवों के बावजूद, 卐समाज इस मसले पर होने वाली बहसों को सही दिशा दे सकेगा卐। उनके मामले ने दुर्व्यवहार और उसके नतीजे पर तीखी बहस छेड़ दी है। फ्रांसीसी कानून के तहत, बलात्कार के लिए अधिकतम सजा 20 साल है और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि किसी का जीवन बर्बाद करने वाले इस अपराध के लिए यह सजा पर्याप्त नहीं है। अधिकांश मामलों में, यौन शोषण एवं बलात्कार की शिकायतों की रिपोर्ट नहीं की जाती और उन पर मुकदमा नहीं चलाया जाता। फ्रांस एकमात्र उल्लंघनकर्ता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा सबसे प्रचलित मानवाधिकार उल्लंघनों में से एक है और विश्व स्तर पर, अनुमानित 736 मिलियन महिलाओं ने शारीरिक और/या यौन हिंसा का अनुभव किया है। गिसेले पेलिकॉट ने आशा और विश्वास जताया कि समाज 卐सामूहिक रूप से एक ऐसे भविष्य को हासिल करेगा जिसमें प्रत्येक महिला और पुरुष सम्मान एवं आपसी समझ के साथ रह सकें卐। लेकिन सबसे पहले, उनकी बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और बलात्कार के आरोपों को कभी भी महत्वहीन नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने बलात्कार को लेकर बरती जाने वाली चुप्पी और ओढ़े जाने वाले शर्म को तोड़ने में मदद की है। यौन शोषण से जुड़े कलंक को खत्म करने एवं दंड सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी समाज व कानून-निर्माताओं की है।

किसानो कि बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख: दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्धारा किसानो के हित में किये गये कार्यों को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

- रमेश सर्राफ धमोरा

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

संविधान-निर्माता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मर्यादा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मर्यादा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मर्यादाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मर्यादाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है।

सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो।

शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मर्यादा से विहीन दिखने लगे। ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है।

- ललित गर्ग

चीर के ज़मीन को मैं उम्मीद बोता हूँ, मैं किसान हूँ

आज का मेरा यह लेख बदलते मौसम जीवन और मृत्यु के चक्र और प्रकृति के खिलाफ़ निरंतर संघर्ष को झेलने वाले हमारे उन गुमनाम नायकों को समर्पित है जिनकी खुशियाँ सरल हैं -अच्छा मानसून भरपूर फसल और अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान हालांकि उनके दुख गहरे हैं - बंजर खेत और बढ़ता कर्ज। राष्ट्रीय किसान दिवस यानी एक ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व की जयंती का दिन जिन्होंने भारतीय राजनीति के जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। जी हां मैं बात कर रही हूं किसानों के मसीहा कहे जाने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जिन्होंने 1979 से 1980 तक के अपने कार्यकाल के दौरान ना केवल किसानों की स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया बल्कि देश की कृषि नीतियों को आकार देने में बेहद अहम भूमिका निभाई और कई कल्याणकारी कार्यक्रम विकसित किए। भारत की ग्रामीण आबादी का अधिकांश हिस्सा जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 20त्न हिस्सा है अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है जो कि आबादी का लगभग 50त्न है लिहाजा दसवीं भारतीय सरकार ने कृषि उद्योग और किसानों के कल्याण में चौधरी चरण ह्यद्बठ्ठद्दद्धद्ब्रद्द योगदान का सम्मान करने के लिए 2001 में उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में नामित करने का फैसला किया। 23 दिसंबर 1902 को गाजियाबाद (पश्चिम उत्तर प्रदेश) के नूरपूर गांव में जन्मे चौधरी चरण सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी स्वभाव के रहे हैं। बचपन से ही देश के लिए कुछ करने की ललक रखने वाले चरण सिंह अपने अक्खंड़ रवैये और सिद्धांतों से समझौता न करने के लिए मशहूर थे। कांग्रेस में ही रहते हुए उन्होंनने नेहरू के विचारों, योजनाओं और उनकी संकल्पंनाओं को गलत कहने का साहस दिखाया। उनकी शिक्षा सरकारी उच्च विद्यालय और विश्वविद्यालय मेरठ से पूरी हुई। उन्होंने विज्ञान स्नातक कला स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की पढ़ाई की थी। कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित हुआ जिससे प्रभावित होकर युवा चौधरी चरण सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए। उन्होंने गाजियाबाद में कांग्रेस कमेटी का गठन किया। 1930 में जब महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आह्वान किया तो उन्होंने हिंडन नदी पर नमक बनाने के प्रयास के क्रम में उन्हे जेल भी जाना पड़ा। 1937 में छपरौली (उत्तर प्रदेश) विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उनके निर्देशन में ऋण मोचन विधेयक 1939 का मसौदा तैयार किया गया और उसे पूरा किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ग्रामीण आबादी को साहूकारों से बचाना था। 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में वह संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। ह्वएक जुलाई1952 को यूपी में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ। यकीनन उनके द्वारा तैयार किया गया जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज्य के कल्याणकारी सिद्धांत पर आधारित था। उन्होंने न केवल लेखापाल के पद का सृजन किया बल्कि किसानों के हित में उन्होंने 1954 में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को भी पारित कराया। बाद में 1954 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। श्री सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। 1960 में भूमि जोत अधिनियम लाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसका उद्देश्य भूमि जोत की अधिकतम सीमा को कम करके उसे पूरे राज्य में एक समान बनाना था। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। निसंदेह एक कठोर कार्यपालक के रूप में ख्याति अर्जित करने वाले चौधरी चरण सिंह प्रशासन में अकुशलता भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करते थे। 28 जुलाई 1979 विषम परिस्थितियों में चौधरी चरण सिंह के सिर पर प्रधानमंत्री का ताज सजा। मगर यह ताज कांटों भरा था। सदन में बहुमत साबित करने के दौरान इंदिरा गांधी ने अपना समर्थन वापस ले लिया और उनकी सरकार गिर गई। मजह 23 दिनों तक प्रधानमंत्री के पद पर काबिज रहे चौधरी चरण सिंह संसद का मुंह नहीं देख पाए। चौधरी चरण सिंह को 20 अगस्त 1979 को अपना इस्तीफा देना पड़ा लेकिन 14 जनवरी 1980 तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहे। वह सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखते थे और लाखों किसानों के बीच उनका विश्वास कायम था। समाज में हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए किए गए उनके अथक प्रयास को याद करते हुए फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी। सादा जीवन उच्च विचार वाले चौधरी चरण सिंह ने अपने खाली समय में कई किताबें एवं पुस्तिकाएं भी लिखी जिसमें 'ज़मींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, 'प्रिवेंशन ऑफ़ डिवीज़न ऑफ़ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्' आदि प्रमुख हैं। यकीनन आज राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर देश भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई होगी जिनमें कार्यक्रम, वाद-विवाद, सेमिनार, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चर्चाएं, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां और समारोह शामिल होंगे पर क्या इन सभी आयोजनों से हमारे किसान भाइयों के जीवन शैली में कुछ परिवर्तन आएगा। अत्यंत दुखद है कि नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (ह्वक्चक्रष्ठ) की एक रिपोर्ट में किसान परिवारों की आय के बारे में चौकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि 2021-22 में प्रति किसान परिवार सभी स्त्रोतों से औसत मासिक कमाई स?र्फ 13,661 रुपये है। किसान फिर सड़क पर है और एक बार फिर किसान की आय और एमएसपी की कानूनी गारंटी पर बहस छिड़ चुकी है।किसानों पर बढ़ता कर्ज उपज का सही दाम।ना मिलना,बिजली के बढ़ते बिल आदि उनके प्रमुख मुद्दे हैं लेकिन किसानों की प्रमुख मांगें पूरी होना तो दूर उनकी हालत और खराब होती जा रही है। यकीनन जरूरत एक ऐसे माहौल की जिसमें किसानों में प्रगतिशील सोच विकसित हो और वे अपनी फसलों पर ऊँचा मुनाफा पा सकें।

- निमिषा सिंह

बहनें लाड़ली हैं तो भाई लाडले क्यों नहीं ? (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

7 मध्यप्रदेश में शुरू हुई लाड़ली बहना योजना और उससे मिलती जुलती महतारी योजनाओं ने भाजपा और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा को सत्ता तक पहुंचा दिया ,लेकिन दुर्भाग्य देखिये कि किसी भी चुनाव में बहनों की तरह भाइयों को किसी भी राजनीतिक दल ने लाडला नहीं माना। लाड़ली या लाडला का मतलब होता है प्रिय । बुंदेली में इसे हिजगरा कहते हैं। मध्यप्रदेश में मप्र लोकसेवा आयोग के खिलाफ आंदोलन कर रहे युवकों ने कहा है की उन्हें भी बहनों की तरह सरकार लाडला माने और भत्ता नहीं रोजगार दे।

संसद के मकर द्वार पर धक्का-मुक्की की सर्खियों में मप्र के युवाओं का आंदोलन कहीं दबकर रह गया । आपको बता दें कि इंदौर में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के खिलाफ छात्रों का धरना प्रदर्शन चार दिन से जारी है। छात्र अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आयोग के मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। चौथे दिन प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने 'मातम' मनाया और कहा कि आज लाड़ली बहना अपनी किस्मत पर रो रही हैं। हम भी लाड़ली बहना हैं लेकिन हमें महीने के 1250 रुपए नहीं, बल्कि एक अच्छी नौकरी चाहिए।

कड़ाके की सर्दी में आंदोलनरत छात्र-छात्राओं की मुख्य माँगें 87/13 फॉर्मूला लागू कर सभी परिणाम सौ प्रतिशत जारी करने ।2019 की मुख्य परीक्षा की कॉपियां दिखने और मार्कशीट जारी करने की है।छात्र 2023 राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का परिणाम तुरंत जारी करने और एमपीपीएससी 2025 के लिए राज्य सेवा में 700 और वन सेवा में 100 पदों के साथ नोटिफिकेशन जारी करने की भी मांग कर रहे है। मप्र के छात्र भर्ती प्रक्रिया में सुधार, छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग की तरह मुख्य परीक्षा की कॉपियां जांचने की मांग भी कर रहे हैं कर रहे हैं।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में रहते हुए इन छात्र-छात्रों से मिलने से इंकार कर दिया। आपको बता दें की मप्र सरकार ने लाड़ली बहना योजना के लिए इसी साल के पूरक बजट में 450 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है।

लाड़ली बहन योजना के चलते मप्र में भाजपा सरकार 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से जीती। इसी योजना को लागू कर महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 2024 में विधानसभा का चुनाव प्रचंड बहुमत से जीता और इसी योजना की नकल ने झारखण्ड में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा को विधानसभा का चुनाव जितवा दिया। झारखण्ड में इस योजना का नाम महतारी योजना है। यानि सरकारें इस तरह की योजनाओं से महिलाओं को वोट बैंक में तब्दील कर चुनाव तो जीत रहीं है लेकिन इन्हीं बहनों के पतियों और बच्चों को रोजगार के लिए कोई सरकार तैयार नहीं है। नौकरी के लिए परीक्षाएं देकर नतीजों का इन्तजार लाड़ली बहनों के पतियों और बच्चों को आंदोलन के लिए मजबूर कर रही है।

मप्र में लाड़ली बहनों को 1250 रूपये ,महाराष्ट्र में 2100 रूपये और झारखण्ड में 3000 रूपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। इस तरह की योजना दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी इसी तरह की योजना बनाई है। ये योजना फ्रीबिज के तहत आती है। लाड़ली बहना योजना के जनक मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं। उन्होंने ने ही लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाई थी। मप्र की इस योजना भाजपा के लिए संजीवनी साबित हुई। भविष्य में भी अधिकांश राजनीतिक दल इसी तरह की योजनाओं पर जोर दे रहे हैं। युवाओं को रोजगार की योजनाआयँ बनाने और उनके ऊपर अमल करने के बजाय मुफ्त में पैसा बांटना ज्यादा आसान होता है। अब देखते हैं कि आने वाले दिनों में लाडले भाइयों को लाड़ली बहनों की तरह आर्थिक सुरक्षा मिलती है या नहीं।

बीते सप्ताह सरसों को छोड़कर बाकी तेल-तिलहनों के भाव टूटे

नई दिल्ली । सर्दियों की मांग की वजह से सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल में मामूली सुधार होने के अलावा विदेशों में खाद्य तेलों की कीमतें कमजोर रहने के बीच बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बाकी सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों तिलहन और सरसों दादरी तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,500-6,550 रुपये प्रति क्विंटल पर पूर्ववत बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 13,525 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। लेकिन जाड़े की मांग की वजह से सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 5-5 रुपये के मामूली सुधार के साथ क्रमश- 2,265-2,365 रुपये और 2,265-2,390 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 4,175-4,225 रुपये और 3,875-3,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश- 550 रुपये, 550 रुपये और 500 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 12,950 रुपये, 12,700 रुपये और 8,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 5,825-6,150 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 2,150-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में दाम टूटने की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये घटकर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 650 रुपये की गिरावट के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 550 रुपये की गिरावट के साथ 11,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इस साल आईपीओ बाजार में 90 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ जुटाए

मुंबई। आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के साथ, 2024 में आईपीओ के बाजार में भारी चल रही है। इस साल कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से भारी राशि जुटाई है। इस वृद्धि में निवेशकों का भरोसा और नियामकीय ढांचे में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान है। साल के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिये रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 90 आईपीओ आए जिनके जरिये सामूहिक रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। माना जा रहा है कि अगला साल भी आईपीओ के लिए काफी अच्छा रहेगा। आईपीओ के लिए असाधारण रहा यह साल न केवल निर्गम लाने वाली कंपनियों के भरोसे को दर्शाता है, बल्कि इससे निवेशकों के विश्वास का भी पता चलता है। आईपीओ ने न केवल निगमों के भरोसे को बल्कि निवेशकों के विश्वास को भी प्रमाणित किया है। निवेशकों ने सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया है। हुंदै मोटर इंडिया का ऐतिहासिक 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हुआ है। छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों ने साझेदारी जुटाते हुए धन जुटाया है। निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के साथ आईपीओ के बाजार में आने वाले साल में भी तेजी की संभावना है। साल के तैयारी में हैं कंपनियां, जो आईपीओ के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की सोच रही हैं। जब बाजार विश्लेषकों का यह मानना है कि 2025 में आईपीओ से जुटने वाली राशि अब कि आंकड़ों को पार कर सकती है, तो निवेशकों की उम्मीदें और भी ऊंचाई पर चढ़ गई हैं। आगामी साल में भी आईपीओ बाजार ऐसे ही गतिविधियों में आगे बढ़ते रहने की संभावना है।

गरीबों की मदद के लिए चावल पर जीएसटी घटाया: निर्मला सीतारमण

जैसलमेर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद बड़े फैसले किए। उन्होंने घोषित किया कि चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक जीन थेरेपी और एसएएम मिसाइलों के लिए उपयोग होने वाले पुर्जों पर जीएसटी छूट की अवधि भी बढ़ा दी गई है। सभी एसएएम मिसाइलों के निर्माण में उपयुक्त पुर्जों को जीएसटी से छूट दी जाएगी। उन्होंने छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कई और कदम उठाए, जैसे 2,000 रुपये से कम के लेन-देन के लिए छूट देना। वित्त मंत्री ने महसूस किया कि ई-कॉमर्स कंपनियों और खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर जीएसटी को लेकर और चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही, बैठक में और विस्तृत चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री ने उधारकर्ताओं के लिए भी शुल्कों में कई बदलाव की घोषणा की। उन्होंने संशोधन के लिए एक अवधारणा नोट को मंजूरी दी और वस्तुओं की परिभाषा को स्पष्ट करने के उद्देश्य के साथ खुदरा बि के लिए पहले से पैक और लेबल वाली वस्तुओं की परिभाषा में संशोधन किया। इन सभी निर्णयों से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने का निशाना साबित किया है।

घरेलू प्रवासियों की संख्या में कमी आने का अनुमान- ईएसी-पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) की एक रिपोर्ट ने देश में घरेलू प्रवासियों की संख्या में 2011 से 2023 तक 12 प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 11.78 प्रतिशत कम है। ईएसी-पीएम के खास पत्र में इस विषय पर ध्यान दिया गया है। एक पूर्व चेयरमैन ने लिखा है कि यह घटती प्रवासन दर वृद्धि की ओर एक सकारात्मक कदम है। यह बेहतर आर्थिक अवसरों के कारण हो रहा है और इससे देश को आर्थिक वृद्धि में सामर्थ्य मिलेगा। जनगणना 2011 के अनुसार केवल पांच राज्यों में ही कुल प्रवासियों का 48 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें राज्य के भीतरी प्रवासी भी शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपको आर्थिक स्थिति को लेकर यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपने पिताजी से कामों में अच्छा मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे आपके काफी काम बनेंगे। आपको मेहनत से पीछे नहीं हटाना है और अपने आवश्यक खर्चों को कम करने की कोशिश करें। आपको कोई निर्णय जल्दबाजी में लेने से अच्छा है कि थोड़ा सोच विचारकर लें, जिससे बाद में आपको उसके लिए पछतावा नहीं होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई लंबे समय से अटकी हुई योजना पूरी होगी। विद्यार्थी अपने किसी सब्जेक्ट को लेकर यदि टेंशन ले रहे थे, तो उसके लिए उन्हें अपने सीनियर से बातचीत करने की आवश्यकता है। पूजा-पाठ का आयोजन होने से परिजनों का आना जाना लगा रहेगा। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है, नहीं तो वह इसका फायदा उठा सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप कुछ नई चीजों को सीखने की कोशिश करेंगे। बिजनेस में भी आप अच्छा नाम कमाएंगे। आप यदि किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें अपने माता-पिता से आशीर्वाद अवश्य लेकर जाएं। आप किसी नए कारोबार की शुरुआत करने की प्लानिंग कर सकते हैं। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। आपके मन में किसी बात को लेकर शंका रहेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। परिवार के सदस्यों में आपसी मतभेद होने से माहौल तनावपूर्ण रहेगा। आपको अपने कारोबार में चल रही समस्याओं को दूर करने को लेकर अपने भाइयों से बातचीत करनी होगी। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेगी। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आपके इनकम के स्रोत बढ़ेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मेहनत से भरा रहने वाला है। आपको कुछ नजदीकी लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। यदि आपको कोई शुभ सूचना सुनने को मिले, तो आप उसमें तुरंत आगे ना बढ़ाएं। आपको अपने बिजनेस में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। पार्टनरशिप में किसी काम को करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपका कोई सरकारी काम पूरा होने की संभावना है। संतान को आप किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आपको धैर्य और साहस से काम लेने की आवश्यकता है। आप किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेते समय जल्दबाजी न दिखाएं। वरिष्ठ सदस्यों की सेहत को आप पूरा ध्यान दें। किसी के कहने में आकर आप किसी लड़ाई झगड़े में ना पड़े, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं। किसी बात को लेकर टेंशन रहेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। यदि आपका कोई काम रूपए पैसे से संबंधित अटका हुआ था, तब वह भी पूरा हो सकता है। आपको कुछ खास व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपको किसी भूमि व वाहन की खरीदारी करना अच्छा रहेगा। बिजनेस में आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से खुशी होगी। किसी नए प्रोजेक्ट को लेकर यदि कुछ रुकावटें चल रही थी, तो वह भी दूर होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेष करने के लिए रहेगा। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण बनाए रखना होगा। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से खुशी होगी। आपको अपने कामों में सूझबूझ दिखाकर काम करने की आवश्यकता है।

धनु - आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। आपको कोई बड़ा काम हाथ लगने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में भी किसी काम को लेकर कोई पुरस्कार मिल सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने पारिवारिक मामलों में पूरा ध्यान देना होगा। आप खुद को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए कमर कसकर मेहनत करनी होगी। आपको कोई सलाह लेने की आवश्यकता हो, तो किसी अनुभव व्यक्ति से ले। किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करते समय आपको जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान देना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। रूपए पैसे से संबंधित मामले में अपने किसी अजनबी पर भरोसा किया, तो वह आपको उस भरोसे को तोड़ सकता है। बिजनेस में आपको समय देना होगा, नहीं तो आपके सहयोगी आपका कोई भारी नुकसान करवा सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसे आप पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपको किसी कानूनी मामले में जीत मिलेगी। आध्यात्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। परिवार के सदस्य भी कामों में आपका पूरा साथ देंगे। आपको आत्मनिर्भर होकर अपने कामों को करना होगा।

शब्दजाल - 7758

शब्दजाल में दस बेहतरीन फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	क्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

मदर इंडिया,दो बीघा जमीन, आवारा, प्यासा, वक्त, आलमआरा,मुगले आजम, देवदास, हम दिल दे चुके सनम, ब्लैक,

शब्दजाल - 7757 का हल

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6702

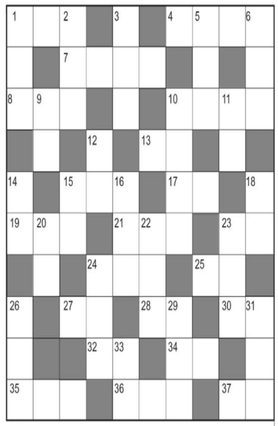

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6701

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8226

बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8225 का हल

म	हा	का	ल		च	र	क	
त	र		ह		कि		ला	क
वा		ह	जा	म	त			सू
ला	य	क		द		ना	सू	र
		ला	वा		व	जु		
ना	प	ना		आ		क	या	स
य			म	हा	न	ता		र
क	था		जा		र		सी	ता
	ल	ल	क		म	हा	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	08.14 बजे से
चंद्र	कन्या में	कुंभ	10.01 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	11.34 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	13.04 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	14.44 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	16.42 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	18.56 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	21.12 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	23.24 बजे से
राहुकाल		तुला	01.34 बजे से
7.30 से 9.00		वृश्चिक	03.49 ब.से
बजे तक		धनु	06.05 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 358 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 17.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 09.09 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 19.54 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 17.08 बजे तदनन्तर तैतिल 06.31 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 26' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872202 **जूलियन दिन** 2460667.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 20 **विशेष** रुक्मिणी अष्टमी, किसान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मनुष्य की पहचान

एक दिन पंडित ताराचरण शास्त्रार्थ करने के लिए स्वामी दयानंद के पास पहुंचे। उस समय दयानंद जमीन पर एक आसन पर बैठकर कुछ लिख रहे थे। उन्होंने ताराचरण को अपने पास के एक आसन पर बैठने को कहा। ताराचरण विद्वान थे किंतु उन्हें इस बात का बेहद अभिमान था। वह स्वामी दयानंद को अपने से निम्न मानते थे। स्वामी दयानंद ने जब उन्हें जमीन पर रखे आसन पर बैठने को कहा, तो उन्होंने इसे अपना अपमान समझा। उन्हें लगा कि वह तो सर्वश्रेष्ठ हैं इसलिए उन्हें हर लिहाज से स्वामी दयानंद से ऊंचा आसन मिलना चाहिए। वह भला नीचे के आसन पर बैठ कर अपना स्तर कम कैसे कर सकते हैं? वह खड़े रहे। स्वामी दयानंद पंडित ताराचरण के मनोभाव को समझ गए। उन्होंने कहा, 'पंडित जी, मात्र ऊंचे आसन पर बैठने से कोई महान नहीं होता। यदि ऐसा होता तो सामने ऊंचे वृक्ष पर बैठा कौवा सबसे अधिक पूज्य व महान होता।' संयोगवश उस समय सामने के वृक्ष पर एक कौवा बैठा भी हुआ था। कौवे की ओर इशारा करके स्वामी दयानंद फिर बोले, 'महानता तो त्याग, परोपकार, विनम्रता जैसे गुणों से तय होती है। व्यक्ति गुणों से महान समझा जाता है उच्च स्थान पर बैठने से नहीं। यदि हमारे अंदर गुण हैं तो हम नीचे बैठने पर भी उतने ही विद्वान रहेंगे और यदि हमारे अंदर बुराइयां हैं तो हम उच्च स्थान पर बैठकर भी बुरे समझे जाएंगे।' स्वामी दयानंद की यह बात सुनकर पंडित ताराचरण लज्जित हो गए और उनके बगल वाले आसन पर बैठ गए।

सूडोकु नवताल- 7011

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7010 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों का मार्केट कैप 4.95 लाख करोड़ घटा

मुंबई । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 4,95,061 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई है। शेयर बाजार में मंदड़ियों के रुख के बीच टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। बीते सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,10,550.66 करोड़ रुपये घटकर 15,08,036.97 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 91,140.53 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 16,32,004.17 करोड़ रुपये, पर आ गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 76,448.71 करोड़ रुपये घटकर 13,54,709.35 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की 59,055.42 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 8,98,786.98 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 43,909.13 करोड़ रुपये घटकर 7,25,125.38 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 41,857.33 रुपये घटकर 9,07,449.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 32,300.2 करोड़ रुपये घटकर 7,98,086.90 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 20,050.25 करोड़ रुपये घटकर 5,69,819.04 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 12,805.27 करोड़ रुपये घटकर 5,48,617.81 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 6,943.5 करोड़ रुपये घटकर 5,81,252.32 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

भारत में एसआईपी में अच्छी वृद्धि, बढ़ा विश्वास

मुंबई । भारत में एसआईपी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में शुद्ध प्रवाह 233 फीसदी (सालाना आधार) बढ़ा है। इसका मुख्य कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन में वृद्धि और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में स्थिरता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से नवंबर तक कुल एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 233 प्रतिशत की वृद्धि है। नवंबर में रजिस्टर्ड नए एसआईपी की संख्या 49.47 लाख हो गई है, जो 2023 में 30.80 लाख थी। एसआईपी एयूएम ने नवंबर में 13.54 लाख करोड़ रुपये के अंडर मैनेजमेंट रखा, जो पिछले साल के 9.31 लाख करोड़ के मुकाबले है। भारतीय म्यूचुअल फंड (एमएफ) इंडस्ट्री ने भी शुद्ध प्रवाह में 135 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी है। विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति के साथ, आने वाले वर्षों में उद्योग में गुना-गुना वृद्धि की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग में भी उम्मीदें हैं कि निवेशकों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। शुद्ध एयूएम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जिसके साथ नवंबर में एयूएम पहुंचा 68.08 लाख करोड़ रुपये पर। इक्विटी कैटेगरी के लार्ज कैप फंड में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, जो नवंबर में लगभग 731 प्रतिशत बढ़कर 2547.92 करोड़ रुपये हुआ है। भावनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो, भारतीय अर्थव्यवस्था का उछाल निवेशकों के बीच नया जोश और विश्वास पैदा कर रहा है। आने वाले दिनों में उद्योग में और भी बढ़ोतरी की संभावना है जिससे निवेशकों को अच्छे रिटर्न की संभावना है।

वैश्विक रुझान, एफआईआई की गतिविधियां तय करेंगी शेयर बाजार की दिशा - विश्लेषक

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

देवनदी पुल के मार्ग पर बने जानलेवा गड्ढों से मंडरा रहा दुर्घटनाओं का खतरा

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवगांव मे देवनदी के पुल के मार्ग पर बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे बन जाने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। बताएं कि प्रशासन द्वारा करोड़ों रुपयों की लागत से देवनदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य करवाया गया है। किन्तु पुल से मार्ग को जोड़े जाने पर डामरीकरण सड़क भी बनाई गई है किंतु इस सड़क पर कार्य गुणवत्ता युक्त नहीं किए जाने से मार्ग पर जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे निर्मित हो गए हैं। और प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों की आवाजाही होने से अक्सर तेजरफ्तार वाहन अनियंत्रित हो जाते है और ऐसे में किसी भी समय गंभीर दुर्घटनाओं के होने का खतरा मंडराते रहता हैं। यहां यह भी बताना लाज़मी है कि इस मार्ग से रोज़ाना प्रशासनिक अधिकारियों की आवाजाही रहती हैं किंतु ये अधिकारी भी इस गंभीर मामले पर अपनी आंखे बंद कर रखे हुए है। इस विषम परिस्थिति मे जनहित के मद्देनजर क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने संबंधित विभाग से यथा शीघ्र मरम्मत कार्य करवाएं जाने की मांग की है।

बिना अनुमति फ्लेक्स में फोटो लगाने को लेकर पूर्व सरपंच ने पुलिस में की शिकायत

झलांजी (पद्मेश न्यूज)। अपनी राजनीति चमकाने एवं प्रचार पाने के लिए चौक चौराहों पर फ्लेक्स बेनर लगाना एक चलन सा बन गया है, किन्तु बिना अनुमति के फ्लेक्स पर लगी फोटो परेशानी का सबब बन सकती है। ऐसा ही मामला नगर के सुभाष चौक पुलिस थाने के समीप लगे फ्लेक्स को लेकर निर्मित हुआ है। जिसको लेकर बिसोनी के पूर्व सरपंच विजयवारे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विजय वारे ने शिकायत में बताया कि दिलीप पंचेश्वर निवासी बड़गांव-क द्वारा मेरी एवं अन्य लोगों की बिना अनुमति के लांजी थाना परिसर गेट के पास एक लम्बा-चौडा फ्लेक्स बनाकर लगाया गया है। जिससे मेरी एवं अन्य साथियों की सामाजिक एवं राजनीतिक छबि धूमिल हो रही है तथा आम लोगों के द्वारा फोन लगाकर मुझे पूछा जा रहा है। आपके नाम का फ्लेक्स फोटो लगा हुआ है तथा आपके साथियों की भी फोटो लगी हुई है। आप किस तरह दिलीप पंचेश्वर के साथ प ?लेक्स, बेनर फोटो सहित लगवाये हैं। जबकि अनावेदक के द्वारा फ्लेक्स बनाने के पूर्व मेरी सहमति नहीं ली गई और न ही मेरे सहयोगियों की सहमति ली गई। जिससे मुझे सामाजिक एवं राजनीतिक आघात पहुंचा है। आवेदक विजय वारे ने पुलिस से अनावेदकगणों के विरूद्ध कॉपी राईट एक्ट तथा मेरे एवं मेरे सहयोगियों की सामाजिक एवं राजनीतिक छबि को धुमिल करने के आरोप में अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

टेमनी में 25 से 6 दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत टेमनी चौदाटोला में 25 से 31दिसंबर तक 6 दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले कबड्डी प्रतियोगिता टेमनी चौंदाटोला के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11 हजार 111 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 5 हजार 555 रुपए एवं तृतीय पुरस्कार 3 हजार 333 रुपए तथा शिल्ड आयोजक समिति की ओर से प्रदान की जावेगी। इसके अतिरिक्त बेस्ट रेडर ऑफ टुर्नामेंट, बेस्ट डिफेंन्डर ऑफ टूर्नामेंट भी प्रदान किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता टेमनी चौंदाटोला के बाजार चौक में आयोजित की जावेगी। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे जिला पंचायत सदस्य, विशेष अतिथि श्रीमती कविता महेश मात्रे जनपद सदस्य, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती सुनीता लक्ष्मण कावरे सरपंच ग्राम पंचायत टेमनी, विशेष अतिथि डॉ अमृत मेश्राम पूर्व जनपद अध्यक्ष, लोकराम नगफासे, शिवराम कावरे, चैतराम मरठे, अशोक सिंह चंदेल, देवीलाल दोनाडकर, सोहन लाल सिल्हारे, फूलचंद कावरे, उपसरपंच ग्राम पंचायत टेमनी तथा समस्त पंचगण एवं आयोजक समिति की उपस्थिती में आयोजित होगा। प्रतियोगिता का समापन 31 दिसम्बर को रात्रि 7 बजे विधायक राजकुमार करहि के मुख्यातिथ्य में एवं पूर्व विधायक हिना कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना रेवेंद्र खोंगल लांजी, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे देवेंद्र खोंगल पूर्व जनपद अध्यक्ष लांजी श्रीमती सुनीता लक्ष्मण कावरे सरपंच टेमनी, अशोक चंदेल उपसरपंच, दिलीप कावरे, धनराज नागफासे के अतिथ्य में संपन्न होगा। आयोजक समिति से अध्यक्ष महेश मात्रे, उपाध्यक्ष अरुण गेडाम, सचिव डॉ प्रदीप पंचाले, कोषाध्यक्ष खेमलाल मात्रे, सहसचिव जितेंद्र कावरे एवं समस्त सदस्यो के द्वारा समस्त कबड्डी एवं खेल प्रेमियों से उक्त स्थल पर पंहुचकर प्रतियोगिता का आनंद प्राप्त करने का आग्रह किया है। जिन टीमो को प्रतियोगिता में भाग लेना है वह आयोजक समिति से प्रतियोगिता प्रारंभ होने के पूर्व संपर्क कर सकती है।

आवारा कुत्ते ने हमला कर 5 लोगों को किया घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में आवारा कुत्तो का खासा आतंक देखा जा रहा है नगर के गली मोहल्लो में आवारा कुत्ते आवागमन कर रहे लोगो पर हमला कर रहे है। कई स्थानो पर कुत्तो का झूंड दिखाई देता है तो कुछ गली मोहल्ले में एक या दो कुत्ते ही हमला करते दिखाई देते है जिसके चलते नगर वासी खासे परेशान है। 22 दिसंबर को आवारा एक लाल रंग के कुत्ते ने आतंक मचाया जिसमे बच्चो सहित बडे लोगो को पर हमला कर 5 लोगो को घायल किया है जिनका उपचार सिविल अस्पताल लांजी में किया गया। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 दिसंबर दिन रविवार दोपहर करीब 3 बजे एक लाल रंग के आवारा कुत्ते ने सबसे पहले लांजी के सुभाष चौक में भक्कूटोला निवासी लक्ष्मण पंद्रे को काटा, इसके पश्चात

नगर के सुन्दरटोला निवासी 8 वर्षीसय बालक गणेश पीपरे को काटा, इसके उपरांत कुत्ता साप्ताहिक बाजार स्थल पंहुचकर यहां ईट भट्टे मे कार्य करने वाले मजदूर के 7 वर्षीय बालक दीप कुमार निवासी दमोह को काटा, वहीं कुत्ता बाजार चौक चावड़ी पंहुचकर यहां पर पौसेरा निवासी राजेश सोनवाने एवं बिंझलगांव निवासी प्रमोद सांवरिया को काट लिया ये सभी कुत्ते के काटने से घायल होकर सिविल अस्पताल लांजी पंहुचे जहां उपस्थित डाक्टर एवं स्टाफ के द्वारा प्राथमिक उपचार आदि कर एंटी रैबीज इंजेक्शन घायलो को लगाया गया। वहीं इस संबध में यह भी कहना सामने आया है कि नगर परिषद के द्वारा कुत्तो के आतंक को लेकर कार्यवाही की जानी चाहिये इन कत्तो को पकड़कर जंगल आदि मे छोडा जाये ताकि ये लोग नगर में अपना आतंक ना फैलाये और इनसे बच्चे, बडे, बुजूर्ग भयभीत ना हो पाये।

शासन के एक वर्ष की उपलब्धि विशेष

स्वरोजगार योजनाओँ से युवाओं को मिलें सुनहरे अवसर

किसी ने पर्स, हैंड बैग तो किसी ने कार श्रृंगार की शॉप में लगाया मन, कटंगी के अमन और वारासिवनी के लोकेश की आर्थिक प्रगति में योजनाओं की रही भूमिका

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। केंद्र और राज्य शासन द्वारा अनेकों स्वरोजगार योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ लेकर जिले के युवा न सिर्फ परिवारों की आर्थिक प्रगति कर रहे है। बल्कि युवा अपने सपने भी पूरे कर रहे है। शासन के नगरीय विकास विभाग द्वारा स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पीएम स्वनिधि, स्ट्रीट वेंडर और व्यक्तिगत ऋण के माध्यम से अवसर प्रदान किये गए है। कटंगी नपरि के अमन शर्मा और वारासिवनी नपा के लोकेश कसारे उन युवाओं में से है। जिन्होंने योजनाओँ के माध्यम से अपने परिवार की आमदनी की जुगाड़ के साथ ही अपने सपने भी पूरे करने का काम किया है। कटंगी के अमन को लेदर बैग की शॉप और लोकेश ने कार श्रृंगार सेंटर के द्वारा अपनी रोजीरोटी के साथ ही अच्छी कमाई का जरिया बनाया है। अमन को स्वरोजगार ऋण के द्वारा 1 लाख रुपये और लोकेश को 1 लाख 80 हजार रुपये का स्वरोजगार ऋण मिला। इसके बाद दोनों ने अपने विचार और हुनर से सामान खरीदने के साथ नवाचार करते हुए उपभोक्ताओं की पसंद का ख्याल करते हुए अपना व्यापार ब ?ाने पर जोर दिया। शासन की एक वर्ष की उपलब्धि पर अमन और लोकेश की कहानी।

अच्छी सामग्री ललचाती है उपभोक्ताओं को

30 वर्षीय कक्षा 12 वी पास अमन शर्मा ने बताया कि उनके पिता एक पान की दुकान चलाया करते थे और वे मजदूरी की तौर पर चुना बेचने का काम करते थे। पिता की मृत्यु के बाद वे उसी दुकान में बैग का व्यवसाय प्रारम्भ किया। शुरुआत में ठीक ही काम रहा। लेकिन कुछ कमी लगती रहीं, मगर पर्याप्त रुपये नही होने से अपनी महत्वकांक्षा को दबाए रहें। परंतु इसी वर्ष जुलाई में उन्हें नगर परिषद द्वारा उन्हें स्वरोजगार योजना के माध्यम से 1 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। इसके बाद अमन ने नवाचार करते हुए लेदर, स्कूल,लंच, ट्रॉली बैग के साथ ही अलग अलग वैरायटी के पर्स खरीद कर लाएं। इसमें उन्होंने लुभावने पर्स लाना शुरू किया। बस व्यापार चलने लगा तो रेडीमेड कपड़े और फिर आसपास मंदिर होने से पूजन सामग्री भी रखने लगे। पूजन सामग्री में मूर्तियों की वेशभुषाये भी शामिल की। इसके अलावा अमन ने राखी, होली और दीपावली जैसे हर त्योहार, पर्व व तीज के लिए सामग्री रखते है। आज वे 30 हजार से अधिक राशि हर माह कमाई कर रहे है।

लोकेश ने कार श्रृंगार में भविष्य संवारा

वारासिवनी के 22 वर्षीय लोकेश अपने व्यापार के साथ ही पढ़ाई पर भी ध्यान दे रहे है। साथ ही वे अपने कार श्रृंगार सेंटर से 4 से 5 हजार रुपये की प्रतिदिन की कमाई कर रहे है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस कार्य को पूरे शौक के साथ कर रहे है। उन्हें जब नगर पालिका द्वारा 1 लाख 80 हजार रुपये का स्वरोजगार मिला तो कार श्रृंगार के लिए सामान खरीदा। वही पिता श्यामलाल कसार को पीएम स्वनिधि योजना में 50 हजार रुपये का ऋण मिला तो उन्होंने रेडियम और मूर्ति के कार्य को बढ़ाया।

दो नगरीय निकायों में 3611 जरूरतमंदों को मिला पीएम स्वनिधि का लाभ

नगरीय निकायों में कार्यरत ऐसे युवक युवती या व्यावसायी जो अपने व्यापार को बढ़ाना चाहते है। उन्हें पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से 10, 20 और 50 हजार रुपये का बिना ब्याज पर ऋण प्रदान किया जाता है। कटंगी नपरि द्वारा इस एक वर्ष में अबतक प्रथम चरण या 10 हजार रुपये के ऋण से 1415 को 20 हजार रुपये से 439 और 50 हजार रुपये से 73 नागरिको को लाभान्वित किया गया है। वारासिवनी नगर पालिका में 10 हजार रुपये से 1223 को, 20 हजार रुपये से 397 और 50 हजार रुपये के ऋण से 64 नागरिको को लाभ दिया गया है।

पुलिस ने चालानी कार्रवाई कर 8 लोगों से वसूले 2400 रूपए

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी पुलिस के द्वारा लगातार वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन पर यातायात नियमों का पालन नही करने वालों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जा रही है। बतादे कि आज भी लोग वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करते नही दिखाई दे रहे है ना तो मोटर सायकल सवार हेलमेट का उपयोग करते है और ना ही चौपहिया वाहन चालक सीटबेल्ट सहित अन्य नियमों का पालन करते है। वाहनो के दस्तावेज साथ मे नही रखना, पीयूसी, फिटनेस वाहनो के नही होना, कई वाहन बगैर बीमा के ही सड़को पर दौड़ रहे है ऐसे अनेक कारण है जिसके चलते पुलिस एवं यातायात विभाग को मार्गो पर खड़े रहकर जांच करना पड़ता है और चालानी कार्यवाही की जाती है ताकि वाहन चालक नियमों का पालन करे। इसी कड़ी में 22 दिसंबर को लांजी पुलिस के द्वारा पुलिस अधीक्षक नगेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में, एसडीओपी अंजुल अयंक मिश्रा के दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी के नेतृत्व में लांजी आमगांव मार्ग पर पालडोंगरी हुडकी पहाड़ी के समीप मार्ग पर अस्थाई बैरिकेट लगाकर आवागमन कर रहे वाहनो की जांच करते हुये सभी आवश्यक जानकारी ली गई, वाहनो के बीमा, फिटनेस, पीयूसी, हेलमेट, सीट बेल्ट सहित अन्य जांच करते हुये लगभग 8 वाहनो पर चालानी कार्यवाही कर 2400 रूपये शुल्क वसुला गया तथा सभी को समझाईश दी गई कि यातायात नियमों को पालन करे। इस दौरान एएसआई तोपसिंह उइके, राजेश जंघेला, जयसुर्या वर्मा, राजेश कुर्राम, सुधीर चौधरी, प्रीति प्रजापति आदि पुलिस बल उपस्थित रहा।

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बसपा कल पैदल मार्च कर सौंपेगी ज्ञापन

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। बहुजन समाज पार्टी जिला बालाघाट के तत्वाधान में दिनांक 24/12/2024 को विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस संबंध मे जानकारी देते हुए बसपा जिलाध्यक्ष इंजी. महेन्द्र ने बताया कि संसद के अंदर केंद्रीय गृहमंत्री भाजपा नेता श्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डॉ,भीमराव अंबेडकर जी पर अमर्यादित एवं अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में राष्ट्रपति महोदय जी के नाम जिलाधीश महोदय को ज्ञापन दिया जाएगा । इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं व शुभचिंतकों से अपील है कि परम पूज्य डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के सम्मान में बीएसपी द्वारा इस विरोध प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में दिनांक 24 दिसंबर 2024 को पैदल मार्च प्रात: 11:00 बजे डॉ अंबेडकर चौराहा बालाघाट से निकाल कर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

'टैक्स' से मप्र सरकार को हो रही भरपूर कमाई

- पेट्रोल-डीजल और शराब ने संभाली अर्थव्यवस्था

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में भले ही पिछले पांच वर्षों के दौरान बड़ी गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन आम लोगों को महंगे पेट्रोल-डीजल के दामों से कोई राहत नहीं मिली है। लेकिन इन पांच वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों ने पेट्रोल डीजल पर टैक्स लगाकर अपना खजाना जरूर भर लिया है। मप्र सरकार की शुरुआती छह महीने (अप्रैल से सितंबर) में पिछले पांच सालों की तुलना में कमाई अच्छी हुई है।

पेट्रोल-डीजल और शराब ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बड़ा संबल दिया है। पेट्रोल-डीजल पर वैट और शराब बिक्री पर एक्साइज ड्यूटी से पिछले साल की तुलना में 1802 करोड़ रुपए ज्यादा मिले हैं, इन ज्यादा प्राप्तियों से लाड़ली बहना योजना का डेढ़ महीने का भुगतान हो सकेगा। केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदार से भी प्रदेश को छह महीने पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा मिले हैं, लेकिन केंद्र से

मिलने वाले अनुदान में 4 हजार करोड़ की कमी आई है। इससे यह बढ़त 3 हजार करोड़ ज्यादा तो है, लेकिन कर्मचारियों के बढ़े हुए डीए पर आया खर्चा इसमें सेंध लगा रहा है।

एसजीएसटी से 17023 करोड़ मिल

राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) के वर्ष 2024-25 में पहले छह महीने में 17023 करोड़ मिले हैं जो इसी अवधि में पिछले साल 19481 करोड़ मिले थे। यह कमी 12.61 प्रतिशत है। फरवरी में आने वाले बजट में यह कमी बनी रहेगी। इसकी वजह वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था के तहत अंतर्गत राज्यो के करों में कमी आने की जो व्यवस्था केंद्र ने थी वह जून 2022 तक ही थी। इसलिए यह कमी बनी रहेगी। इस कमाई से होगा लाड़ली बहना योजना का डेढ़ महीने का भुगतान। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अप्रैल से सितंबर के बीच सरकार की आमदनी का खांका इस तरह रहा है। इसमें उल्लेखनीय राज्य सरकार के करों में उसे पिछले साल से 6 हजार करोड़ रुपए ज्यादा मिल रहे हैं, यह वृद्धि भी 8.14 प्रतिशत है, लेकिन कुल राजस्व प्राप्तियां इस साल 1 लाख 6 हजार करोड़ रुपए थी जो पिछले साल 1 लाख 3 हजार करोड़ रुपए थी. इसलिए यह वृद्धि 2.24 प्रतिशत ही है। इसमें केंद्र से प्राप्त केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी और केंद्र से सहायता प्राप्त अनुदान का हिस्सा 80 प्रतिशत तक है।

शराब नहीं, ईंधन से बढ़ा राजस्व

राज्य में शराब की खपत हर साल 21 प्रतिशत सालाना बढ़ रही है, लेकिन उससे राजस्व की सालाना वृद्धि 19.54 प्रतिशत ही रही। इसकी तुलना में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में बढ़ोतरी 7 प्रतिशत से भी कम रही, लेकिन इससे खजाने में हर साल 34 प्रतिशत ज्यादा पैसा आ रहा है। सरकार के अपने आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं। खास बात यह है कि सरकार को पेट्रोल-डीजल की टैक्स वसूली के लिए अपना अमला नहीं लगाना पड़ता। तेल कंपनियां खुद ही यह टैक्स एकत्र करके सरकार के खजाने में जमा करा देती हैं। लेकिन शराब समेत दूसरे मदों में राजस्व उगाही का जिम्मा सरकार के विभागों का होता है। जानकार कहते हैं कि सरकार अपने अमले के जरिए शराब समेत दूसरे मदों में आय नहीं बढ़ा पा रही है। इसका खामियाजा आम आदमी को पेट्रोल-डीजल के बढ़े दाम देकर चुकाना पड़ रहा है।

व्यापम महाघोटाले को लेकर प्रदर्शन करने के मामले में सभी कांग्रेसी नेता दोषमुक्त

भोपाल। व्यापम महाघोटाले के खिलाफ प्रदर्शन करने पर दर्ज किए गए मामले में कोर्ट ने सभी कांग्रेस नेताओ को दोषमुक्त करार दिया है। फैसले को लेकर एमपी कॉग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि यह न्याय की जीत है, हमे भ्रष्टाचार में लिप्त माफ़ियाओ के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ने से रोकने के लिए भाजपा सरकार प्रदेश की पुलिस का लगातार दुरुपयोग कर रही है। और हम आम जनता के हक की लड़ाई लड़ने के अपने संकल्प पर डटे रहेंगे। जानकारी के अनुसार जुलाई 2015 में व्यापाम महाघोटाले को लेकर तत्कालीन सीएम और गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन किया था। इसे लेकर हबीबगंज थाने में पूर्व विधायक कुणाल चौधरी, कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, और एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ,अमित शर्मा ,अंकित रघुवंशी समेत अन्य नेताओं पर धारा 147 एवं 353 (लोक सेवक को उनके कर्तव्य पालन में बाधा डालना) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में कोर्ट ने सभी 11 कांग्रेस नेताओं को दोषमुक्त करार दिया है। विवेक त्रिपाठी ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने व्यापम घोटाले की निष्पक्ष जांच और लगातार हो रही संदिग्ध मौतों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की थी। घोटाले के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से तत्कालीन शिवराज सरकार ने कांग्रेस नेताओं को झूठे मामलों में फंसाया था, लेकिन सभी झूटे आरोपों को न्यायलय ने असत्य पाया, कोर्ट का फैसला कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के संकल्प और सत्यनिष्ठा का प्रमाण है।

भोपाल के बाहर भी है पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा का कालेधन का कारोबार

भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा पर लोकायुक्त और आयकर विभाग की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी है। कार्रवाई के दौरान करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। वहीं, कई नई चीजें भी निकल कर सामने आ रही हैं। सौरभ शर्मा का कालेधन का कारोबार भोपाल ही नहीं मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में फैला है। उसमें कई बड़े रसूखदारों के हिस्सेदारी की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस अभी उन नामों का खुलासा नहीं कर रही है, जांच जैसे जैसे आगे बढ़ेगी वैसे वैसे यह नाम सामने आएंगे। शर्मा के घर मिले बेनामी संपत्तियों के दस्तावेजों के आधार पर उनके मालिकों से भी पूछताछ कर असल मालिक का पता लगाया जाएगा।

लोकायुक्त की छापेमारी में सौरभ शर्मा ललितपुर-राजगढ़ बांध परियोजना में मत्स्य पालन का काम कर रहा है। लोकायुक्त पुलिस ने अब इस काम के लिए पैसा कितना लगाया और वह कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी है। साथ ही शाहपुरा बी सेक्टर में 20 हजार वर्ग मीटर जमीन पर जयपुरिया नाम से बन रहे स्कूल की जमीन एक समिति के नाम पर है। इसमें उसके साथ काम करने वाले चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल जैसे लोग भी सदस्य हैं। 2002 में बनी इस समिति की जानकारी भी खंगाली जा रही है।

गाड़ी मेरे नाम पर, उपयोग सौरभ करता है

लोकायुक्त की पूछताछ में उसके साथी चेतन सिंह गौर ने बड़ा खुलासा किया है। सूत्रों के अनुसार चेतन सिंह गौर ने पूछताछ में कबूल किया है कि गाड़ी उसके नाम पर है, लेकिन उसका उपयोग सौरभ करता था।

परिजनों और परिचितों को भी आरोपी बनाने की तैयारी

अब लोकायुक्त सौरभ शर्मा के घर मिले प्रॉपर्टी के दस्तावेजों के आधार पर उसके परिजनों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को भी बेनामी संपत्ति मामले में आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है। लोकायुक्त अब संबंधित लोगों को उनकी आय के स्त्रोत को लेकर पूछताछ करेगी। इसके लिए उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

बता दें, गुरुवार की रात को भोपाल के समीप एक गांव में आरटीओ लिखी और दो हूटर लगी इनोवा कार से इनकम टैक्स की टीम ने 52 किलो सोना और करीब 10 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं। यह कार सुनसान इलाके में लावारिस खड़ी हुई थी। कार में मिला सोना और नकदी सौरभ शर्मा का ही होने का शक जताया जा रहा है। अभी तक की जांच में पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा के पास से 234 किलो चांदी, 2 करोड़ 85 लाख रुपये नगद, 50 लाख सोने के जेवरात, ब्रांडेड घड़ियां, हीरे की अंगुठी अलावा कई करोड़ों रुपये की जमीन के दस्तावेज और रजिस्ट्रियां मिली हैं।

पूर्व सीएस इकबाल ने किया पद का दुरुपयोग

भोपाल में छापेमारी पर बोले उप नेता प्रतिपक्ष : ग्रीन बेल्ट में बन रही कॉलोनी से लगी है बैंस परिवार की जमीन

भोपाल। भोपाल में इनकम टैक्स और लोकायुक्त की छापेमारी पूरे देश में चर्चा में है। कांग्रेस ने भोपाल की त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कम्पनी के मालिक राजेश शर्मा के घर पर हुई छापेमारी के मामले पर पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस पर पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि राजेश शर्मा तो छोटी सी मछली है। इसके पीछे पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस मास्टमाइंड हैं। हेमंत कटारे ने राजेश शर्मा को इकबाल सिंह का पपेट बताया।

कटारे ने कहा कि 100 करोड़ रुपए की राशि तो राजेश शर्मा एक छोटी सी मछली से जब्त किए हैं। बड़े-बड़े मगरमच्छ इकबाल सिंह बैस, पूर्व ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर, वर्तमान परिवहन मंत्री और कई अधिकारियों की जांच हो तो यह राशि कम-से-कम 20 हजार करोड़ रुपए की होगी। हेमंत कटारे ने आरोप लगाए कि मुख्य सचिव रहते हुए इकबाल सिंह ने पद का दुरुपयोग किया। बैंस ने अपने करीबियों को फायदा पहुंचाने वाली कई परमिशनें दीं। कटारे ने बीजेपी को घेरते हुए कहा कि बीजेपी का वादा था कला धन लाने का। कला धन तो नहीं आया। मध्य प्रदेश में पीला धन आ गया गोल्ड बिस्किट के रूप में।

इकबाल और राजेश का गठजोड़

हेमंत कटारे ने कहा कि इकबाल सिंह बैस और राजेश शर्मा के बीच गठजोड़ है। दोनों के पारिवारिक और व्यावसायिक संबंध हैं। कटारे ने बताया कि ग्राम सेवनिया गौड में सेंट्रल पार्क प्रोजेक्ट चल रहा है। कुणाल बिल्डर्स के इस प्रोजेक्ट में राजेश शर्मा का ज्वाइंट वेंचर है। कटारे ने इस प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भोपाल की सुंदरता और मास्टर प्लान को ताक पर रखा जा रहा है। ऐसी जगह पर इकबाल सिंह बैस और उनके परिवार के लोगों की संपत्तियां है।

झील से 30 मीटर की दूरी पर कंस्ट्रक्शन हो रहा

हेमंत कटारे ने झील और आसपास के इलाके का नक्शा दिखाते हुए बताया कि जहां इकबाल सिंह और उनके परिवार जनों की जमीन है। वहां झील से 30-40 मीटर पर ही कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। बाकी शहर में झील से 300 मीटर की दूरी पर भी कंस्ट्रक्शन नहीं होता है। कटारे ने आगे कहा कि, इकबाल सिंह बैस के संरक्षण से ये चल रहा है। झील के आसपास सब जगह ग्रीन बेल्ट है पर ग्राम सेवनिया गौड में झील के पास ग्रीन जोन नहीं है।

10 साल में कई घोटालों के आरोप लगाए

हेमंत कटारे ने पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस पर 10 साल के कार्यकाल के दौरान कई घोटालों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लो डेंसिटी एरिया में धारा 61 के तहत प्लाटिंग की परमिशन नहीं मिल सकती है। अपने कार्यकाल के दौरान इकबाल सिंह बैस ने ये परमिशन दिलाई। स्क्वेअर जितना होता है उससे दुगने से ज्यादा की परमिशन दिलाई। इसके अलावा कटारे ने आरोप लगाए कि राजेश शर्मा के कुणाल बिल्डर्स से ज्वाइंट वेंचर होने के बाद, जो परमिशन सालों साल नहीं मिल रही थी एक महीने में दिलाई। कटारे ने इन सभी की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि राजेश शर्मा की संपत्ति की जांच होनी चाहिए कि कही ये इकबाल सिंह के काले कारनामों से अर्जित संपत्ति तो नहीं है। हेमंत कटारे ने कहा कि ये सिर्फ एक मामला नहीं है। इंदौर में भी कई घोटाले हुए। भोपाल में जहां इकबाल सिंह का इंटरेस्ट था वहां का लैंड यूस बदल दिया गया। इसके कागज आने पर प्रस्तुत करेंगे। जैसे ही राजेश शर्मा के यहां इनकम टैक्स के छापे पड़े उसके तुरंत बाद ही सौरभ शर्मा के तथ्य निकले। राजेश शर्मा के घर से कुछ ऐसे तथ्य निकले होंगे जो सौरभ, इकबाल से जुड़ रहे होंगे।

मप्र में ठंड के बीच आज से बारिश का अलर्ट

भोपाल । कड़ाके की ठंड का दौर खत्म होने के बाद अब मध्यप्रदेश में बारिश का सिस्टम एक्टिव हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो 23 दिसंबर से प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। इससे भोपाल, इंदौर-जबलपुर के साथ उज्जैन और ग्वालियर संभाग भी भींगेंगे। ऐसा वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से होगा।

प्रदेश में दिसंबर में बारिश का ट्रेंड भी है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, 23 दिसंबर से बारिश का दौर रहेगा। पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश होगी। इस वजह से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी और हो जाएगी, लेकिन सिस्टम के गुजरने के बाद सर्दी फिर से तेज हो जाएगी।

नर्मदा किनारे रोपे गए पौधों में से 50 प्रतिशत नष्ट

भोपाल। तकरीबन 7 साल पहले तत्कालीन शिवराज सरकार में नर्मदा नदी के किनारे 7.25 करोड़ पौधे लगाए गए थे। इनमें से आधे पौधों ने दम तोड़ दिया है। पौधा रोपण के इस अभियान में वन विभाग के अलावा ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, उद्यानिकी, वन विकास निगम और जन अभियान परिषद सहित सात अन्य विभागों ने पौधरोपण किया था। लेकिन उचित देखभाल के अभाव में 50 प्रतिशत पौधे नष्ठ हो गए हैं। गौरतलब है कि नर्मदा कैचमेंट एरिया में 2 जुलाई 2017 में अलग-अलग जिलों में एक ही दिन में सवा 7 करोड़ पौधे रोपे गए थे। अब इनमें से कितने जीवित हैं इसका सत्यापन वन विभाग ने नहीं कराया है। इसकी कोई जानकारी भी विभाग के पास नहीं है। वन विभाग ने सिर्फ विभागीय योजनाओं के तहत रोपे गए 3.32 करोड़ पौधों की जीवितता का सत्यापन कराया है। इनमें से भी 48.58 प्रतिशत पौधे मर गए और केवल 51.42 प्रतिशत जीवित बचे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधायक मधु भगत के प्रश्न पर वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि 2 जुलाई 2017 को तत्कालीन सीएम ने नर्मदा कैचमेंट में एक ही दिन में सवा सात करोड़ पौधे रोपने का दावा किया था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधायक मधु भगत के प्रश्न पर वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया है कि प्रदेश में जितने पौधे रोपे गए हैं, उसमें से आधे ही जीवित हैं। वन विभाग के अनुसार 2 जुलाई 2017 को कुल रोपित पौधों की संख्या 33237026 हैं।

मप्र वन क्षेत्र में देश में शीर्ष पर

भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023 जारी- सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्य का स्थान बरकरार

भोपाल। मप्र वन क्षेत्र में पूरे देश में शीर्ष स्थान पर है। यह जानकारी जारी भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023 में सामने आई है। भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023 के अनुसार, मध्यप्रदेश ने एक बार फिर देश में सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्य का स्थान बरकरार रखा है। राज्य का कुल वन और वृक्ष आवरण 85,724 वर्ग किलोमीटर है, जो देश में सबसे अधिक है। इसके साथ ही वनावरण क्षेत्र 77,073 वर्ग किलोमीटर के साथ मध्यप्रदेश अग्रणी है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023' का विमोचन किया। यह रिपोर्ट उपग्रह आंकड़ों और फील्ड इन्वेंट्री के माध्यम से देश के वन और वृक्ष संसाधनों का व्यापक आंकलन करती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण 8,27,357 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के 25.17 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को कवर करता है।

वन-वृक्ष आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि

वनावरण का क्षेत्रफल 7,15,343 वर्ग किलोमीटर (21.76 प्रतिशत) और वृक्ष आवरण का क्षेत्रफल 1,12,014 वर्ग किलोमीटर (3.41प्रतिशत) है। वर्ष- 2021 की तुलना में वन और वृक्ष आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें वनावरण में 156 वर्ग किलोमीटर और वृक्ष आवरण में 1,289 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि शामिल है। क्षेत्रफल के आधार पर सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्यों में मध्यप्रदेश (85,724 वर्ग किलोमीटर), अरुणाचल प्रदेश (67,083 वर्ग किलोमीटर) और महाराष्ट्र (65,383 वर्ग किलोमीटर) शामिल हैं। वनावरण के संदर्भ में भी मध्यप्रदेश (77,073 वर्ग किलोमीटर), अरुणाचल प्रदेश (65,882 वर्ग किलोमीटर) और छत्तीसगढ़ (55,812 वर्ग किलोमीटर) शीर्ष पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत का कुल कच्छ वनस्पति आवरण 4,992 वर्ग किलोमीटर है। वहीं, बांस धारित क्षेत्र 1,54,670 वर्ग किलोमीटर तक विस्तारित हुआ है, जिसमें पिछले आंकलन की तुलना में 5,227 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। बाहय वन वृक्षों से औद्योगिक काष्ठ का वार्षिक संभावित उत्पादन 91.51 मिलियन घन मीटर आंका गया है। कार्बन स्टॉक के संदर्भ में, भारत के वनों में कुल 7,285.5 मिलियन टन कार्बन स्टॉक का आकलन किया गया है, जो पिछले आंकलन की तुलना में 81.5 मिलियन टन की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, भारत का कार्बन स्टॉक 30.43 बिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड समतुल्य तक पहुंच चुका है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नियम के बाद भी नहीं कराया स्थाई कर्मियों, दैवेभो का बीमा

भोपाल । मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि नियम होने के बावजूद भी प्रदेश के अधिकारियों ने स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का बीमा सुविधा का लाभ नहीं दिया है। कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि तत्काल प्रदेश के स्थाई कर्मियों, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का बीमा कराया जाए ताकि बीमा सुविधा का लाभ लाखों कर्मचारियों को प्राप्त हो सके। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि उपादान अधिनियम 1972 के नियोजन की धारा 2 में स्पष्ट प्रावधान है कि विभागों में कार्यरत स्थाई कर्मियों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों का सेवा में उपस्थित होने के बाद बीमा कराया जाए तथा लेकिन मध्य प्रदेश सरकार की विभागों के अधिकारियों ने लाखों स्थाई कर्मियों, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों एवं श्रमिकों का 20-20 साल की सेवा होने के बावजूद भी बीमा नहीं कराया है। जिस कारण स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों श्रमिकों को बीमा सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को बीमा राशि के भुगतान प्राप्त नहीं होता है। कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है यदि समस्त विभाग के अधिकारियों एक माह के अंदर शासकीय विभागों में कार्यरत स्थाई कर्मियों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों का बीमा नहीं कराया तो कर्मचारी मंच मंत्रालय के सामने आंदोलन करेगा।

नए साल में होगा एशियाई शेरों का दीदार

16 साल के प्रयास के बाद गुजरात से वन विहार पहुंचा एशियाई शेरों का जोड़ा

भोपाल। वन विहार नेशनल पार्क की पहल पर आखिरकार 16 साल बाद गुजरात के जूनागढ़ से एशियाई शेरों का जोड़ा लाया गया। 5 दिन में 1000 किमी का सफर तय कर शनिवार शाम साढ़े 4 बजे गाड़ी वन विहार पहुंची। इन्हें 21 दिन तक क्वरेंटाइन रखा जाएगा। यानी, नए साल में लोग इनका दीदार कर सकेंगे। नर और मादा शेर की उम्र करीब 3 साल है। जैसे ही वन विहार में इनकी एंट्री हुई, वहां उत्सवी माहौल हो गया। पिंजरा खुलते ही शेरों ने अपने बाड़े में छलांग लगा दी। हालांकि, पहले वे थोड़े डरे-सहमे नजर आए, लेकिन फिर इधर-उधर मंडराने लगे। खाने के लिए उन्हें मीट भी दिया गया। वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके सिन्हा ने बताया, दोनों शेरों को बाड़े में अलग-अलग रखा गया। डॉक्टरों की टीम 21 दिन उनकी निगरानी करेगी। क्वारेंटाइन में रखे जाने और फिर डॉक्टरों के ओके के बाद शेरों के दीदार लोग कर सकेंगे।

वन विहार का 9 सदस्यीय दल 17 दिसंबर को जूनागढ़ के सक्करबाग चिडियाघर में शेर को लेने पहुंचे थे, जो 21 दिसंबर की शाम को भोपाल पहुंच गए। इस टीम में वन विहार के इकाई प्रभारी पर्यटन एव सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक भी शामिल थे। दल के लौटने पर डायरेक्टर मीना अवधेशकुमार भी मौजूद रहे। अब तक वन विहार में 3 शेर थे। जिनमें सत्या, गंगा और नदी शामिल हैं। नंदी और सत्या नंदन कानन चिडियाघर से लाए गए थे। अब 2 लॉयन और आ गए हैं। इसके बाद यहां 2 नर और 3 मादा शेर हो गई है। गुजरात ने वन विहार नेशनल पार्क की बात 16 साल बाद मानी और चार साल के शेरों का जोड़ा दिया है। इसके बदले में बांधवगढ़ नेशनल पार्क से लाए गए बाघ बी-2 और बाघिन बंदनी सक्करबाग चिडियाघर भेजे हैं। इनकी उम्र क्रमश 7 और 6 साल है। 2006 से गिर के शेर लाने के प्रयास चल रहे थे। केंद्रीय चिडियाघर प्राधिकरण के निर्देश के बाद भी गुजरात वन विभाग व चिडियाघर प्रबंधन युवा बाघों के बदले बूढ़े शेर देने की पेशकश कर रहा था। वन विहार प्रबंधन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। मप्र सरकार लगातार गिर से सिंह लाने का प्रयास कर रही थी।

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का पीथमपुर में विरोध

जीतू पटवारी बोले- कारखाने जमीन बेचने की तैयारी में सरकार, कचरा जला तो बीमारी फैलेगी

भोपाल। पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट (रामकी) कंपनी में आने वाले दिनों में जलने वाले यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के निष्पादन को लेकर विरोध तेज हो गया है। कांग्रेस ने रविवार को यहां बड़ा प्रदर्शन किया। इसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित करीब आधा दर्जन विधायक शामिल हुए। धरना-प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार यूनियन कार्बाइड की जमीन बेचने की तैयारी है। जहरीला कचरा हटते ही इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

जीतू पटवारी ने कहा कि अगर यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर में जला तो आने वाले समय में सबसे ज्यादा कैंसर के मरीज इसी इलाके में होंगे। यहां कचरा जलाया जाएगा तो ये जहर पानी में भी मिलेगा। समस्या पीथमपुर के लिए ही नहीं इदौर के लिए भी पैदा होने वाली है। पीथमपुर का जहरीला पानी यशवंत सागर डेम में मिलेगा। इस डेम से इंदौर में पानी सप्लाई होता है। इसके बाद वहां भी गंभीर बीमारियां फैलेंगी। रामकी कंपनी के कारण आस पास के किसानों की जमीन की पैदावार प्रभावित हुई है। जीतू पटवारी ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि प्रदेश सरकार के पास लेंड बैंक है। जहरीले कचरे के निष्पादन के लिए उसका यूज करें।

विधानसभा चुनाव की तैयारी करने कहा

जीतू पटवारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि विधानसभा चुनाव के एक साल हो गए हैं। अभी चार साल बाकी हैं। हमें ये नहीं सोचना है कि चुनाव तो चार साल बाद हैं। चार साल तो चार दिन की तरह निकल जाएंगे। हमें अगले चुनाव की तैयारी में आज से ही लग जाना है। सडकों पर उतरकर सरकार की विफलताओं को जनता को बताना है। पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने कहा कि यूनियन कार्बाइड का कचरा भोपाल से हटाने के बाद वहां की कई एकड़ जमीन का खेल मोहन सरकार करना चाहती है। उन्होंने कहा कि जहरीले कचरे का विरोध सब मिलकर करें। भाजपा के लोग भी इस आंदोलन में शामिल हों। मनावर विधायक आदिवासी नेता हीरालाल अलावा ने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार इंदौर सहित आस पास के जिलों को बर्बाद करने के लिए यह कचरा यहां जलाना चाहती है। सरदारपुर से कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल ने कहा कि एक तरफ सरकार पीथमपुर को इंदौर में मिलाने की बात कर रही दूसरी तरफ जहरीले कचरे के पीथमपुर में निष्पादन करने को आतुर है। ये जहरीला कचरा पीथमपुर के लाथ-साथ इंदौर जो कि आर्थिक राजधानी हे उसे भी बर्बाद कर देगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुजीब कुरैशी ने कहा कि यूनियन कार्बाइड के कचरे का कोचीन में जलाने का विरोध हुआ। गुजरात में जलाने का विरोध वहां की जनता ने किया। परंतु मध्य प्रदेश सरकार ने इस जहरीले कचरे को पीथमपुर में जलाने का फैसला लिया। क्या पीथमपुर की जनता की जान सस्ती है। धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष बालमुकंद गौतम ने कहा कि सरकार हजारों करोड़ों का कर्ज ले रही है। एक कर्जा रामकी के लिए भी ले ले। कर्ज लेने के बाद एक कंपनी स्थापित करके जहरीला कचरा वहां जलाए।

फाइनल में बांग्लादेश को 41 रनों से हराया, त्रिशा ने जड़ा अर्धशतक

भारतीय टीम ने महिला अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता

कुआलालंपुर। गोंगाडी त्रिशा के शानदार अर्धशतक के दम पर फाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर अंडर-19 महिला एशिया कप के उद्घाटन संस्करण का खिताब अपने नाम किया।

कुआलालंपुर के बायुएमास ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 117 रन बनाए, लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 76 रनों पर ही ढेर हो गई और भारत ने 41 रनों से इस मुकाबले को अपने नाम किया। गोंगाडी त्रिशा को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया के लिए गोंगाडी त्रिशा ही एकमात्र ऐसी बैटर रही जिन्होंने 20 रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने 47 गेंदों पर 5 चौकों और 2 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 52 रनों की शानदार पारी खेली। टीम की 5 बैटर दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाई। वहीं कप्तान निकी प्रसाद ने 12 रनों को योगदान दिया। बांग्लादेश के लिए फरजाना इस्मिन ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए। वहीं निशिता ए निशी को 2 और हबीबा इस्लाम को 1 विकेट मिला।

भारत के लिए यह टूर्नमिंट काफी शानदार रहा। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रौंदा, वहीं नेपाल के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ा। इसके बाद सुपर-4 में भारत ने बांग्लादेश और श्रीलंका को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह बनाई।

आयुषी ने झटके 3 विकेट

118 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरूआत से ही लड़खड़ाती दिखी। टीम की बैटिंग परफॉर्मेंस का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जुएरिया फिरदौस 22 रनों के साथ हाईएस्ट स्कोरर रही और उनके आलावा सिर्फ फहमीदा चोया (18) ने दहाई का आंकड़ा छुआ। बांग्लादेश की टीम की 9 बैटर सिंगल डिजीट स्कोर ही कर सकी। भारत के लिए आयुषी शुक्ला गेंदबाजी में चमकीं जिन्होंने 3 विकेट चटकाए। वही पारुनिका सिसोदिया और सोनम यादव ने 2-2 और वीजे जोशिता ने 1 विकेट लिया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पीसीबी की मुश्किलें बढ़ीं, न्यूजीलैंड ने सुरक्षा हालातों पर सवाल उठाये

लाहौर । अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने जहां सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को पाक भेजने से इंकार कर दिया था। वहीं अब न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी पाक में सुरक्षा हालातों पर सवाल उठाये हैं। कीवी बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि वह अपने सुरक्षा विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर ही टीम भेजने पर फैसला करेगा।

पीसीबी 1996 के विश्व कप के बाद पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला है। अब इस प्रकार के हालातों से उसकी मेजबानी खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अन्य टीमें भी हालातों पर सवाल उठा सकती हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अभी पाक में सुरक्षा का जायजा लेने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा है। ये प्रतिनिधिमण्डल घरेलू टीम और दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से पहले सुरक्षा व्यवस्था की जांच करेगा। इस टीम में सुरक्षा विशेषज्ञ रेग डिकासन और न्यूजीलैंड प्लेयर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि ब्रैड रॉडेन शामिल हैं। वे कराची और लाहौर में सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा आईसीसी का एक और प्रतिनिधिमंडल भी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए पाकिस्तान में है।

आईसीसी ने कहा है कि 2024-27 चक्र में भारत और पाकिस्तान सभी आईसीसी इवेंट्स में हाइब्रिड मॉडल में खेलेंग। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक नहीं जाएगी। वहीं पाक भी 2025 में महिला एकदिवसीय विश्व वर्ल्ड कप और 2026 में टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगा।

पंड्या विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों में खेलेंगे - मोरे

मुम्बई । बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों में शामिल किया जाएगा। पंड्या को त्रिपुरा के खिलाफ पहले मैच में नहीं उतारा गया था इससे कई सवाल उठ रहे थे। इसी को देखते हुए बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन की क्रिकेट इंप्रूवमेंट कमेटी के सदस्य किरण मोरे ने पंड्या के नहीं खेलने का कारण बताया। हार्दिक ने करीब 14 महीने से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर 2023 को बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में खेला था।

उस मैच में उनका टखना चोटिल हो गया था। जिसके बाद से ही वह फिटनेस के लिए संघर्ष करते दिखे हैं।

मोरे ने कहा, 'उन्होंने हमें बताया है कि वह नॉकआउट स्तर से खेलेंगे।' वहीं बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने पहले ही खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि जो भी खिलाड़ी टीम से बाहर हैं और फिट हैं उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इसी कारण हार्दिक हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की ओर से खेलने के लिए उतरे थे। उसमें पंड्या ने 7 मैचों में 246 रन बनाने के साथ साथ 6 विकेट भी लिए थे.

पंड्या आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया के लिए काफी अहम है। अगर बड़ौदा की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेगी तभी पंड्या खेलेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट के मुकाबले 9 जनवरी से खेले जाएंगे जबकि फाइनल मैच 18 जनवरी को खेला जाएगा। बड़ौदा की कप्तानी हार्दिक के बड़े भाई क्रुणाल पंड्या कर रहे हैं।

भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी

दुबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। वहीं भारतीय टीम के अन्य दो मुकाबले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से होंगे। ये मैच श्रीलंका के कोलंबो या यूएई के दुबई में हो सकते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को खिताबी मुकाबला खेला जा सकता है। इसके लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक ही समूह में रखा गया है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ए ग्रुप में रखा गया है वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को ग्रुप बी में जगह मिली है।

पंजाब किंग्स को आईपीएल खिताब जिताने का प्रयास करेंगे श्रेयस अय्यर

मुम्बई । आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। इस साल 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं।

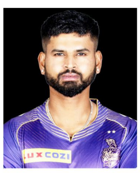

अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

आकाश चोपड़ा ने बताया अश्विन के संन्यास का कारण

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आर अश्विन बार-बार उपेक्षा किये जाने से आहत थे। इसी कारण उन्होंने अचानक ही संन्यास का फैसला ले लिया। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। टेस्ट सीरीज के बीच ही आये अश्विन के इस फैसले से प्रशंसकों के साथ ही दिग्गज खिलाड़ी भी हैरान थे। तभी से उनके संन्यास के पीछे अलग-अलग प्रकार की वजहें बताई जा रही है, उनके पिता ने तो यहां तक कह दिया था कि अश्विन का अपमान हो रहा था, इसलिए उसने ये फैसला किया। वहीं पूर्व क्रिकेटर भी अश्विन के इस फैसले से हैरत में पड़ गये। उनका मानना है कि अश्विन विदेशी हालातों में लगातार नजरअंदाज किए जाने से हताश थे।

आकाश ने कहा, आखिर में क्या हुआ? सभी की जिंदगी में एक ऐसा पल आता है, जहां आप सोचते हैं, क्या मैं अब ऐसा करना चाहता हूं क्या मैं इससे ठीक हूं। अश्विन के दिमाग ये चीज काफी समय से रही होगी कि वह विदेश में ज्यादा नहीं खेलता है। जब विदेश में होने वाले मैचों की बात आती है तो टीम के लिए स्पिनर के रूप में पहले विकल्प नहीं है। ये काफी समय से चल रहा है। उन्होंने इसके साथ रहना सीख लिया था। जडेजा विदेश में उनसे आगे रहते थे। उन्होंने इस बात से समझौता कर लिया कि जडेजा खेल रहे हैं।

वहीं जब उनके ऊपर युवा वाशिंगटन सुंदर को प्राथमिकता दी गयी तो उनका धैर्य टूट गया। उसने अपने आज से कहा होगा, अब बहुत हुआ, मैं खेल चुका। अश्विन ने पिंक बॉल टेस्ट खेला पर जब वह गाबा से ड्रॉप हुआ, उसने कहा, मुझे जितना खेलना था खेल चुका। आप मुझे अंतिम ग्यारह में शामिल करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। इसलिए अब मुझे जाना चाहिये।

रूट चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के साथ ही भारत दौरे के लिए अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को टीम में शामिल किया है। रुट की एक साल से अधिक समय के बाद इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। रूट ने अंतिम बार एकदिवसीय प्रारूप में पिछली बार 2023 में भारत में हुए 50 ओवर के विश्व कप में खेला था। वहीं ऑलराउंडर और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को चोटिल होने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी जिससे बाद से ही वह रीहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इंग्लैंड टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज जोस बटलर करेंगे। वहीं लेग स्पिनर रेहान अहमद को टी20 टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैड के बीच टी20 सीरीज जनवरी जबकि एकदिवसीय सीरीज फरवरी में खेली जाएगी।

इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम

जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

इंग्लैंड की टी20 टीम

जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

रोहित को अभ्यास सत्र में लगी चोट, टीम इंडिया की चिन्ताएं बढ़ीं

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को यहां शनिवार को हुए अभ्यास सत्र में चोट लग गयी। जिससे भारतीय खेमा चिन्तित हो गया। चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से एमसीजी में खेला जाएगा। इसके लिए अभ्यास के दौरान ही रोहित के घुटने में चोट लग गयी। भारतीय टीम के थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट दयानंद गरानी की फेंकी हुई गेंद रोहित के बांए घुटने में लगी। इससे रोहित शर्मा दर्द से परेशान दिखे। फीजियो ने तत्काल ही आईसपैक लगाया। रोहित चलने में परेशानी हो रही थी पर कुछ समय बाद ही वह ठीक नजर आये। ऐसे में उम्मीद है कि रोहित मेलबर्न टेस्ट तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। रोहित अगर किसी कारण से ये टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो एक बार फिर जसप्रीत बुमराह कप्तानी करते दिख सकते हैं।

मेलबर्न टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे विराट - बांगड़

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि मेलबर्न में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। बांगड़ ने कहा कि विराट ने अतीत में भी मेलबर्न मैदान (एमसीजी) पर काफी रन बनाये हैं। ऐसे में वह इस बार भी अवसर का इस्तेमाल करते हुए बड़ी पारी खेलेंगे। साथ ही कहा कि विराट के पास इस अवसर का उपयोग कर लय हासिल करना रहेगा। वह एक बार फिर अपने पर कायम भरोसे को बरकरार रखेंगे। इस सीरीज में अब तक कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इसके अलावा वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता के लिए जाने जाते हैं जिसमें वह विफल रहे। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की गेंदों पर विकेट गंवाते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का पूरा लाभ उठाया है। बांगड़ का मानना है कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया अपनाकर कोहली इस समस्या से बच सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे।

अश्विन के सामने नहीं टिक पाने से शर्मिंदा महसूस नहीं करता - एबेल

लंदन। इंग्लैंड की काउंटी टीम समरसेट के क्रिकेटर टॉम एबेल ने भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी गेंद पर आउट होने में शर्म की कोई बात नहीं होती। एबेल ने कहा कि अश्विन महानतम गेंदबाज है। और उनका सामना करना बेहद कठिन होता है। इस क्रिकेटर ने काउंटी क्रिकेट में खेले गए एक मुकाबले को याद किया है। साल 2019 में समरसेट और नॉटिंघमशायर के बीच एक मैच उनका सामना अश्विन से हुआ था। काउंटी में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह अश्विन की गेंदों के सामने टिक नहीं पाए।

अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एबेल ने अश्विन के साथ अपने उस मुकाबले को याद किया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अश्विन से मुकाबले में अपना विकेट खोने में कोई शर्म नहीं है। एबेल ने कहा कि मैंने टीवी पर अश्विन को भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह अब तक खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक है। वह महान ऑफ-स्पिन गेंदबाज है। उनके सामने कोई भी बल्लेबाज अपने को परख सकता है। मुझे अश्विन जैसी गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के खिलाफ खेलने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात रही है। इसलिए आउट होने का कोई मलाल नहीं है। अश्विन ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, जिससे रेड-बॉल क्रिकेट में एक शानदार करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने 106 टेस्ट मैचों में शानदार 537 विकेट लिए। वह 37 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं जबकि उन्होंने 3,503 रन भी बनाये हैं। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट खेले, जिसमें 2.71 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट से 115 विकेट लिए। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 2020-21 संस्करण के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सबसे अधिक 29 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी था। खेल के सबसे लंबे प्रारूप में, अश्विन ने कई रिकॉर्ड बनाए जिन्हें पार करना मुश्किल हो सकता है। वह सबसे तेज 350 टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं।

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल- ce.tender.wrdmp@gmail.com
फोन- 0755-2767635 फेक्स-0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक -1117/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक 17.12.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 16.01.2025 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स0 क0	निविदा क.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1	2024_WRD_388065	संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत भीमगढ़ दांयी तट नहर प्रणाली की मुख्य नहर (चैन क्र.782 से 1284) एवं भीमगढ़ दांयी तट नहर प्रणाली की टेल शाखा नहर (चैन क्र.0 से 1186), वितरक नहर, माइनर एवं सब माइनर नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाईनिंग, विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य एवं अन्य कार्य।	सिवनी	11586.43
2	2024_WRD_388066	संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत तिलवारा बांयी तट नहर प्रणाली की समस्त मुख्य नहर (चैन क्र. 0 से 1900) एवं भीमगढ़ दांयी तट नहर प्रणाली की मुख्य नहर (चैन क्र. 0 से 782), वितरक नहर, माइनर एवं सब माइनर नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाईनिंग विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य एवं अन्य कार्य।	सिवनी	11280.90
3	2024_WRD_388067	संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत ढूटी बांयी तट नहर प्रणाली की मुख्य नहर (चैन क्र. 03 से 2730) वितरक नहरों, मायनर नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी.लाईनिंग, विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य एवं अन्य कार्य।	बालाघाट	12345.02

जी-20658

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)
17/12/24

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता।

अब सर्दी ढाएगी सितम...उत्तर भारत में बढ़ी ठिठुरन

कोहरे-गलन ने बढ़ाईं मुश्किलें, उत्तर भारत के 34 लाख छोटे व मंझोले कारोबारी प्रभावित

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। रविवार सुबह दिल्ली के कई हिस्सों में कोहरा छाया रहा। इस दौरान लोग अलाव के पास बैठे देखे गए। कई लोग दिल्ली में तापमान में गिरावट के कारण रैन बसेरों में शरण लेने को मजबूर हैं। जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में रविवार सुबह 8:30 बजे -3.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। भीषण ठंड के कारण डल झील की सतह जम गई है। राजधानी दिल्ली समेत पूरा उत्तर भारत इन दिनों धुंध की चपेट में है। ट्रेन से लेकर कारोबार तक सभी पर प्रदूषण का प्रकोप है। अनुमान है कि 34 लाख छोटे और मंझोले कारोबारियों को दिल्ली का धुंध भरा मौसम महंगा पड़ रहा है। अगर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली की संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद की बात करें तो मौजूदा कीमतों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 30 लाख करोड़ रुपये थी। अनुमानों के अनुसार, धुंध के कारण उत्तरी राज्यों की वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आंकड़ों के अनुसार पंजाब में करीब 15 लाख, हरियाणा में 10 लाख और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में करीब 9 लाख छोटे कारोबारी हैं। इस तरह, इनकी कुल संख्या 34 लाख के करीब है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत पूरी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में कामगार भी धुंध के कारण प्रभावित हो रहे हैं। अगर हालात जल्दी नहीं बदले कारोबारियों को उत्पादन में कमी की आने की आशंका है। ऐसा हुआ तो छोटे और मंझोले कारोबारी बड़ा वित्तीय नुकसान उठाने को विवश होंगे। पीएचडी

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने अनुमानत जताया है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में 34 लाख से अधिक छोटे और मंझोले कारोबारी धुंध के कारण प्रभावित हो रहे हैं। इनके अलावा करीब 70 लाख श्रमिक भी धूंध जैसे माहौल की मार झेलने को विवश है।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चरण चार के लागू होने से निर्माण और तोडफ़ोड़ की गतिविधियां रुक गई हैं, जिससे औद्योगिक संचालन में और बाधा आ रही है। उन्होंने बताया कि परिवहन क्षेत्र भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप आपूर्ति श्रृंखला भी बाधित हुई है और उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है। जैन के अनुसार लंबे समय तक धुंध के संपर्क में रहने से श्रमिकों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, जिससे उत्पादकता घट रही है। इससे उत्पादन में देरी भी हो रही है। उद्योग जगत हालात से निपटने के लिए स्वच्छ ईंधन, वायु शोधन प्रणाली और मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपाय अपना रहे हैं।

रोज घंटों लेट हो रही ट्रेनें

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में बीते कुछ दिनों से मौसम में खासा बदलाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली में तापमान गिरने के साथ ही कोहरा बढ़ गया है। कोहरे और वायु प्रदूषण की धुंध के चलते ट्रेनों की आवाजाही और उड़ानों पर असर हुआ है। कोहरे के चलते उत्तर भारत में चलने वाली करीब 40 ट्रेनों पर असर पड़ा है। राजधानी दिल्ली की ओर आने वाली ये ट्रेनें 8 घंटे तक देरी से चल रही हैं। धुंध और प्रदूषण के चलते दृश्यता कम होने से कई ट्रेन तो रेंग रेंग कर चल रही हैं। इनमें जम्मू राजधानी, पुरुषोत्तम, श्रमजीवी, इंटरसिटी समेत कई प्रमुख ट्रेनें शामिल है। इस वजह से यात्रियों को परेशानी हो रही है। रेलवे ने देरी से चल रही ट्रेनों का शेड्यूल जारी कर दिया है। उत्तर रेलवे के अनुसार सीजन में पहली बार कोहरे की वजह से इतनी संख्या में ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं। उत्तर भारत में कई जगह घना कोहरा छाया होने की वजह से विजिबिलिटी बहुत कम रही है। रात के समय तो हालत और भी खराब रहे। रेलवे के लिए यात्रियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। इसी वजह से ट्रेनों को सुरक्षित चलाया जा रहा है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि, कोहरे और प्रदूषण के चलते ट्रेन लेट हो रही है। ऐसे में यात्रियों को ट्रेन के विलंबित होने और उसके समय में बदलाव के बारे में पहले से ही संदेश भेज रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, ट्रेनों की साफ-सफाई और रखरखाव के लिए पहले से ही अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया गया है, ताकि आगे के प्रस्थान के लिए उन्हें तैयार किया जा सके, जिससे देरी का समय कम हो गया है। ट्रेनों के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही हैं।

राजस्थान में भी ठंड का सितम जारी

राजस्थान में भी ठंड का सितम जारी है। तापमान में गिरावट के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। आईएमडी के अनुसार, अजमेर शहर में आज सुबह कोहरा छाया रहा। यहां न्यूनतम तापमान गिरकर 11 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।

राष्ट्रीय राजधानी की हवा हुई जहरीली

इस बीच राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं आ रहा है। स्मॉग के कारण प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी के चलते दिल्ली में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आज सुबह दिल्ली के आनंद विहार में 427, अशोक विहार में 430, आया नगर में 339, बवाना 432, बुराड़ी 410, आईटीओ 384, नेरेला 374, आरकेपुरम में 408 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

मप्र में आज बारिश के आसार

देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। वहीं, मध्य प्रदेश राजस्थान में सोमवार से बारिश होने की संभावना जताई गई है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है।

नगरवाडा एवं मोहगांव में ध्यान शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया

लामता(पद्मेश न्यूज)। आज दिनांक-21/12/2024 को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन जी के निर्देशानुसार एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजन्ती कटरे मेम के मार्गदर्शन में ग्राम नगरवाड़ा एवं मोहगांव ग्राम पंचायत में श्री अजय बिसेन योग ध्यान प्रशिक्षक के द्वारा विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर ध्यान करवाया गया जिसमें ध्यान से संबंधित लाभ हेतु जानकारी दी गई इस कार्यक्रम मे नवांकुर संस्था लामता नारी शक्ति महिला संघ से अध्यक्ष इंद्राणी वरकडे, प्रेस्फुटन समिति घुनाडी से विनोद चौधरी, प्रेस्फुटन समिति नगरवाड़ा से भुवन लाल जी एवं प्रेस्फुटन समिति मोहगांव के सदस्य गण , परामर्शदाता रुपचंद बोरीकर , ष्द्बष्द्यस्त्रश्च छात्र छात्राएं एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

इसरो का स्पेडेक्स मिशन पर जोर, पीएसएलवी-सी60 रॉकेट लॉन्चपैड पर तैनात

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) स्पेडेक्स मिशन की पुरजोर तैयारी कर चुका है। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट पहले लॉन्चपैड पर तैनात है। उसकी चिपटी नाक में स्पेडेक्स सैटेलाइट रखे हैं। लॉन्चिंग की तारीख बताई नहीं गई है लेकिन इसरो इसे संभवत: 30 दिसंबर या उसके आसपास कर सकता है। इस मिशन में दो सैटेलाइट हैं। पहला चेसर दूसरा टारगेट। चेसर सैटेलाइट टारगेट को पकड़ेगा और उससे डॉकिंग करेगा। इसके अलावा इसमें एक अहम टेस्ट हो सकता है। सैटेलाइट से एक रोबोटिक आर्म निकले जो हुक के जरिए टारगेट को अपनी ओर खींचेगा ये टारगेट अलग क्यूबसैट हो सकता है। इस प्रयोग से भविष्य में इसरो ऑर्बिट छोड़ अलग दिशा में जा रहे हिस्से को वापस कक्षा में लाने की तकनीक हासिल होगी साथ ही ऑर्बिट में सर्विसिंग और रीफ्यूलिंग का ऑप्शन भी खुल जाएगा।

समनापुर में दो दिवसीय मंडई मेले का आयोजन 25 से

उकवा(पद्मेश न्यूज)। समीपस्थ ग्राम पंचायत समनापुर में आगामी 25 एवं 26 दिसम्बर को मंडई मेले का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा इस दो दिवसीय मंडई के आयोजन हेतु समिति का गठन किया गया है समिति के अनुसार 25 दिसम्बर को विशाल राउत नाचा गोवारी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। राउत नाचा में प्रथम स्थान के लिए विशेष पुरस्कारों की घोषणा की गई है इसी तरह समिति द्वारा ग्रामीणों के मनोरंजन हेतु 26 दिसंबर को रात्रि में छत्तीसगढ़ी गीत एवं नृत्य का आयोजन किया जाएगा समिति ने बालाघाट उकवा बिठली बैहर बिरसा परसवाड़ा डोरा सोनगुड्डा आदि स्थानों के समस्त दुकानदारों से इस दो दिवसीय मंडई मेले में अपनी दुकान लगाने का आग्रह किया है। इस आशय की जानकारी समिति के मनोज उइके सरपंच रवि मरकाम भागचंद तूमराची राहुल शेन्द्रे करण परते महेश शरणागत अनुज चौकसे नरेंद्र मरावी राजेंद्र वरकडे देवराज कुर्वेति महेश कुर्वेती अमजक शेख किशन उइके जगदीश बिजली आदि ने समस्त क्षेत्र वासियों से मंडई मिले में आने की अपील की है।

अभी बढ़ रही जनसंख्या, आने वाले सालों में तेजी से गिरेगी, बूढ़े होंगे कई देश

साल 2055 तक कई देशों में जन्मदर का स्तर काफी गिर जाएगा

नई दिल्ली। वर्तमान में दुनिया की आबदी तेजी से बढ़ रही है। इंसानों की जनसंख्या 8 अरब पार हो चुकी हैं। इतना ही नहीं दुनिया के कई देशों में अधिक जनसंख्या बड़ी चुनौती बनाती जा रही है। पिछली एक सदी में दुनिया की आबादी में बहुत ही तेजी से उछाल आया है। हाल ही में एक अध्ययन में बताया गया है कि अभी भले ही दुनिया की आबादी बढ़ रही है। लेकिन आने वाले सालों में आबादी तेजी से घटने वाली है। इसके बाद वैज्ञानिकों ने कई तरह के खतरों से आगाह किया है। इसका सबसे ज्यादा असर दुनिया की सारी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। इतिहासकार बताते हैं कि होमोसेपियन्स बनने के बाद से इंसानों की आबादी बढ़ रही है, और दसवीं सदी तक यह कुछ करोड़ हो गई थी। लेकिन औद्योगिक क्रांति के बाद से लोगों का जीवन स्तर सुधरा और उसके बाद जनसंख्या में तेजी देखने को मिली 20वीं सदी में रफ्तार बहुत ही तेज हुई और 1900 में जो आबादी एक अरब थी, साल 2000 तक 6 अरब हो गई, जो साल 2022 में 8 अरब हो गई।

लेकिन अध्ययन बता रहे हैं कि अब दुनिया की बढ़ती आबादी की रफ्तार उलट जाएगी और तेजी से घटेगी। नए अध्ययन के मुताबिक साल 2055 में दुनिया के 204 में 155 देशों में इतने बच्चे पैदा नहीं हो सकते हैं, कि दुनिया की आबादी स्थिर रह सके और 2100 तक दुनिया का 198 देशों का यह हाल हो जाएगा। और इसका सबसे बड़ा कारण एक ही है, तेजी से गिरती जन्म दर! शोधकर्ताओं का कहना है की उनके अब तक के सबसे व्यापक विश्लेषण के अनुसार हर साल मरने वालों की संख्या पैदा होने वालों से ज्यादा होगी। हो सकता है कि कम जनसंख्या दुनिया के कई इलाकों को रहने के लिहाज से बेहतर जगह बना देगी, यहां तक कि संसाधनों पर पड़ रहा बहुत ज्यादा दबाव कम होगा। लेकिन इसके बावजूद बात चिंता की है क्योंकि बहुत सी जगहों पर प्रजनन दर बहुत ज्याद गिर गई है और इसके इसतरह रहने की संभावना अधिक है। बूढ़ी होती आबादी के से श्रम शक्ति कमजोर होगी ही, इस आबादी का भी ख्याल रखना खर्चीला होगा। चिकित्सा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा, वहां सक्षम कामगारों की भारी कमी होगी। बेशक संसाधनों पर दबाव कम होगा और प्रदूषण भी कम होगा, लेकिन जनसंख्या का असामान्य वितरण एक नई तरह की चुनौती ला देगा और संसाधन प्रबंधन कठिन होगा। दुनिया भर में राजनैतिक स्तर पर इन बदलावों का असर साफ दिखेगा।

भारत नहीं रहेगा अछूता

ऐसा नहीं है कि इसका असर भारत पर नहीं पड़ेगा, बल्कि भारत उन चिंताओं से घिर जाएगा, जिन परेशानियों से आज चीन और जापान और कोरिया जैसे देश परेशान हैं। भारत में बूढ़ी आबादी बहुत ही अधिक होगी, इस बूढी आबादी को संभालना मुश्किल होगा।

शाह का बचाव करने और कांग्रेस-सपा को बेनकाब करने जवाबी अभियान चलाएगी बीजेपी?

-कन्नौजिया ने कहा- कांग्रेस-सपा दलितों की दुश्मन है, यह एक ऐतिहासिक सच्चाई

लखनऊ। डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर विपक्षी दलों का लगातार विरोध जारी है। अब बीजेपी ने भी विपक्ष के खिलाफ पलटवार करने की खास रणनीति तैयार कर ली है। बीजेपी दलितों से संबंधित मुद्दों पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को बेनकाब करने जवाबी अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने अपने एससी-एसटी मोर्चा और समुदाय को एकजुट करने और केंद्र और यूपी में पिछली कांग्रेस और सपा सरकारों के समय उठाए गए दलित विरोधी कदमों को उजागर करने के लिए सभी विधानसभा सीटों पर जवाबी अभियान की योजना बनाने के लिए कहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक यूपी बीजेपी एससी-एसटी मोर्चा के अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया ने कहा है कि कांग्रेस और सपा दलितों की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। यह एक ऐतिहासिक सच्चाई है जिसे लोगों को बताने की जरूरत है। उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात की और कई उपाय रखे, जिन्हें सरकार सामाजिक रूप से उत्पीड़ित वर्गों के कल्याण के लिए शुरू कर सकती है। रणनीति के बारे में उन्होंने बताया कि पार्टी जमीनी स्तर पर विपक्ष को बेनकाब करने के लिए अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी विपक्ष की पिछली सरकारों में दलितों के खिलाफ उठाए गए कदम और नारों को उजागर करेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी में होने वाले चुनावों के बाद इस अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस बारे में दलित बहुल्य इलाकों में जानकारी दे दी गई है और पिछले 10 सालों में बीजेपी द्वारा दलितों के लिए किए कामों की चर्चा की जाएगी।

वहीं शाह द्वारा किए गए बाबा साहेब आंबेडकर के अपमान के विरोध में कांग्रेस 24 दिसंबर को पूरे भारत में मार्च निकालेगी। केंद्रीय महासचिव केसी बेणुगोपाल ने इस संबंध में राज्यों को पत्र भेजा है। इसे बाबा साहब भीमराव आंबेडकर सम्मान मार्च नाम दिया गया है। इसके पहले कांग्रेस सांसद और सीडब्ल्यूसी के सदस्य अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों, राज्य मुख्यालयों, जिला मुख्यालयों पर पत्रकारों से बातचीत कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफा की मांग करेंगे।

सपा ने डा. आंबेडकर के अपमान को मुद्दा बनाते हुए शनिवार को प्रदेशभर में जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। लखनऊ में पार्टी के जिला व महानगर के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर का किए गए अपमान के खिलाफ 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया है। बसपा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करेगी।

क्षत्रिय मराठा कलार समाज के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। क्षत्रिय मराठा कलार समाज के नव-नियुक्त अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण व मिलन महासम्मेलन वार्ड नंबर 1 शिव मंगल भवन बूढ़ी में रविवार को आयोजित हुआ। जिसमें नव-नियुक्त अध्यक्ष संजीव बाबा धुवारे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष संतोष पिपलेवार, नव-नियुक्त महिला जिलाध्यक्ष दीपमाला धुवारे सहित अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को अतिथियों के द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महादेव व सहस्त्रबाहु की पूजा अर्चना कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सिवनी मुनमुन राय, पूर्व मंत्री प्रदीप गुड्डा जायसवाल, पूर्व नपाध्यक्ष अनिल धुवारे उपस्थित रहे। इस दौरान शव रखने के लिये समाज संगठन के अध्यक्ष द्वारा दी गई डीप फ्रीजर का भी लोकार्पण किया गया। समाज के दानदाताओं एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वजातीयजनों का भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई। सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने पूरी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ समाजहित में कार्य करने का संकल्प लेते हुये सभी स्वजातीयजनों को उनके भरोसे पर खरा उतरने का विश्वास दिलाया गया। कार्यक्रम में जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के अध्यक्ष अमृतलाल धुवारे, डहरवाल कलार समाज अध्यक्ष शिवाजी बावीसताले, सेवानिवृत एसआई राधेलाल दौने, छगनलाल बिजेवार, यशवंत पिपलेवार, क्षत्रिय मराठा कलार समाज के पूर्व अध्यक्ष नोहरसिंह डोहरे, महेश डोहरे, चंद्रकांत पिपलेवार, नीलू पिपलेवार, कमलेश बिजेवार, सदनसाव सेवईवार, बबन पालेवार, रमाकांत डहाके, संतोष कावड़े, सुनील पालेवार, दिनेश जेमी, टेकचंद धुवारे, दुर्गेश बिजेवार, नरेश धुवारे सहित बड़ी संख्या में महिला पुरूष शामिल रहे।

आबकारी विभाग की कार्यवाही, 04 प्रकरणों में ड्रमों में भरा हुआ 1680 किलो लाहन किया जब्त

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। रविवार को आबकारी वृत बालाघाट के द्वारा ग्राम जागपुर के जंगल में अलग अलग स्थानों पर ड्रमों में भरा हुआ लगभग 1680 किलो लाहन जप्त कर 04 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गया। वहीं सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया । जप्त सामग्री का बाजार मूल्य 1,68,000 रूपये है। कार्यवाही मे वृत प्रभारी, उपनिरीक्षक रमाकांत बघेल आरक्षक सुरेंद्र गजभिए लखन चौधरी आरिफ खान उपस्थित रहे।

हाई-प्रोफाइल शादियों पर है आयकर विभाग की नजर, मेहमानों से होगी पूछताछ

नई दिल्ली। भारत में शादियों का ट्रेंड बदल रहा है लोग शादी पर लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में कई हाई-प्रोफाइल और महंगी शादियां हुई हैं। इन शादियों में शाही इंतजाम पर पानी की तरह पैसा बहाया जाता है, लेकिन अब ये महंगी शादियां आयकर विभाग की रडार पर हैं। ऐसे में अब इनकम टैक्स विभाग शादी के खर्चों को लेकर कपल और लोगों से जवाब-तलब कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग करीब 7500 करोड़ रुपए की संदिग्ध टैक्स चोरी के मामले में जयपुर में करीब 20 वेडिंग प्लानरों की जांच कर रहा है। यह जांच कैश ट्रांजेक्शन और खच्चर खातों व नकली बिलों के इस्तेमाल पर फोकस कर रही है। इस जांच का दायरा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग और संबंधित विदेशी मुद्रा नियमों तक हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल ऐसी कई महंगी शादियां हुई हैं, जिनमें करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। महंगे होटल से लेकर करके बालीवुड सितारों को बुलाने पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। ऐसा अनुमान है कि एक साल में इन शादियों पर करीब 7500 करोड़ रुपए के कैश ट्रांजेक्शन हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि कम खर्च दिखाने के लिए इन शादियों में नकली बिलों का इस्तेमाल किया गया। इतना ही नहीं बल्कि हैदराबाद और बेंगलुरु से हवाला ऑपरेटर्स और म्यूल अकाउंट्स के जरिये इन शादियों में पैसा खर्च किया गया है। ऐसी शादियों के खिलाफ इनकम टैक्स का तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों ने बताया कि कि इसका दायरा जल्द ही विदेशी गंतव्य शादियों में मनी ट्रेल की जांच तक बढ़ाया जाएगा, जहां मेहमानों और सितारों को विदेशी स्थानों पर ले जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन बुक किए जाते हैं। आयकर विभाग अब यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि शादियों में कितना खर्च हुआ है, इसके लिए कैश ट्रांजेक्शन कितने हुए। इसकी जांच के लिए आयकर विभाग मेहमानों की लिस्ट, खाने-पीने और अन्य खर्चों की जांच भी करेगा।

प्रथम कृषि स्नातक और प्रदेश से पहुंचे स्नातक विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिले में पहली बार बालाघाट कृषि स्नातक सम्मेलन 2024 का आयोजन शनिवार को स्थानीय राजा भोज कृषि महाविद्यालय बालाघाट, मुरझड़ फार्म वारासिवनी में किया गया। इस आयोजन में बालाघाट जिले में निवास करने वाले विभिन्न पदो पर अन्य जिले और प्रदेश में सेवाए दे चुके कृषि स्नातको का सम्मान किया गया। खास बात यह रही कि बालाघाट जिले के प्रथम कृषि स्नातक वयोवृद्ध लोचनलाल ठाकरे पहुंचे जिनका आत्मीय स्वागत स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेट कर सम्मान हुआ। इस दौरान उपस्थित कृषि स्नातक सेवानिवृत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वर्तमान में कार्यरत कृषि स्नातक अधिकारी और कर्मचारियों, छात्र, छात्राओं द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में एन.के. बिसेन डीन, राजेश खाब्रोगड़े कृषि उपसंचालक, उत्तम बिसेन कृषि वैद्यानिक, सी.बी. बिसेन, शरद बिसेन, हेमंत राहंगडाले, प्रवीण भगत, जे.एस. बिसेन का विशेष सहयोग रहा।

इन्हें किया गया सम्मानित

मंच में बतौर पी.के बिसेन पूर्व डीन जबलपुर, बीआर टेंभरे, एमएल हिरवाने, जावेन्द्रनाथ बिसेन, जेएल बिसेन, पीएल लिल्हारे, रंजीतसिंह चौहान, सीपी वैद्य, केएम. पारधी, हनवत, के.एस. पारधी, डी.आर. कामड़े, अरूण राहंगडाले, श्री बाघमारे, जी.एस. धुर्वे अपर कलेक्टर,एम.एल. हिरवाने, नवीनी पटले विवेक त्रिपाठी जो कि वर्ष 1970 के पूर्व कृषि स्नातक थे उन्हे सर्वप्रथम सम्मानित किया गया। तत्पश्चात वर्ष 1970 से वर्तमान सत्र तक कृषि स्नातक विभिन्न क्षेत्रों से सेवानिवृत अधिकारी, कर्मचारी एवं वर्तमान में अन्य क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे कृषि स्नातको का भी सम्मान करते हुए उनका परिचय सम्मेलन हुआ।

जिले में कृषि को लेकर अपार संभावनाएं- पटले

बालाघाट कृषि स्नातक सम्मेलन को संबोधित करते हुए आर.सी. पटले सीईओ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट ने कहा कि कृषि स्नातक सम्मेलन 2024 का प्रथम सम्मेलन वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में किया गया है। इस सम्मेलन के माध्यम से यहां पहुंचे विभिन्न क्षेत्रों के कृषि स्नातको के विचारों का आदान-प्रदान करना है ताकि विचारों को मजबूती प्रदान की जा सके। यह आवश्यक है कि कृषि के क्षेत्र में संभावनाएं अपार है और यहा उपस्थित कृषि स्नातको के विचारो को हम सब मिलकर पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थितजनों ने कृषि स्नातक की पढ़ाई अलग-अलग महाविद्यालय में पूर्ण की है यह अवसर है कि एक मंच के माध्यम से अपने विचार सांझा किया जावे। श्री पटले ने कहा कि कृषि को लेकर विकास के आयाम को कैसे साकार किये जाये इस पर मंथन किया जायेगा। जिसके बाद बालाघाट ही नही अपितु पूरे प्रदेश में बालाघाट की छवि अविस्मणीय रहे। क्योंकि बालाघाट जिले के कृषि से जुड़े अनुभव को नकारा नही जा सकता। कार्यक्रम का मंच संचालन अमित शर्मा जबलपुर द्वारा किया गया।

बालाघाट के व्यापारी को उठाने नगर पहुंची महाराष्ट्र पुलिस

व्यापारियों ने जताया विरोध, गुटका पान मसाला की महाराष्ट्र में बिक्री से जुड़ा है मामला, व्यापारियों ने कोतवाली पहुंचकर की शिकायत, देर रात तक चलता रहा समझाईश का दौर

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। बालाघाट की सीमा से लगे पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में सुगंधित तंबाकू, पान- मसाला, गुटखा ,जर्दा आदि की बिक्री पर वहां की महाराष्ट्र सरकार ने पूर्णत प्रतिबंध लगाया है। जहां गुटखा पान जर्दा मसाला सुगंधित तंबाकू सहित अन्य वस्तुओं को बचने एवं उसके भंडारण करने पर पूर्णत रोक लगाई गई है वही इन वस्तुओं के भंडारण करने व बेचने वालों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने का नियम बनाया गया है । लेकिन महाराष्ट्र में प्रतिबंधित इन वस्तुओं की बिक्री व भंडारण पर मध्य प्रदेश में किसी प्रकार की रोक नहीं है। जिसके चलते बालाघाट के व्यापारी इस व्यापार को करते हैं वही जीएसटी टैक्स भी सरकार को जमा करते हैं। लेकिन कुछ लोग महाराष्ट्र में प्रतिबंधित इन वस्तुओं को बालाघाट से खरीद कर ऊंचे दामों पर महाराष्ट्र में बेच रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र बॉर्डर के समीप एक व्यक्ति से महाराष्ट्र पुलिस ने करीब 10 लाख रुपए का प्रतिबंध माल जप्त किया है। उक्त व्यक्ति ने यह प्रतिबंध माल बालाघाट के व्यापारी से खरीदना बताया। जिसके चलते महाराष्ट्र भंडारा एसपी नूरुल हसन के निर्देशन पर महाराष्ट्र पुलिस रविवार की शाम नगर पहुंची और माल बेचने वाले व्यापारी को अपने साथ ले जाने लगी। जिसकी जानकारी लगते ही अन्य व्यापारी महाराष्ट्र पुलिस की इस कार्यवाही से नाराज हो गए और उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की इस कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए इसका जमकर विरोध किया। जिस पर व्यापारी संघ ने पीड़ित दुकानदारों के साथ देर शाम कोतवाली थाना पहुंचकर महाराष्ट्र पुलिस की शिकायत की और महाराष्ट्र पुलिस पर आए दिनों उन्हें प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया। इस पूरे मामले में फिलहाल महाराष्ट्र पुलिस ने किसी भी प्रकार का बयान देने से इनकार कर दिया, तो वही इस मामले में फिलहाल व्यापारियों से भी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वही महाराष्ट्र पुलिस और व्यापारी संघ की थाना प्रभारी प्रकाश वास्कले के साथ बैठक जारी है। जहां खबर लिखे जाने तक महाराष्ट्र पुलिस,स्थानीय व्यापारियों और कोतवाली थाना प्रभारी के बीच बैठक का दौर शुरू रहा इस मामले में देर रात जानकारी सामने आई की बालाघाट पहुची पुलिस को खाली हाथ बैरंग लौटना पड़ा है।

व्यापारी श्याम मंगलानी को उठाने आई थी महाराष्ट्र पुलिस

प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के भंडारा जिले की सिहोरा पुलिस (तुमसर तहसील) रविवार को तंबाकू-पान मसाला की अवैध बिक्री मामले पूछताछ के लिए बालाघाट पहुंची। इस टीम में सिहोरा थाना से नितिन मदनकर, सहायक पुलिसकर्मी मनोज इनपाते, सहित एक अन्य पुलिसकर्मी का समावेश रहा। आरोप है कि बालाघाट के तंबाकू-गुटका कारोबारी श्याम मंगलानी द्वारा एक व्यक्ति को बड़ी मात्रा में तंबाकू के उत्पाद बेचे गए हैं। बताया गया कि महाराष्ट्र पुलिस ने उस व्यक्ति से दस लाख रुपये कीमत का तंबाकू का सामान जब्त किया है। पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने यह सारे उत्पाद बालाघाट के श्याम मंगलानी से खरीदने की बात कही है। चूंकि, महाराष्ट्र में तंबाकू-गुटखा प्रतिबंधित है, इसलिए महाराष्ट्र पुलिस ने इन उत्पादों की बिक्री करने वाले व्यापारी को जांच के दायरे में लिया है, लेकिन बालाघाट के कारोबारियों में महाराष्ट्र पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ कड़ी नाराजगी है। तंबाकू-गुटका कारोबारियों का कहना है कि बालाघाट और मध्य प्रदेश में इन वस्तुओं की बिक्री पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं है, इन वस्तुओं की बिक्री मप्र कानून के हिसाब से वैध है। जिसले चलते वे इन वस्तुओं की बिक्री कर सरकार को टैक्स भी जमा कर रहे हैं। तो फिर हम पर यह कार्यवाही क्यों की जा रही है। बालाघाट के व्यापारियों की माने तो वह किसी व्यक्ति को माल बेच रहे हैं यदि वह व्यक्ति महाराष्ट्र में जाकर उन प्रतिबंधित वस्तुओं की बिक्री करता है तो इसके लिए वे दोषी नहीं है, जो व्यक्ति प्रतिबंधित वस्तुओं की महाराष्ट्र में बिक्री करता है उसपर कार्यवाही की जाए और व्यापारियों को परेशान ना किया जाए। लेकिन महाराष्ट्र पुलिस इस बात को नहीं मान रही है और वह व्यापारी को अपने साथ ले जाने की जिद पर आमदा है। जिसको लेकर यह विरोध देखा जा रहा है।

व्यापारियों ने ज्ञापन सौपकर कोतवाली पुलिस से की शिकायत

इस पूरे मामले में महाराष्ट्र पुलिस के अड़ियल रवैये को देखते हुए इन वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यापारियों के अलावा चैंबर आफ कामर्स के जिलाध्यक्ष सहित व्यापारी वर्ग देर शाम कोतवाली पहुंच गए। उन्होंने बालाघाट पुलिस अधीक्षक के नाम कोतवाली थाना प्रभारी प्रकाश वास्कले को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की पूर्व की और वर्तमान कार्रवाई का विरोध जताते हुए महाराष्ट्र पुलिस की ऐसी कार्रवाइयों पर रोक लगाने की मांग की।

10 लाख के प्रतिबंधित माल के साथ पकड़ाया था वारासिवनी का राहुल प्रजापति

महाराष्ट्र पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वारासिवनी वार्ड नंबर 7 निवासी राहुल प्रजापति नाम का एक व्यक्ति उनके थाना क्षेत्र में 10 लाख रुपए के प्रतिबंधित माल के साथ पकड़ाया है जिससे की गई पूछताछ में उसने यह माल बालाघाट के व्यापारी श्याम मंगलानी से खरीदना बताया। जिस पर यह पूरा मामला भंडारा एसपी आईपीएस अधिकारी नुरुल हसन के संज्ञान में लाया गया जहां एसपी नुरूल हसन के निर्देशन पर सिहोरा पुलिस बालाघाट पहुंची है और व्यापारी श्याम मंगलानी को पूछताछ के लिए उठाने लगी। लेकिन इसके पूर्व हुई घटना का संज्ञान लेते हुए व्यापारियों ने इसका विरोध किया और इसकी शिकायत बालाघाट पुलिस से की है।

महाराष्ट्र पुलिस बालाघाट व्यापारियों को कर रही प्रताड़ित

बालाघाट के कारोबारियों ने ज्ञापन सौंपते हुए कोतवाली पुलिस को बताया कि कुछ महीनों से महाराष्ट्र पुलिस बालाघाट के गुटका कारोबारियों को प्रताड़ित करने का काम कर रही है जहां बालाघाट के व्यापारियों पर गलत आरोप लगाकर महाराष्ट्र से संबंधित थानों में ले जाकर बंद कर दिया जाता है। वहीं उन्हें जेल भेज दिया जाता है। जिसके चलते यह महाराष्ट्र पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए बुलाने पर नहीं जाना चाहते। व्यापारियों द्वारा बालाघाट पुलिस को बताया गया कि कुछ व्यापारियों द्वारा बालाघाट से पान मसाला और तंबाकू के कारोबारियों के नाम लेने से महाराष्ट्र पुलिस हमें प्रकरण में शामिल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करती है। जबकि सच यह है कि मध्यप्रदेश में पान मसाला, तंबाकू उत्पाद की बिक्री और खरीदी पर प्रतिबंध नहीं है। जबकि ये प्रतिबंध महाराष्ट्र में है। कोई व्यक्ति हमसे ये सामान खरीद कर प्रतिबंधित राज्य में बेचता है, तब इसमें बालाघाट के कारोबारी कैसे दोषी हुए। जबकि दोनों राज्यों की सीमाओं में चेकिंग पाइंट्स हैं। अन्य विभागों द्वारा सीमा से पार होने वाले सामान की जांच के लिए व्यवस्था है। बावजूद जिसके भी हमें परेशान करने का काम किया जा रहा है।

इसके पहले दो व्यापारियों पर बन चुका है महाराष्ट्र में केस

स्थानीय व्यापारियों द्वारा अनौपचारिक चर्चा के दौरान बताया गया कि महाराष्ट्र में जब भी कोई ऐसा मामला सामने आता है तब महाराष्ट्र पुलिस सीधे बालाघाट पहुंचती है और संबंधित व्यापारी को पूछताछ के नाम पर अपने साथ ले जाती है उन्हें थाने में पूछताछ के नाम पर बंद कर दिया जाता है और प्रकरण बनाकर उन्हें जेल भेज दिया जाता है। यह पहला मामला नहीं है बल्कि इसके पूर्व नगर के व्यापारी अब्दुल आबिद और सुनील कुकरेजा के साथ भी ऐसा हो चुका है व्यापारियों ने बताया कि इससे पहले भी महाराष्ट्र पुलिस ,तंबाकू बिक्री के मामले में शहर के कारोबारियों को परेशान कर चुकी है। बताया गया कि महीनेभर पहले बालाघाट के अब्दुल आबिद को भंडारा जिले की गोबरवाही पुलिस ने चार हजार रुपये के तंबाकू उत्पाद बेचने के मामले में पूछताछ के लिए गोबरवाही बुलाया था और कोर्ट में पेश कर अब्दुल को तीन दिन के लिए जेल में बंद कर दिया गया। अभी अब्दुल आबिद जमानत पर रिहा है और उनकी पेशी अब भी कोर्ट में चल रही है। इसी तरह सालभर पहले सुनील कुकरेजा को महाराष्ट्र की वर्धा पुलिस ने ऐसे ही प्रकरण में 15 दिनों के लिए जेल में बंद कर दिया था। खबर लिखे जाने तक कोतवाली बालाघाट और सिहोरा पुलिस ने इस पूरे मामले में अधिकृत बयान नहीं दिया है।

खाली हाथ वापस लौटी महाराष्ट्र पुलिस

हालांकि पुलिस और व्यापारियों के बीच देर रात तक चली बैठक में क्या निर्णय निकला। फिलहाल इसकी जानकारी नहीं लग पाई है लेकिन सूत्र बताते हैं कि इस मामले में बालाघाट पहुंची महाराष्ट्र की पुलिस देर रात खाली हाथ बैरंग लौट चुकी है। वहीं पूरे मामले को लेकर हमने कोतवाली टीआई प्रकाश वास्कले से दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन खबर लिखे जाने तक उनसे संपर्क नहीं हो सका।

बाघ के हमले से 55 वर्षीय शख्स की मौत

पूर्व खवासा रेंज के सिलारी में घटना, ग्रामीणों का फूटा आक्रोश, वन विभाग पर भांजी लाठिया

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय कटंगी से 55 किमी. दूर वन्य प्राणी बाघ के हमले से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई. घटना पूर्व खवासा रेंज के सिलारी के जंगल से सटे खेत की है. रविवार की दोपहर करीब साड़े 03 बजे हिंसक वन्य प्राणी बाघ ने खेत में कृषि कार्य कर रहे अंबेझरी निवासी 55 वर्षीय शख्स सुखराम उइके पर अचानक से हमला कर दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई. बाघ ने शव को घटना स्थल से करीब 200 मीटर दूर गन्ने के खेत में ले जाकर फेंक दिया. शाम करीब साड़े 04 बजे सुखराम का शव क्षत-विक्षत हालत में दिखाई दिया. मिली जानकारी अनुसार सुखराम उइके सिलारी जंगल से सटे अपने खेत में कृषि कार्य कर रहा था. इस दौरान बाघ ने अचानक से उन पर हमला कर दिया. ग्रामीणों को इस हमले की जानकारी तब लगी जब सुखराम उइके के मवेशी खेत से घर की तरफ भाग कर आए. ग्रामीणों ने जब खेत की तरफ जाकर देखा तो सुखराम गायब था और खेत में बाघ के पदचिन्ह देखे गए. ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी. सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे. मगर, इस घटना के बाद वन विभाग के अमले को ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा. आक्रोशित भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने वन विभाग पर लाठिया भांजी जिससे खवासा पूर्व के रेंजर घनश्यामदास चतुर्वेदी चोटिल हो गए. वहीं कटंगी रेंज के अधिकारी और कर्मचारी ग्रामीणों में आक्रोश की सूचना मिलने पर गांव के भीतर प्रवेश करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाए और वापस उलटे पाँव लौट गए. मृतक के शव का घटना स्थल पर ही पीएम किया गया. वहीं शव परिजनों को शव सौंप दिया गया है. सोमवार को शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते 15 दिनों से हिंसक वन्य प्राणी बाघ का पूरा कुनबा खैरलांजी गांव के आस-पास देखा जा रहा है. बाघ ने कई बार ग्रामीणों पर हमला करने की कोशिश की. जिसकी जानकारी खवासा और कटंगी रेंज के अधिकारी और बीट गार्ड को दी गई थी. खवासा का अमला तो लगातार गांव में गश्त कर रहा था लेकिन कटंगी वन अमले ने ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया. बता दें कि 04 दिन पहले वन्य प्राणी बाघ ने गांव के भीतर घुसकर दयाराम मर्सकोले के पालतू मवेशी बछड़े का शिकार करने की नाकाम कोशिश की थी. इस घटना के बाद हमने जनहानि होने की आशंका जताई थी. वहीं वन विभाग को इस आंशका से अवगत करवाया था लेकिन इसके बावजूद वन विभाग कटंगी का अमला खासतौर से वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार गहरी नींद में सोए हुए थे।

ग्रामीणों की जान को खतरा

ग्रामीणों ने बताया कि खैरलांजी गांव में वन्य प्राणी बाघ का खतरा बीते 15 दिनों से बना हुआ था. 15 दिन पहले अंबेझरी से खैरलांजी मार्ग पर बाघ को देखा गया था. जिसके सिलारी से खैरलांजी मार्ग पर लगातार बाघ की गतिविधियां देखी गई हैं वन विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. नतीजा आज एक किसान को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा. अभी कह पाना मुश्किल है कि इस तरह की घटना भविष्य में नहीं होगी. हालांकि वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है. बाघ चहलकदमी से स्थानीय लोगों के साथ ही इस गांव में किसी भी तरह की सामग्री बेचने के लिए आने वाले व्यापारियों का बहुत बुरा हाल है।

ग्राम चिचोली में एक व्यक्ति की फांसी लगाने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिचोली में इसी ग्राम के एक व्यक्ति की पेड़ में फांसी लगाने से मौत हो गई। खैरलांजी पुलिस ने मृतक रामेश्वर पिता जयपाल दमाहे 55 वर्ष की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश बरामद की और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये। इस व्यक्ति ने किस वजह से फांसी लगाई। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामेश्वर दमाहे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी दो बेटे और एक बेटी है। एक बेटा और एक बेटी की शादी हो चुकी है बताया गया है कि रामेश्वर शराब पीने का भी आदि था। हाल ही में रामेश्वर दमाहे की पत्नी ग्राम खैरी गई हुई थी। घर में रामेश्वर दमाहे अपने बेटा बहू के साथ में था। 21 दिसंबर की रात्रि 9:30 बजे रामेश्वर दमाहे घर के सामने रोड पर बैठा था । परिवार के लोग खाना खाकर सो गए थे। रात में रामेश्वर दमाहे घर नहीं आए। 22 दिसंबर को सुबह 7:30 बजे गांव में चर्चा चल रही थी कि रामेश्वर दमाहे ने देवराज आड़े के खेत में जामुन के पेड़ में फांसी लगा ली है। पता चलने पर उसका बेटा रमन दमाहे ने परिवार और गांव वालों के साथ देवराज आड़े की खेत में जाकर देखें। जहां पर उसके पिता रामेश्वर दमाहे जामुन के पेड़ में फांसी पर लटका हुआ था। जिसने पेड़ में दुपट्टा बांध कर पेड़ में फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो गई थी। जिसकी रिपोर्ट रमन दमाहे 24 वर्ष में खैरलांजी पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक चंद्रशेखर चौधरी ने ग्राम चिचोली पहुंचकर मृतक रामेश्वर दमाहे की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश बरामद की और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। इस व्यक्ति ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। सहायक उप निरीक्षक श्री चौधरी ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

ग्राम घोटी में बलवा

एक दर्जन से अधिक लोगों ने सरपंच के भाई को लाठी तलवार चाकू से मारकर किये घायल

गंभीर रूप से घायल शिवकुमार ठकरेले हायर सेंटर रेफर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घोटी में सरपंच नरेन्द्र ठकरेले के भाई शिव कुमार ठकरेले को एक दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी तलवार चाकू से मारकर घायल कर दिया। 22 दिसंबर की शाम को यह घटना किसी आपसी रंजिश के चलते हुई। गंभीर रूप से घायल शिवकुमार ठकरेले 55 वर्ष को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार शिवकुमार ठकरेले की गांव के लिल्हारे परिवार से किसी बात को लेकर आपसी रंजिश बनी हुई थी। इस आपसी रंजीत के चलते 22 दिसंबर की शाम शिवकुमार को उसी के घर के सामने लिल्हारे परिवार के एक दर्जन से अधिक लोगों ने हमला करते हुए उसे दौड़ा-दौड़ा कर लाठी तलवार चाकू से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिए । गंभीर रूप से घायल शिवकुमार को वारासिवनी सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया था। घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिषेक चौधरी जिला अस्पताल पहुंचे और पूछताछ की। गंभीर रूप से घायल शिवकुमार ठकरेले का नायक तहसीलदार से मरणासन्न कथन करवाएं । इसके बाद घायल शिवकुमार ठाकरेले को जिला अस्पताल से भी हायर सेंटर रिफर कर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट